Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Tuesday, 25 November 2025 ● Year : 03 ● Issue : 307 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

दीनता उस मानसिक दुर्बलता को कहते हैं, जो मनुष्य को दूसरे की दया पर जीने का प्रलोभन देती है।

–हजारीप्रसाद द्विवेदी

Huma Qureshi Demands Equal...

SHARE

सेंसेक्स	:	84,900.71
निफ्टी	:	25,959.50

SARAFA

सोना	:	11,620
चांदी	:	171.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

मंत्री के बयान पर चुनाव आयोग ने लिया संज्ञान

RANCHI : एसआईआर पर विवादित बयान देने पर चुनाव आयोग ने झारखंड सरकार के मंत्री इरफान अंसारी से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग का कहना है कि यह बयान एसआईआर प्रक्रिया को बाधित करने वाला है। इरफान अंसारी ने सरकारी कार्यक्रम के दौरान लोगों से अपील की थी कि अगर कोई बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) एसआईआर के तहत वोटर लिस्ट से नाम काटने घर आए, तो उसे घर में बंद कर दें या बंधक बना लें।

तीन राज्यों के नक्सली हथियार डालने को तैयार

HYDERABAD : माओवादियों की स्पेशल जोनल कमेटी ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के राज्यों के मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखकर तलाशी अभियान बंद करने के बाद हथियार डालने की तारीख की घोषणा करने की बात कही है। माओवादियों के इस आशय के पर्चे राज्य के कई इलाकों में चिपके देखे गए।

पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'माहे' नौसेना में शामिल

NEW DELHI : सोमवार को पनडुब्बी रोधी युद्धपोत जलयान 'माहे' भारतीय नौसेना का हिस्सा बन गया। सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने इसे औपचारिक रूप से समुद्री बेड़े में शामिल किया। यह युद्धपोत पश्चिमी समुद्र तट पर एक 'साइलेंट हंटर' के रूप में भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करेगा।

श्रद्धालुओं से भरी बस खाई में गिरी, 5 की मौत

TIHRI : सोमवार को उत्तराखंड के टिहरी में श्रद्धालुओं से भरी बस 70 मीटर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में गुजरात, हरियाणा, बिहार, उत्तरप्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र और दिल्ली के 13 लोग घायल हैं। बस ऋषिकेश के दयानंद आश्रम से 29 लोगों को कुंजापुरी मंदिर लेकर गई थी, यहीं से लौटते वक्त हादसा हुआ।

नहीं रहे 'ही-मैन' के नाम से मशहूर बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र

MUMBAI @ PTI : 'ही मैन' के नाम से मशहूर बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र अब हमारे बीच नहीं रहे। सोमवार को मुंबई के जुहू स्थित अपने आवास पर 89 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। उन्होंने 'सत्यकाम' से लेकर 'शोले' और बाद में 'बहारें फिर भी आएंगी' तक 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। इस दिग्गज अभिनेता का फिल्मी करियर 65 वर्षों से अधिक का रहा। उनके निधन की जानकारी मुंबई पुलिस ने दी। उनका अंतिम संस्कार विले पार्ले श्मशान घाट पर किया गया। इस अवसर पर उनकी पत्नी हेमा और बेटी ईशा सहित परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे। अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए अमिताभ बच्चन, शाहरुख, सलमान और अन्य कई फिल्मी हस्तियां पहुंचीं।

जन्म : 8 दिसंबर 1935
निधन : 24 नवंबर 2025

- अंतिम संस्कार के समय अमिताभ, सलमान, शाहरुख और अन्य फिल्मी हस्तियां पहुंचीं
- 'सत्यकाम' से लेकर 'शोले' और बाद में 'बहारें फिर भी आएंगी' तक 300 से ज्यादा फिल्मों में निभाया किरदार

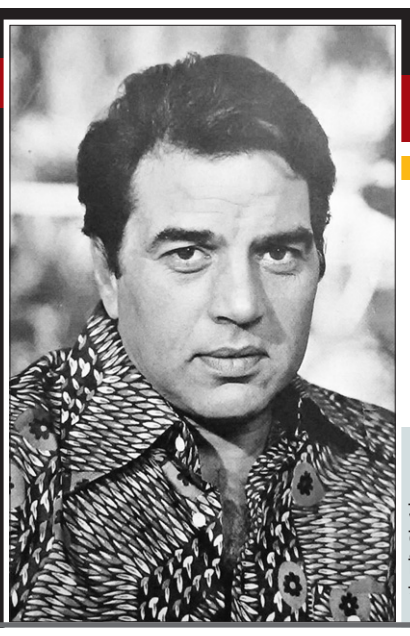

जुहू स्थित आवास में ली अंतिम सांस, विले पार्ले श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार

65 वर्षों से अधिक के फिल्मी करियर में 300 से अधिक फिल्मों में किया काम

भारतीय सिनेमा पर छाया मुस्कान की सादगी व भारी आवाज का जादू

उल्लेखनीय है कि धर्मेंद्र पिछले कुछ वक्त से बीमार थे और मुंबई के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। परिवार ने इस महीने की शुरूआत में घर पर ही उनका इलाज जारी रखने का निर्णय लिया था। वह आठ दिसंबर को 90 वर्ष के हो जाते। पुलिस के अनुसार, धर्मेंद्र के जुहू स्थित आवास से एक एंबुलेंस और कई कारें रवाना हुईं तथा हेमा मालिनी, एशा देओल, आमिर खान, अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन को श्मशान घाट पर देखा गया। धर्मेंद्र ने फिल्मों में निभाए गए हर कैरेक्टर में जान डाल दी। एक्टिंग के दौरान धर्मेंद्र की आंखों की मासूमियत, उनकी मुस्कान की सादगी और उनकी भारी आवाज का जादू धीरे-धीरे भारतीय सिनेमा पर पूरी तरह छा गया। उन्होंने रोमांस भी किया तो दिल जीत लिया, कॉमेडी की तो हर डायलॉग पर हंसी गूंज उठी और जब एक्शन किया तो लोग सीटियां बजाना नहीं रोक पाए। उनकी बहुमुखी प्रतिभा की मिसाल आज भी दी जाती है।

> धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने दशकों लंबे शानदार करियर में कई यादगार प्रस्तुतियां दीं। उनके परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। **-द्रौपदी मुर्मु, राष्ट्रपति।**

> धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत है। वे एक प्रतिष्ठित फिल्मी हस्ती, एक अद्भुत अभिनेता थे। इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। **-नरेंद्र मोदी, पीएम।**

> धर्मेंद्र जी का निधन अत्यंत व्यथित करने वाला है। उनका व्यक्तित्व जितना विनम्र था, उतना ही प्रेरणादायक। मैं गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। **-हेमंत सोरेन, सीएम**

पंजाब में हुआ था जन्म

पंजाब में 1935 में जन्मे धर्मेंद्र का असली नाम धरम सिंह देओल था और उनका फिल्मी करियर छह दशक से ज्यादा का रहा। उन्होंने शोले, चुपके-चुपके, सत्यकाम, अनुपमा, सीता और गीता, यादों की बारात जैसी कई हिट फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं निभाईं। एक्शन, रोमांस और हास्य में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए उन्हें व्यापक रूप से सराहा गया।

दुमका में सिदो-कान्हू एयरपोर्ट परिसर में फ्लाइंग इंस्टीट्यूट का उद्घाटन

अब झारखंड के युवा हवाई जहाज में चढ़ेंगे ही नहीं, उड़ाएंगे भी : हेमंत

PHOTON NEWS DUMKA : सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सिदो-कान्हू एयरपोर्ट परिसर में झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास, नियुक्ति पत्र एवं परिसंपत्तियों का वितरण भी किया। झारखंड फ्लाइंग इंस्टीट्यूट का शुभारंभ करते हुए सीएम ने कहा कि इस संस्थान को स्थापित करने के लिए आधारशिला रखी गई थी। उस समय इस संस्थान को आगे बढ़ाने के बजाय इसको बंद डब्बे में डाल दिया। लेकिन, अब यहां के युवा हवाई जहाज में चढ़ेंगे ही नहीं, हवाई जहाज उड़ाएंगे भी। युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर पायलट बन सकेंगे। 30 युवाओं का चयन प्रतियोगिता परीक्षा के जरिए होगा। 15 आरक्षित वर्ग के युवाओं को राज्य सरकार शत-प्रतिशत स्कॉलरशिप पर प्रशिक्षण देगी।

पायलट के लिए प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा 30 युवकों का चयन

- 15 आरक्षित वर्ग के युवकों को राज्य सरकार शत-प्रतिशत स्कॉलरशिप पर देगी प्रशिक्षण
- अन्य कई विकास योजनाओं का भी किया गया उद्घाटन और शिलान्यास

विरोधियों ने आगे बढ़ाने के बजाय डाल दिया था बंद डब्बे में

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के युवाओं के भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए यह कमर्शियल पायलट ट्रेनिंग संस्थान उन्हें समर्पित किया जा रहा है। इस फ्लाइंग इंस्टीट्यूट की 2008 में ही आधारशिला रखी गई थी। दिशोम गुरु शिबू सोरेन की परिकल्पना थी कि राज्य के युवाओं को राज्य में ही कमर्शियल पायलट का प्रशिक्षण मिले। इस परिकल्पना को साकार करने में यह इंस्टीट्यूट मील का पत्थर साबित होगा। हेमंत सोरेन ने कहा कि लगभग 17 वर्ष पूर्व फ्लाइंग इंस्टीट्यूट को स्थापित करने के लिए आधारशिला रखी गई था। लेकिन, कई राजनीतिक उतार-चढ़ाव झारखंड में देखा गया। उस समय विरोधियों द्वारा इस संस्थान को आगे बढ़ाने के बजाय इसको बंद डब्बे में डाल दिया गया। इस संस्थान की आधारशिला रखने के उपरांत चार-पांच साल के अंदर ही यहां के नौजवानों का भविष्य गढ़ने का कार्य करना चाहिए था।

मसलिया-रानेश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना का किया निरीक्षण

सीएम ने दुमका जिला अंतर्गत रानेश्वर प्रखंड के मुरगुनी में सिद्धेश्वरी नदी पर निर्माणाधीन मसलिया-रानेश्वर मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना की कार्य प्रगति का भी निरीक्षण किया। इस दौरान हेमंत ने कहा कि मसानजोर डैम में हम लोगों ने बराज की व्यवस्था करने हेतु शिलान्यास किया था। मैंने उस बराज को जाकर देखा है। एक-दो माह में वह बनकर तैयार भी हो जाएगा। इससे आधा मसलिया और नाला तक के लोगों को बहुफसलीय खेती के लिए पानी की व्यवस्था कर दी है। मसानजोर डैम के आसपास जितनी भी पेयजल की योजनाएं हैं, उनकी भी परिकल्पना हम लोगों ने की थी। आज यहां के लोगों को स्वच्छ पानी मिल रहा है। अब खेती का भी रास्ता हम लोग ढूंढ रहे हैं।

निकाय चुनाव कराने के लिए आयोग ने हाईकोर्ट से मांगे आठ सप्ताह

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को झारखंड में स्थानीय शहरी निकाय चुनाव कराने को लेकर दायर अवमानना याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। चुनाव के संबंध में कोर्ट ने 4 जनवरी 2024 को 3 सप्ताह के भीतर चुनाव कराने का आदेश दिया था। आदेश का पालन नहीं होने के बाद रोशनी खलखो ने अवमानना याचिका दाखिल की थी। इसी याचिका पर जस्टिस आनंद सेन की बेंच में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से अधिवक्ता सुमित गाडोड़िया उपस्थित हुए। उन्होंने कोर्ट को अवगत कराया कि आयोग चुनाव कराने के लिए पूरी तरह गंभीर है, लेकिन विस्तृत तैयारी के लिए आठ सप्ताह का समय आवश्यक है। इसके अलावा वास्तविक चुनाव प्रक्रिया पूर्ण करने में 45 दिन लगेंगे। आयोग ने यह बात कोर्ट में दाखिल शपथपत्र के माध्यम से भी कही है। साथ ही, आयोग की ओर से अदालत में सीलबंद रिपोर्ट भी सौंपी गई, जिसमें चुनाव संचालन से संबंधित विस्तृत जानकारी और तैयारी की स्थिति शामिल है। कोर्ट ने सीलबंद रिपोर्ट का अवलोकन किया और दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं। इसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 30 मार्च 2026 की तारीख निर्धारित की है।

- चुनावी प्रक्रिया पूरी होने के लिए 45 दिनों की जरूरत 30 मार्च को होगी अगली सुनवाई
- निर्वाचन आयोग की ओर से अदालत में सौंपी गई एक सीलबंद रिपोर्ट
- रिपोर्ट में चुनाव की तैयारी और संचालन से संबंधित दी गई है विस्तृत जानकारी

सरकार ने पूरी कर ली है आवश्यक प्रक्रिया

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन उपस्थित हुए और कोर्ट को बताया कि सरकार ने चुनाव से जुड़ी आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर ली है। महाधिवक्ता ने यह भी कहा कि चुनाव संबंधी सभी निर्णयों की प्रतियां राज्य निर्वाचन आयोग को दे दी गई हैं। आयोग ने इन्हें स्वीकार भी कर लिया है। बता दें कि पिछली सुनवाई में महाधिवक्ता ने कोर्ट को बताया था कि ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। उसकी रिपोर्ट कैबिनेट को भेजी जाएगी। कैबिनेट की मंजूरी के बाद सरकार नगर निकाय चुनाव कराने की अनुशंसा राज्य निर्वाचन आयोग को भेजेगी। उस समय कोर्ट ने राज्य सरकार को तीन सप्ताह के भीतर चुनाव संबंधी अनुशंसा भेजने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर प्रार्थियों की ओर से अवमानना का मुद्दा उठाया गया। अदालत ने इस देरी पर गंभीर रुख अपनाते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया को समय सीमा में पूरा करना अनिवार्य है। किसी भी प्रकार की प्रशासनिक देरी स्वीकार्य नहीं होगी।

पीएम मोदी आज फहराएंगे रामलला की धर्मध्वजा

एटीएस-एनएसजी कमांडो ने मंदिर को घेरा, सुरक्षा कड़ी

AGENCY AYODHYA : अयोध्या में राम मंदिर पर धर्मध्वजा की तैयारियां कर ली गई है। शहर को 1000 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। मंदिर पर फहराई जाने वाली धर्मध्वजा जन्मभूमि पहुंच चुकी है। मंगलवार को पीएम मोदी मंदिर के 191 फीट ऊंचे शिखर पर पहली बार ध्वजा फहराएंगे। राम जन्मभूमि और आसपास की सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है। हेलिकॉप्टर से निगरानी की जा रही है। एटीएस-एनएसजी कमांडो ने मंदिर को घेर रखा है।

इसके अलावा एसपीजी, सीआरपीएफ और पीएसी के जवान भी तैनात हैं। 5 लेयर में मंदिर की सुरक्षा बेहद कड़ी है।

पाकिस्तानी सेना पर दो सुसाइड अटैक, 6 मरे

NEW DELHI : सोमवार को पाकिस्तान के पेशावर में फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी (एफसी) मुख्यालय पर दो सुसाइड अटैक हुआ। इसमें 6 लोग मारे गए, जिनमें 3 कमांडो और 3 हमलावर शामिल हैं। कई लोग घायल भी हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, हमलावरों ने गोलियों और आत्मघाती हमलों के जरिए इस दफ्तर को निशाना बनाया, जिसके बाद बड़े स्तर पर सिक्योरिटी ऑपरेशन चलाया। हमला सुबह करीब 8 बजे शुरू हुआ। पुलिस ने बताया कि पैरामिलिट्री इमारत के मुख्य गेट पर दो धमाके हुए। इसके तुरंत बाद हथियारबंद हमलावर अंदर घुस गए और सुरक्षा कर्मियों से उनकी मुठभेड़ हुई। एफसी कमांडो और पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में कैंपस के अंदर तीन हमलावरों को मार गिराया।

53वें सीजेआई के रूप में जस्टिस सूर्यकांत ने ली शपथ

सोमवार को जस्टिस सूर्यकांत ने देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में हुए समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने वहां मौजूद बहन और बड़े भाई के पैर छुए। इस कार्यक्रम में उनके परिवार के लोग शामिल हुए। शपथ के बाद सीजेआई सूर्यकांत ने पीएम मोदी समेत अन्य लोगों से मुलाकात की। वे पूर्व सीजेआई बीआर गवई से गले मिले। इस समारोह में ब्राजील समेत सात देशों के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज भी राष्ट्रपति भवन में मौजूद थे।

बड़ी पहल पहली बार रासायनिक आपदाओं से लोगों के बचाव का होगा पुख्ता इंतजाम

केमिकल इमरजेंसी से निपटने को बनेगा राष्ट्रीय निगरानी तंत्र

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : आग लगने की घटनाओं पर तत्काल नियंत्रण के लिए फायर ब्रिगेड की टीम काम करना शुरू कर देती है। बस टीम को घटना की जल्द से जल्द जानकारी मिलनी चाहिए। टीम का काम सिर्फ आग को बुझाया ही नहीं, बल्कि आग में फंसे लोगों के जीवन को बचाना भी है। हाल ही में केंद्र सरकार ने रासायनिक दुर्घटना, गैस रिसाव या जहरीले प्रदूषण जैसी घटनाओं से लोगों के जीवन की रक्षा के लिए विशेष पहल की है। सरकार ने अब देश में केमिकल इमरजेंसी से निपटने के लिए राष्ट्रीय निगरानी तंत्र बनाने का फैसला किया है। इस निगरानी तंत्र के माध्यम से विशेष टीम लोगों के बचाव की जिम्मेदारी उठेगी। ऐसी स्थिति में कारगर तरीके से लोगों के स्वास्थ्य की देखरेख हो सकेगी। देश में पहली बार रासायनिक आपदाओं से जुड़ी स्वास्थ्य निगरानी और त्वरित कार्रवाई को संस्थागत रूप देने की दिशा में यह कदम ऐतिहासिक माना जा रहा है। इसके तहत हर जिले में रैपिड रिस्पांस टीम (आरआरटी) गठित की जाएगी। यह टीम रासायनिक दुर्घटना, गैस रिसाव या जहरीले प्रदूषण जैसी घटनाओं पर तत्काल करवाई करेगी और घायलों को प्राथमिक उपचार भी मुहैया कराएगी।

एनसीडीसी और स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देशों के आधार पर लिया गया है फैसला

विषम हालात को काबू में करने के लिए हर जिले में गठित होगी रैपिड रिस्पांस टीम

- गैस रिसाव या जहरीले प्रदूषण जैसी घटनाओं पर तत्काल कार्रवाई करेगा विशेषज्ञों का दल
- घटनास्थल पर ही घायलों को प्राथमिक उपचार मुहैया कराने में सक्षम होगी व्यवस्था
- आपात स्थितियों में देश के पब्लिक हेल्थ सिस्टम को मजबूत बनाना है मुख्य लक्ष्य

बड़े नेटवर्क के साथ जोड़े जाएंगे अस्पताल, दमकल विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

प्रभावित मामलों की सही समय पर रिपोर्टिंग

एनसीडीसी के प्रस्ताव के अनुसार, ऐसी घटनाओं को भी इंटीग्रेटेड हेल्थ इंफॉर्मेशन प्लेटफॉर्म (आईएचआईपी) से जोड़ा जाए, ताकि जहरीले रसायन या गैस रिसाव से प्रभावित मामलों की सही समय पर रिपोर्टिंग हो सके। इसके अनुसार, इस नेटवर्क में अस्पतालों, प्रयोगशालाओं, जिला स्वास्थ्य कार्यालयों, दमकल विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को जोड़ा जाएगा।

हॉस्पिटलों को तैयार करनी होगी प्रतिक्रिया योजना

गौरतलब है कि देश में हर साल सैकड़ों औद्योगिक गैस लीक, केमिकल स्पिल और विषाक्तता के मामले दर्ज होते हैं। हाल के वर्षों में विशाखापत्तनम, गाजियाबाद, लुधियाना और भिवंडी जैसे शहरों में हुई घटनाओं ने दिखाया था कि स्थानीय स्वास्थ्य तंत्र के पास त्वरित प्रतिक्रिया की कमी है। दिशा-निर्देशों के अनुसार, अब हर जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज को अपनी रासायनिक आपदा प्रतिक्रिया योजना तैयार करनी होगी। इसमें परिशोधन क्षेत्र, आइसोलेशन वार्ड, केमिकल एक्सपोजर ट्रीटमेंट किट और प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ शामिल होंगे। अस्पतालों को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी मरीज बिना डिकॉन्टेमिनेशन के इमरजेंसी वार्ड में प्रवेश न करे। साथ ही, सुरक्षा डेटा शीट (एसडीएस) और एंटीडोट सूचियों को ध्यान रखना अनिवार्य है, ताकि किसी भी रसायन रसायन के संपर्क में आने वाले रोगी का तुरंत सही इलाज किया जा सके।

जमशेदपुर डीसी कर्ण सत्यार्थी से एसीबी ने की लंबी पूछताछ

RANCHI : झारखंड में हुए शराब घोटाले के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की कार्रवाई जारी है। सोमवार को एसीबी ने इस सिलसिले में जमशेदपुर के उपायुक्त (डीसी) कर्ण सत्यार्थी से लंबी पूछताछ की। गौरतलब है कि कर्ण सत्यार्थी पूर्व में राज्य के उत्पाद आयुक्त के पद पर भी पदस्थापित रह चुके हैं। एसीबी ने पूछताछ के दौरान कर्ण सत्यार्थी से कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन जानकारी ली। अधिकारियों का मुख्य ध्यान इस बात पर था कि उत्पाद आयुक्त के तौर पर उन्होंने प्लेसमेंट एजेंसियों के खिलाफ क्या कदम उठाए थे। उत्पाद आयुक्त रहते हुए उन्होंने फजीवाड़े में शामिल प्लेसमेंट एजेंसियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की। क्या उन्होंने एजेंसियों द्वारा दी गई बैंक गारंटी की जांच कराई थी। अगर जांच नहीं कराई गई, तो इसके पीछे की वजह क्या थी।

वन भूमि घोटाले से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई

रिम्स में भर्ती विनय चौबे को पूछताछ के लिए ले गई एसीबी

PHOTON NEWS RANCHI : आईएएस विनय कुमार चौबे की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। शराब घोटाले में गिरफ्तारी के बाद अब वह जमीन और वन भूमि घोटाले के मामलों में घिर गए हैं। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम सोमवार को उन्हें रिमांड पर हजारीबाग ले गई। विनय कुमार चौबे फिलहाल रिम्स के मेडिकल वार्ड में भर्ती थे। एसीबी की टीम ने वहीं से रिमांड पर लिया। एसीबी ने उन्हें वन भूमि घोटाले से जुड़े एक मामले में पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है। विनय चौबे पर यह कार्रवाई एसीबी हजारीबाग थाने के कांड संख्या 11/25 के तहत दर्ज प्राथमिकी के सिलसिले में हुई है। यह प्राथमिकी 25 सितंबर को दर्ज की गई थी।

- हजारीबाग थाने के कांड संख्या 11/25 के तहत दर्ज प्राथमिकी में जांच एजेंसी का एक्शन
- मेडिकल वार्ड में चल रहा था इलाज

अपराधियों ने घर में घुसकर मारी गोली, मौत

केरेडारी थाना क्षेत्र की घटना

घटनास्थल पर पूछताछ करते पुलिस पदाधिकारी

AGENCY HAZARIBAG : केरेडारी थाना क्षेत्र के बुंडू पंचायत के बघुताबर टोला निवासी रुपलाल करमाली (35) को अज्ञात अपराधियों ने रविवार देर रात गोली मारकर हत्या कर दी। मिली जानकारी के अनुसार लगभग बारह बजे रात को छत के सहारे अपराधी रुपलाल करमाली के घर में घुसकर पांच गोली मार दी। इससे मौके पर ही रूपलाल करमाली की मौत हो गई। गोली की आवाज से उनके घर में कोहराम मच गया। मृतक रूपलाल करमाली बुंडू मंडा पूजा में भगत पूजारी का काम करते थे। सूचना मिलते ही केरेडारी पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है और मामले की छानबीन कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि पूरे मामले की गहन जांच पड़ताल की जा रही है। हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है।

गिरिडीह में हाथी ने तीन को कुचला, दो की मौत

GIRIDIH : जिले के विभिन्न अंचलो में हाल के दिनो में हाथियों के आंतक से कई गांवों के ग्रामीणों की दिनचर्या असंतुलित हो गई है। हाथी जान माल दोनों की क्षति कर रहे हैं। ताजा मामला बिरनी थाना क्षेत्र का है, जहां सोमवार को एक बार फिर हाथियों ने कहर बरपाया। हाथियों ने सोमवार को अहले सुबह में दो महिलाएं सहित तीन लोगों को बेरहमी से कुचल दिया । जिससे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है । घटना के बाद वन विभाग के खिलाफ ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीण पीड़ित परिजनों को मुआवजा एवं घायल के इलाज की गारंटी की मांग की है। इस बीच डीएफओ मनीष तिवारी ने कहा कि दोनों मृतकों के परिजनो को शुरूवाती मुआवाजा राशि 30-30 हजार का भुगतान किया गया है। बताया गया कि घटना जिले के

घटना के बाद बिलखते परिजन

बिरनी थाना क्षेत्र के गादी गांव की है। मृतकों में शांति देवी (65) एवं बोधी पंडित (55) शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल की पहचान पेशम गांव की सुदामा देवी के रूप में की गई है। उनका इलाज गिरिडीह सदर अस्पताल में किया जा रहा है। घटना के बाबत ग्रामीण संतोष पंडित सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार की सुबह शांति देवी और बोधी पंडित अपने खलिहान और बारी काम कर रहे थे। तभी अचानक हाथियों ने दोनो पर हमला कर दोनों को कुचल दिया। जबकि सुदामा देवी को एक हाथी ने बुरी तरह से पटक दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई । घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग और बरकट्ठा पुलिस मौके पर पहुंची । इस बीच मौके पर पहुंचे क्षेत्र के विद्यायक नगेन्द्र महतो ने वन विभाग के अधिकारियो से अविलम्ब हाथियों का गांव से बाहर करने का आग्रह किया और कहा कि मृतको को मुआवजे की शेष राशि तीन लाख 70 हजार का सात दिनों के भीतर भुगतान कराने का प्रयास करेंगे।

डंपर की चपेट में आकर युवक की मौत, लोगों ने सड़क को किया जाम

सड़क जाम करते लोग

GODDA : जिले के महागामा थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहनपुर-ललमटिया मुख्य मार्ग पर सिमड़ा गांव के समीप सोमवार की सुबह तेज रफ्तार हाईवा की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सद्दाम अंसारी (27) के रूप में हुई है। वह वर्तमान में तेतरिया में रहता था, जबकि उसका पैतृक घर डहुआ बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाईवा ने बाइक सवार सद्दाम अंसारी को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक का शव क्षत-विक्षत हो गया। हादसे के बाद हाईवा चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने रोष व्यक्त करते हुए मोहनपुरझललमटिया मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और दोषी चालक की गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की। सूचना पर पुलिस इंस्पेक्टर उपेंद्र कुमार महतो और थाना प्रभारी मनोज पाल दल-बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

ईडी की सक्रियता से कोयला तस्कर और अफसरों में मचा हडकंप

RAMGARH : जिले में ईडी की सक्रियता बढ़ने से क्षेत्र के क्षेत्र के कोयला तस्करों में हड़कंप है। क्षेत्र के कोयला तस्कर और अधिकारी ईडी से बचने के उपाय ढूंढने में मशगुल हैं। क्षेत्र में तस्करी में संलिप्त लोग कार्रवाई के भय से एक दूसरे से बात करने में भी कतरा रहे हैं। जानकारी के अनुसाार जिले में पिछले दो दिनों से पांच इनोवा पर सवार कुछ लोग कुजू, घाटो और गिद्दी इलाके में घूमते नजर आ रहे हैं। इनोवा के पीछे भारत सरकार लिखा हुआ है। जैसे ही तस्करों की नजर इनोवा कार पर पड़ी वैसे ही सबके पसीने छूटने लगे। देखते ही देखते बात पूरे जिले में आग की तरह फैल गई। वहीं कायेला तस्करों ने इनोवा से संबंधित जानकारी संबंधित अधिकारियों और अपने लोगों तक पहुंचा दी। कोयला तस्कर इनोवा की निगरानी कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि जिले में ईडी के आने की सूचना के बाद कोयला तस्कर सहित कारोबार में शामिल लोग आनन-फानन में कोयला तस्करी के प्रयोग में आने वाले मोबाइल को फेंक दिये। साथ ही उसमें लगे सिम कार्ड को भी तोड़कर फेंक दिया। सूत्रों का कहना है कि जैसे ही सूचना मिली कि नयामोड़ से इनोवा पर सवार कुछ लोग गिद्दी की ओर जा रहे हैं। इसके बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इसके बाद अवैध कोयला लदे ट्रकों को तस्करों ने ठिकाना लगाना शुरू कर दिया।

BRIEF NEWS

नाबालिग का किया अपहरण, युवक गया जेल

RAMGARH : रामगढ़ जिले के भुरकुंडा ओपी क्षेत्र में एक नाबालिग किशोरी का अपहरण एक युवक की ओर से कर लिया गया था। वारदात की जानकारी मिलते ही भुरकुंडा ओपी प्रभारी उपेन्द्र कुमार ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने 24 घंटे के अंदर ना सिर्फ किशोरी को सही सलामत बरामद कर लिया, बल्कि आरोपी युवक को भी गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को भुरकुंडा ओपी प्रभारी उपेन्द्र कुमार ने बताया कि एक नाबालिग किशोरी को बहला फुसलाकर अपहरण कर लिया गया था। 16 वर्षीय किशोरी के परिजनों ने रविवार को पुलिस को इस मामले की जानकारी दी। पुलिस ने तत्काल छापेमारी शुरू की और पिठोरिया क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया। साथ ही आरोपी को बासल थाना क्षेत्र के रसदा बस्ती, महुआ टोली निवासी 19 वर्षीय तन्नू पाहन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

गांजा खरीद-बिक्री करते दबोचे गए दो तस्कर

RAMGARH : रामगढ़ जिले के भुरकुंडा पुलिस की सक्रियता से नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया है। यहां गांजे की खरीद बिक्री करते दो तस्करों को पकड़ा गया है। एसपी अजय कुमार के निर्देश पर भुरकुंडा ओपी प्रभारी उपेन्द्र कुमार ने कार्रवाई की। उन्होंने सोमवार को बताया कि सयाल टीना साइड में 52 वर्षीय अधेड़ व्यक्ति उमेश प्रसाद के द्वारा गांजे की बिक्री की जा रही थी। साथ ही उपर धौरा भुइंया टोला निवासी 22 वर्षीय युवक सलमान अंसारी के द्वारा गांजा खरीदा जा रहा था। दोनों को गांजे की खरीद बिक्री करते हुए पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उनके पास से 60 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। इस मामले में कांड संख्या 282/2025 दर्ज कर दोनों को जेल भेजा गया है।

पटेल जयंती पर यूनिटी मार्च कल

JAMSHEDPUR : कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर राष्ट्रव्यापी Sardar@150 Unity March का आयोजन किया जा रहा है। सांसद बिद्युत बरण महतो ने सोमवार को प्रेसवार्ता में बताया कि जमशेदपुर में पहली पदयात्रा 26 नवंबर को बिष्टुपुर स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा के निकट पुलिस चौकी परिसर से प्रारंभ होकर बिष्टुपुर ट्रैफिक सिग्नल से एन रोड होते हुए आउटर सर्किल रोड से पुनः पुलिस चौकी खरकई ब्रिज पर समाप्त होगी। दूसरी पदयात्रा 28 नवंबर को पटमदा में आयोजित की जाएगी।

व्यवसायी को बंधक बनाकर लूटपाट कर रहे पांच में से एक डकैत धराया, दो हथियार हुए बरामद

व्यापारी ने दिखाई हिम्मत, एक अपराधी को दबोच लिया, अन्य अपराधी बंदूक छोड़ भागे

AGENCY PALAMU : पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के सखुई गांव में रविवार रात व्यवसायी दिना प्रसाद उर्फ धीरेंद्र प्रसाद के दुकान सह मकान में घुसकर और पूरे परिवार को बंधक बनाकर लूटपाट करते पांच में एक डकैत पकड़ा गया। घर मालिक और आसपास के लोगों ने उसकी जमकर पिटाई की। अधमरा करके पुलिस को सौंप दिया। किशुनपुर स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार कराने के बाद आरोपित को सोमवार को एमएमसीएच के कैदी वार्ड में भर्ती कराया गया है। उसका इलाज किया जा रहा है। उससे पूछताछ कर उसके साथियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में

प्रतीकात्मक तस्वीर

डकैत उत्तरप्रदेश का बताया गया है। सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मणि भूषण प्रसाद ने सोमवार को घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि एक अपराधी पकड़ा गया है, जबकि दो हथियार बरामद हुए हैं। पिटाई से जख्मी होने के कारण उसका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार रविवार रात एक अर्टिगा कार से पांच डकैत व्यवसायी दिना प्रसाद उर्फ धीरेंद्र प्रसाद की दुकान सह मकान में घुसकर पूरे परिवार को बंधक बनाकर लूटपाट कर रहे थे। तीन अपराधी अंदर घुसे थे जबकि दो बाहर रेकी कर रहे थे। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। दो डकैत चेहरा बांधे नजर आ रहे हैं। हथियार लिए हुए हैं। संपत्ति ढूंढते नजर आ रहे हैं। अन्य अपराधी बाहर कार के पास नजर आ रहे हैं। लूटपाट के क्रम में मौका पाकर दिना प्रसाद अपराधियों से भिड़ गए। खुद को बचाते हुए एक अपराधी को धर दबोचा और जमकर शोर मचाया। जब आसपास के लोग जुटने लगे तो दो अपराधी हथियार छोड़कर भाग निकले। बाहर खड़े दो अन्य अपराधियों के साथ कार से सभी निकल गए। इधर मौके पर जुटी भीड़ ने पकड़ में आए अपराधी की जमकर पिटाई शुरू कर दी। लहूलुहान कर दिया। दोनों हथियार और गोलियां जमा कर लिए। सूचना मिलने पर पाटन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और अपराधी को गिरफ्त में लिया। हथियार बरामद किया।

CRPF जवान की अंतिम यात्रा में पुलिस के जवानों ने दी सलामी

अंतिम संस्कार के दौरान सलामी देते आईटीबीपी के जवान

DHANBAD : श्रीनगर थाना क्षेत्र के कोहड़ा भवानीपुर प्लस टू परिसर में शनिवार की दोपहर में जवान गौतम ने खुद को सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद जवान का पार्थिव शरीर रविवार को पैतृक आवास चिरकुंडा लाया गया। चिरकुंडा की गांजा गली में रहने वाले सीआरपीएफ के जवान गौतम कुमार को सोमवार की सुबह चिरकुंडा के सुंदरनगर श्मशान घाट में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। सीआरपीएफ के जवानों ने तिरंगे में लिपटे झंडे को उनके पिता बिहारी यादव को सम्मान के साथ सुपुर्द कर दिया। इसके बाद हवाई फायरिंग कर जवान गौतम को अंतिम विदाई दी गई। पुत्र गोलू ने मुखाग्नि दी। इस मौके पर पहुंचे निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि दी। विधायक ने कहा कि गौतम क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत थे। उनकी अंत्येष्टि में उमड़ा जनसैलाब यह बताता है कि क्षेत्र के लोग उनसे कितना प्रेम करते थे। बड़े भाई पप्पू यादव ने बताया कि गौतम 2014 में फोर्स में भर्ती हुए थे। 11 साल तक उन्होंने देश की सेवा की। उनके बटालियन से उनके निधन की सूचना मिली थी।

विद्युत तार चोरी मामले में चार आरोपी हुए गिरफ्तार

पुलिस गिरफ्त में आरोपी व पत्रकारों को जानकारी देते एसडीपीओ वेदांत शंकर

LOHARDAGA : लोहरदगा पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर किस्को एसडीपीओ वेदांत शंकर के नेतृत्व में थाना क्षेत्र अंतर्गत कांशीटांड़ में लगभग 4 विद्युत पोल एचटी लाइन का तार चोरी मामले का किस्को थाना पुलिस ने खुलासा किया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वेदांत शंकर ने बताया कि सेन्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घाटा निवासी प्रभाकर यादव की ओर से किस्को थाना क्षेत्र के कांशीटांड़ से लगभग 04 विद्युत पोल एचटी लाइन तार की चोरी किए जाने से संबंधित लिखित आवेदन दिया गया था। आवेदन पर अग्रतर कार्रवाई करते हुए चोरी की घटना को अंजाम देने वाले बगडू थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेटहट सतपारा निवासी आरोपित राजन रजक उर्फ राजन बैठा और लातेहार जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम शिवचरण टोला निवासी आरोपित सतेन्द्र कुमार रजक, विकास सिंह एवं रामसुंदर बैठा उर्फ छोटू को गिरफ्तार किया गया। एसडीपीओ ने बताया कि चोरी की घटना में उपयोग किया गया वैगनआर कार और चोरी किया गया 90 मीटर विद्युत तार की बरामदगी हुई है।

गोस्वामी मंदिर में आज-कल मनेगा स्मृति पर्व समारोह

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर के खरकई लिंक रोड स्थित परमहंस लक्ष्मीनाथ गोस्वामी मंदिर में 25 व 26 नवंबर को परमहंस लक्ष्मीनाथ गोस्वामी का स्मृति पर्व समारोह मनाया जाएगा। पहले दिन मंदिर परिसर में परमहंस लक्ष्मीनाथ गोस्वामी का पूजन सुबह 7 बजे से शुरू होगा। इसके बाद सुबह 9.30 बजे से छोटा गोविंदपुर स्थित परमहंस लक्ष्मीनाथ गोस्वामी मंदिर में जाकर वहां भी पूजन हवन और कीर्तन दोपहर 1 बजे तक चलेगा। इसके बाद शाम 4 बजे से बिष्टुपुर स्थित मंदिर में कीर्तन शुरू होगा, जो संध्या 6.30 बजे तक चलेगा। संध्या 7 बजे से बिष्टुपुर स्थित मंदिर परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू होगा। इसमें दरभंगा से आए कलाकार दिलीप दरभंगिया, श्रेया सिंह और नंद शंकर झा के अलावा स्थानीय कलाकार भी प्रस्तुति देंगे।

कोलकाता की कला प्रदर्शनी में शहर के कलाकार होंगे शामिल

PHOTON NEWS JSR : कोलकाता में 12 से 15 दिसंबर तक होने वाली अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में जमशेदपुर के सात कलाकार शामिल होंगे। आईसीसीआर स्थित नंदलाल बोस आर्ट गैलरी में होने वाली डिवाइन कॉमेडी प्रदर्शनी में शहर के युवा कलाकार और डेक्स्टर के संस्थापक अरुण कुमार, ईषिका मुखर्जी और प्रीतम दास भी शामिल हैं। प्रदर्शनी का आयोजन डेक्स्टर आर्ट क्लब कर रहा है, जिसमें पेंटिंग, फोटोग्राफी और मूर्तिकला सहित कई कला के विभिन्न माध्यम दिखेंगे। इस बार कई अंतरराष्ट्रीय कलाकार भी भाग ले रहे हैं, जिसमें फ्रांस विशेष रहेगा। कार्यक्रम में राज्य के हस्तशिल्प कलाकारों के स्टॉल भी लगाए जाएंगे, जिसमें पटचित्र

कोलकाता में कार्यक्रम की तैयारी में जुटे आयोजक ● फोटोन न्यूज

कला से जुड़े एक परिवार को स्थान दिया गया है। इसमें कार्यशालाएं भी होंगी, जिसमें प्रतिभागी कलाकार तकनीकी और रचनात्मक प्रशिक्षण ले सकेंगे। प्रदर्शनी के अंतिम दिन 15 दिसंबर नाटकीय प्रस्तुति भी रखी गई है। अभिनेता संजिब सरकार, वन्यजीव फोटोग्राफर जॉयदीप कुंडु और कलाकार सौरव शी सहित कई अतिथि कार्यक्रम में रहेंगे। आयोजन से जुड़ी ईषिका मुखर्जी ने कहा कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विभिन्न कला रूपों को एक साथ लाना और कलाकारों के बीच संवाद बढ़ाना है। जमशेदपुर के कलाकारों के लिए यह अवसर अंतरराष्ट्रीय कला समुदाय से जुड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

यादें 'मोहब्बत जिंदगी है' और 'सत्यकाम' की शूटिंग के लिए झारखंड आए थे धर्मेंद्र, घाटशिला व धनबाद की हसीन वादियों में फिल्माए गए थे सीन

घाटशिला की हसीन वादियों में धर्मेंद्र की फिल्म 'सत्यकाम' की हुई थी शूटिंग

MUJTABA RIZVI @ JSR : अंततः धर्मेंद्र की सांसें थम ही गईं। धर्मेंद्र घाटशिला में 'सत्यकाम' की शूटिंग के लिए आए थे। इसके पूर्व वे 'मोहब्बत जिंदगी है' की शूटिंग के लिए वे धनबाद 1966 में आए थे। झारखंड का खूबसूरत पर्यटन स्थल घाटशिला, अपने नाम की तरह घाट और शिला (पत्थर) के अनोखे संगम से बना है। यहां स्वर्णरेखा नदी का शांत तट, घने जंगल और विशालकाय चट्टानें हर किसी को आकर्षित कर लेती हैं। अपने प्राकृतिक सौंदर्य की वजह से यह इलाका सिर्फ पर्यटकों में ही नहीं, फिल्म जगत का भी पसंदीदा स्थान रहा है। बॉलीवुड के ही-मैन धर्मेंद्र ने घाटशिला आकर फिल्म की शूटिंग की थी।

घाटशिला से मशहूर अभिनेता धर्मेंद्र की यादें भी गहराई से जुड़ी हैं। निर्देशक हृषिकेश मुखर्जी की क्लासिक फिल्म 'सत्यकाम' की

सत्यकाम फिल्म में घाटशिला के फूलडुंगरी पहाड़ पर फिल्माए गए दृश्य।

शूटिंग 1969 में घाटशिला के फूलडुंगरी पहाड़ पर हुई थी। धर्मेंद्र और शर्मिला टैगोर ने कई महत्वपूर्ण दृश्यों और गीतों को फुलडुंगरी की हरियाली और स्वर्णरेखा तट के रातमोहना में फिल्माया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि फूलडुंगरी पहाड़ के ऊंचे साल के पेड़ों के बीच फिल्माए गए दृश्य आज भी दर्शकों को रोमांचित कर देते हैं। 24 नवंबर को धर्मेंद्र से जुड़ी खबरों ने एक बार फिर घाटशिला में फिल्म 'सत्यकाम' की यादों को जीवंत कर दिया। लोग बताते हैं कि घाटशिला धर्मेंद्र और शर्मिला टैगोर आ रही हैं, यह जानकर इलाके के लोग रोमांचित हो उठे थे। घाटशिला क्या जमशेदपुर से भी लोग धर्मेंद्र की एक झलक देखने के लिए जुटे थे।

धनबाद के तोपचांची झील में धर्मेंद्र ने छलांग भी लगाई थी। यहां के जंगलों में गाने भी शूट हुए थे. तुम्हारी मुलाकात से...। जंगल की खूबसूरती देख सकते हैं। इसके साथ झरिया कोल माइंस में भी शूटिंग हुई थी। फिल्म के पर्दे पर यहां शूटिंग के बारे में जानकारी दी गई है- धनबाद झरिया कोल माइंस। इसके अलावा स्टूडियो के बारे में जानकारी है। धनबाद की खूबसूरती भी पर्दे पर दिखती है। इसके बाद वे तीन साल बाद फिर आए और घाटशिला में शूट किया। यह बात 1969 की है। घाटशिला अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। इलाके के लोग बताते हैं कि यहां साहित्यकार विभूति भूषण बंदोपाध्याय ने रहकर पाथेर पांचाली नामक उपन्यास की रचना की थी, जिस पर बाद में फिल्म भी बनी। इसके पूर्व यहां महान फिल्मकार ऋत्विक घटक भी शूटिंग कर चुके थे।

घाटशिला के रोहित सिंह बताते हैं कि 'सत्यकाम' की शूटिंग यहां फरवरी से मार्च 1969 के बीच विभिन्न स्थानों पर हुई थी। मुकुल चक्रवर्ती, हृषिकेश दा के दूर के रिश्तेदार थे। हृषिकेश मुखर्जी के अनुरोध पर, मुकुल चक्रवर्ती ने यहां शूटिंग का आयोजन किया। शूटिंग फूलडुंगरी हिल, रातमोहना और सुवर्णरेखा नदी के किनारे हुई। यहां आए कलाकारों में धर्मेंद्र, शर्मिला टैगोर, डेविड, मनमोहन और रोबी घोष शामिल थे। मुकुल बाबू की जीप का भी शूटिंग में उपयोग किया गया। जब आप 'सत्यकाम' फिल्म देखेंगे तो उस कस्बे को देख सकते हैं। फूलडुंगरी की पहाड़ियां और सुबर्णरेखा की चमकती लहरें। लोटे से धर्मेंद्र को पानी पिलाती शर्मिला और पीछे दिखता सुंदर पहाड़। धोती-कुर्ता पहने धर्मेंद्र नदी किनारे चट्टान पर खड़े नदी की ओर बढ़ती शर्मिला को निहार रहे हैं। घाटशिला के सौंदर्य को हृषिकेश दा ने पर्दे पर जीवंत कर दिया था।

विजय मर्चेंट ट्रॉफी के लिए खेलेंगे जमशेदपुर के दो खिलाड़ी

JAMSHEDPUR : कटक के रेवेन्शॉ विश्वविद्यालय में 7 दिसंबर से होने वाली अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी के लिए झारखंड टीम की घोषणा कर दी गई है। इस टीम में जमशेदपुर के क्रिकेटर अक्षय प्रताप और युवराज का भी चयन किया गया है। अक्षय प्रताप जुगसलाई के शफीगंज मोहल्ला के रहने वाले हैं। इधर, विजय मर्चेंट झारखंड अंडर-16 टीम का कप्तान बोकारो के तन्मय कुमार को बनाया गया है। इसके अलावा धनबाद के दिव्यांशु कुमार को वाइस कैप्टन बनाया गया है। टीम में बोकारो के प्रत्युष विधु, रांची के अनुकृष्ण श्रीवत्स व यशराज सिंह, गुमला के आशीष कुमार, जमशेदपुर के अक्षय प्रताप, गढ़वा के हर्षित गिरि, पाकुड़ के जय रजक व प्रियांशु कुमार, पश्चिमी सिंहभूम के कृपा सिंधु चंदन, दुमका के दीपक राज, धनबाद के सौभिक भट्टाचार्य, धनबाद के ही रुद्र मिश्रा बतौर विकेटकीपर तथा पश्चिमी सिंहभूम के विप्लव मंडल को शामिल किया गया है।

BRIEF NEWS

रांची एयरपोर्ट पर कम विजिबिलिटी के कारण 4 उड़ानें की गईं डायवर्ट

RANCHI : रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर सोमवार को सुबह घने कोहरे और अत्यंत कम विजिबिलिटी के कारण उड़ान संचालन प्रभावित रहा।
विजिबिलिटी में लगातार गिरावट के बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कई विमानों को वैकल्पिक एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट कर दिया। हालांकि मौसम में सुधार के बाद सभी उड़ानें देर शाम तक रांची में सुरक्षित रूप से लैंड कर गईं। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार शाम 6 बजे तक कुल चार उड़ानें प्रभावित रहीं, जिन्हें शम्साबाद, भुवनेश्वर और कोलकाता की ओर मोड़ना पड़ा। सुबह के समय रनवे विजिबिलिटी रेंज कैट-1 मानकों से नीचे पहुंच गई थी, जिसके कारण विमानों को सुरक्षित लैंडिंग संभव नहीं हो सकी।

खादी मेला 21 दिसंबर से, तय किए गए स्टॉल बुकिंग के रेट

RANCHI : झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड एवं ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय खादी, हस्तशिल्प एवं सरस महोत्सव 2025-26 का आयोजन 21 दिसंबर को राजधानी के मोरहाबादी मैदान में होगा। यह मेला छह जनवरी 2026 तक चलेगा। इसके लिए ऑनलाइन स्टॉल रजिस्ट्रेशन पांच दिसंबर तक होगा। इस महोत्सव में क्वीआइसी के द्वारा पंजीकृत खादी संस्था एवं खादी बोर्ड से पंजीकृत संस्थाओं को स्टॉल आवंटन में प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए आवश्यक प्रमाण पत्र आवेदन के साथ जमा करना अनिवार्य होगा।

कांके विधायक ने सड़क निर्माण कार्यों का किया शिलान्यास

KANKE : सोमवार को कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा ने कांके प्रखंड की विभिन्न पंचायतों- सुकुरहुटू, चामगुरू, गागी, खटंगा, डुमरदागा एवं खेलगांव में विधायक मद से होने वाले सड़क निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। साथ ही समाजवादी संत गाडगे बाबा भवन निर्माण कार्य का भी विधिवत शिलान्यास किया। मौके पर विधायक ने कहा कि यह पहल क्षेत्र के विकास, सुगम आवागमन और सामाजिक संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर कांके प्रखंड उपप्रमुख अंजय बैठा, प्रखंड अध्यक्ष संजर खान, विधायक प्रतिनिधि अर्जुन मुंडा, जमील अख्तर, कार्यालय प्रभारी गौरी शंकर महतो, अशोक महतो, मनीष महतो, मनोज महतो, हेमंत ओहदार, जुली, अनिल लिंडा, पिंटू सिन्हा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पुलिस ने 21 लाख के ब्राउन शुगर के साथ 10 आरोपियों को किया अरेस्ट

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को रांची पुलिस ने नशा कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर पुलिस की टीम को मादक पदार्थों की तस्करी और अड्डेबाजी के खिलाफ चलाए जा रहे व्यापक छापेमारी अभियान के तहत सफलता मिली है। बरामद ब्राउन शुगर और गांजा का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 21.50 लाख रुपया बताया गया है। एसएसपी को 23-24 नवंबर की रात में मिली गुप्त सूचना के आधार पर कांके और बरियातु थाना क्षेत्रों में संगठित ड्रग्स गिरोह के अड्डों पर एक साथ छापेमारी की गई, जिसमें कुल 10 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है और भारी मात्रा में प्रतिबंधित मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं।

कांके थाना क्षेत्र में ड्रग्स तस्करी का बड़ा नेटवर्क किया गया ध्वस्त

एसएसपी ने ग्रामीण और सिटी एसपी के नेतृत्व में अलग-अलग छापेमारी दल का गठन किया गया था। टीम ने पहली कार्रवाई कांके थाना क्षेत्र के प्रेमनगर के पास मैदान में छापेमारी के दौरान चार व्यक्तियों अमित कुमार गुप्ता उर्फ बिट्टू, मुकेश कुमार यादव मुन्ना यादव और चिकू यादव को पकड़ा गया। इनके पास से लगभग 50 ग्राम ब्राउन शुगर, एक किलोग्राम गांजा, मोबाइल फोन, पैकिंग मटेरियल और दो ऑटो वाहन तथा एक स्कूटी बरामद हुई। गिरफ्तार अभियुक्तों की निशानदेही पर दूसरी कार्रवाई कोंगे जयपुर गांव में सैयद समीर के घर पर छापेमारी की गई। यहां से 105 ग्राम ब्राउन शुगर, 1.6 किलोग्राम गांजा और 1.81 लाख रुपया और पैकिंग मटेरियल, लाइटर, एल्युमिनियम फॉयल और डिजिटल वजन मशीन बरामद की गई। इस दौरान सैयद समीर और उसकी पत्नी बेबी परवीन को भी गिरफ्तार किया गया। बेबी परवीन का 2013 में सुखदेवनगर थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत आपराधिक इतिहास रहा है। इसके बाद तीसरी कार्रवाई कांके थाना क्षेत्र के गांधीनगर में हुई, यहां सैयद समीर और बेबी परवीन से पूछताछ के आधार पर ओमनगर, गांधीनगर निवासी दीपक कुमार के घर पर छापेमारी की गई। यहां से 50 ग्राम ब्राउन शुगर 60 हजार रुपया नकद, मोबाइल फोन, डिजिटल वेट मशीन और पैकिंग मटेरियल बरामद हुए।

पटना से रांची लाकर बेचा जाता है नशीला पदार्थ

दीपक कुमार से पूछताछ में खुलासा हुआ कि पटना (बिहार) के बिहटा थाना क्षेत्र का रहने वाला राजू कुमार प्रतिबंधित सामग्री की तस्करी पटना से रांची लाकर गोंदा और कांके थाना क्षेत्रों में बिक्री करता था। कांके थाना क्षेत्र से कुल आठ व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है, जो इस संगठित गिरोह का संचालन कर रहे थे। बरामद ब्राउन शुगर और गांजा का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 21.50 लाख रुपया बताया गया है।

बरियातू थाना क्षेत्र में कफ सीरप की तस्करी पर कार्रवाई

पुलिस टीम ने बरियातू थाना क्षेत्र के हरिहर सिंह मोड़ स्थित झोपड़पट्टी में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस को देखकर भाग रहे दो व्यक्तियों टुटू कुमार साव (दुकान मालिक) और लिच्चू महतो को घेराबंदी कर पकड़ा गया। इनके पास से 'विन्गस कंपनी' का 100 एमएल कफ सीरप की कुल 20 बोतलें बरामद की गईं।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से सभी हॉस्पिटलों के वास्ते जारी किया गया निर्देश

सदर अस्पतालों में भी हार्ट मरीजों के लिए उपलब्ध होगा इंजेक्शन

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड स्वास्थ्य विभाग ने हार्ट अटैक वाले मरीजों की जान बचाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब राज्य के सभी सदर अस्पतालों और उन मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में जहां कार्डियोलॉजी विभाग उपलब्ध नहीं है, वहां इनोक्सापारिन इंजेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा। इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग ने निर्देश जारी कर दिया है। यह इंजेक्शन हार्ट अटैक के शुरूआती और क्रिटिकल कंडिशन में मरीज की जान बचाने वाली दवा मानी जाती है।
स्वास्थ्य विभाग की इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में स्थित सरकारी अस्पतालों की इमरजेंसी सेवाओं को मजबूत करना है। जहां कार्डियोलॉजिस्ट, आवश्यक जांच सुविधाएं और जीवनरक्षक दवाएं अक्सर उपलब्ध नहीं होतीं। ऐसे में मरीजों को प्राथमिक उपचार दिए बिना ही बड़े अस्पतालों में रेफर कर दिया जाता है। इससे कई मरीजों की जान समय पर इलाज न मिलने के कारण खतरे में पड़ जाती है।

हार्ट अटैक की स्थिति में मरीजों को इलाज कराने का मिल जाएगा समय

प्रतीकात्मक फोटो

जानलेवा साबित होती है देरी

निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, सिद्धार्थ सान्याल ने बताया कि हार्ट अटैक मरीजों को इमरजेंसी में पहुंचते ही बड़े अस्पतालों में रेफर कर दिया जाता है। चूंकि वहां विशेषज्ञ और जरूरी दवाएं उपलब्ध नहीं होतीं। यह देरी कई बार जानलेवा साबित होती है। नई व्यवस्था से इस स्थिति में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में हार्ट अटैक के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह कदम बेहद जरूरी हो गया था। इससे हार्ट अटैक की स्थिति में मरीजों को थोड़ा टाइम मिलेगा और उनकी जान बचाई जा सकती है।

तत्काल उपलब्ध होगा इंजेक्शन

निदेशक ने कहा कि हम पूरे राज्य में मुफ्त इनोक्सापारिन इंजेक्शन उपलब्ध कराएंगे, ताकि मरीज को अस्पताल पहुंचते ही प्रारंभिक और लाइफ सेविंग ट्रीटमेंट मिल सके। उन मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में भी जहां कार्डियोलॉजी विभाग मौजूद नहीं है, यह सुविधा दी जाएगी। इसके लिए विशेष इमरजेंसी सेंटर बनाए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि समय पर ट्रीटमेंट न मिलने के कारण हर साल हजारों मरीजों की मौत हो जाती है। नई पहल से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि मरीजों को पहले नजदीकी सरकारी हॉस्पिटल में सबसे जरूरी ट्रीटमेंट मिल जाए, जिससे उनकी जान बचाने की संभावना काफी बढ़ जाएगी।

गोल्डन आवर में मरीज को राहत

मेडिकल एक्सपर्ट्स के अनुसार, एनोक्सारिन-40 में मौजूद लो-मॉलिक्यूलर-वेट हेपारिन खून के थक्कों को बढ़ने से रोकता है तथा शरीर को बने हुए थक्के को तोड़ने में भी मदद करता है। हार्ट अटैक के शुरूआती गोल्डन आवर्स में दिया गया यह इंजेक्शन मरीज की लाइफ बचाने की संभावना को बढ़ा देता है। स्वास्थ्य विभाग जल्द ही सभी सदर अस्पतालों और चयनित मेडिकल कॉलेजों के इमरजेंसी रूम के भीतर विशेष केंद्र स्थापित करेगा। इन केंद्रों में टेस्टिंग और इनोक्सापारिन इंजेक्शन देने की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

झारखंड में क्राइम छिपाने के लिए नया अपराध गढ़ती है हेमंत सरकार : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष-सह-नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर अपराध छिपाने के लिए नया अपराध गढ़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि झारखंड में अब अपराध छिपाने के लिए नया अपराध गढ़ना सरकार और सिस्टम की आदत बन चुकी है। धनबाद में कोयले के काले साम्राज्य में ईडी की हालिया कार्रवाई ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। लेकिन, सबसे खतरनाक बात यह है कि कोयले की काली कमाई से लाल हो रहे कुछ शीर्ष पुलिस अधिकारी द्वारा कोयला माफिया को उनके कुछ जमीनी गुर्गों को हमेशा के लिए खत्म करने का टारगेट दिया गया है। उन्होंने कहा कि स्पष्ट जानकारी मिल रही हैं कि ईडी जिन लोगों से पूछताछ कर रही है, उन्हीं की हत्या की साजिश रची जा रही है, ताकि सच बाहर न आ सके। अपराधियों को पकड़ने के नाम पर सबूतों का एनकाउंटर कराने का खेल पहले भी इस राज्य में खेला गया है। झारखंड एक ऐसे अपराधी डीजीपी को देख चुका है, जिस पर सुपारी लेकर एनकाउंटर तक करवाने का आरोप है। झारखंड में उससे भ्रष्ट डीजीपी आजतक कभी नहीं बना। उन्होंने कहा कि ईडी को बेहद सतर्क रहना चाहिए। यहां सच बोलने वाले का नहीं, सच दबाने वाले का राज चलता है। और जब सत्ता, सिस्टम और माफिया एक ही धुरी पर घूमने लगें तो न्याय का गला घोंटना महज औपचारिकता रह जाता है।

■ धनबाद में कोयले के काले साम्राज्य में ईडी की कार्रवाई ने किए कई चौंकाने वाले खुलासे

संजय सेठ ने मुख्यमंत्री से की इरफान अंसारी को बर्खास्त करने की मांग

PHOTON NEWS RANCHI : स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी द्वारा एसआईआर को लेकर दिए गए बयान पर राजनीति गरमा गई है। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने उनके बयान को देशद्रोह जैसी मानसिकता वाला बताते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से तत्काल बर्खास्तगी की मांग की है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री का बयान घुसपैठियों को बढ़ावा देने वाला है और इससे राज्य के सभी बीएलओ की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने कहा कि बीएलओ संवैधानिक प्रक्रिया के तहत काम करते हैं और चुनाव आयोग के निर्देश पर एसआईआर का कार्य वर्षों से सभी सरकारों में होता रहा है। ऐसे में मंत्री द्वारा बीएलओ को घर में बांधकर रखने जैसे बयान लोकतांत्रिक प्रणाली पर सीधा हमला हैं।

सरकारी व्यवस्था के खिलाफ भड़का रहे मंत्री : केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने आरोप लगाया कि इरफान अंसारी सरकारी मंच से जनता को सरकारी व्यवस्था के खिलाफ भड़काने का काम कर रहे हैं, जो उनके पद और शपथ की मयार्दा के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि मंत्री का बयान राज्य को अशांत करने और राजनीतिक लाभ के लिए माहौल बिगाड़ने की साजिश जैसा है। उन्होंने पूछा कि एसआईआर से कांग्रेस और विपक्षी दलों को डर क्यों है। क्या वे घुसपैठियों पर निर्भर राजनीति करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता अब जाग चुकी है और ऐसे भ्रम फैलाने वालों के प्रभाव में नहीं आएगी।

संविधान बचाओ दिवस कल, कांग्रेस ने तैयारियों को दिया अंतिम रूप

PHOTON NEWS RANCHI : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस आगामी 26 नवंबर को पुराने विधान सभा सभागार में संविधान बचाओ दिवस का आयोजन करेगी। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने सभी जिला अध्यक्षों एवं जिला पर्यवेक्षकों को अपने-अपने जिलों में सक्रिय रूप से तैयारी करने के निर्देश दिए हैं।
प्रदेश कांग्रेस द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश के सभी स्थानीय पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। आयोजन में राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, पूर्व वित्त मंत्री एवं विधायक डॉ रामेश्वर उरांव सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 11 बजे बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर तथा भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर होगी। इसके बाद संबिधान बचाओ विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें संविधान की मूल भावनाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुरक्षित रखने पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

हिंदू रत्न सम्मान से नवाजे गए स्वामी सदानंद महाराज

RANCHI : परमहंस संत शिरोमणि डॉ. स्वामी सदानंद जी महाराज हिंदू रत्न सम्मान से सम्मानित किए गए। यह कार्यक्रम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय विचार मंच दिल्ली में आयोजित हुआ। 12वें राष्ट्रीय अधिवेशन एवं राष्ट्रीय अभिनंदन समारोह में यह प्रतिष्ठित सम्मान दिया गया है। ये अलंकृत होने वाले पहले प्रणामी संत बन गए। इस सम्मान से प्रणामी समाज में हर्ष है। अध्यात्मिक की धारा को नई पहचान मिली,मानवता, सेवा और समग्र कल्याण को मजबूती मिली। जीवन त्याग, तपस्या और निस्वार्थ सेवा की अद्भुत मिसाल बने। वे समाज में धार्मिक सद्भाव, मानवसेवा, शिक्षा और पर्यावरण सुरक्षा के लिए लोगों को प्रेरित किए।

मैंने फर्जी बीएलओ पर की थी बात भाजपा कर रही झूठा प्रचार : इरफान

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने फर्जी बीएलओ की गतिविधियों पर बात की थी। यानी ऐसे लोग जो नकली बीएलओ बनकर ग्रामीणों को डराने और पैसे वसूलने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्री का कहना है कि भाजपा जानबूझकर उनके बयान को गलत रूप देकर गलत प्रचार कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा मुद्दों से भटक चुकी है और बेबुनियाद आरोपों के सहारे 'गंदी राजनीति' कर रही है, लेकिन झारखंड की जनता सब जानती है। अंसारी ने बताया कि जामताड़ा साइबर फ्रॉड प्रभावित क्षेत्र है और यहां पहले भी

शिकायतें आई हैं कि कुछ संदिग्ध लोग ग्रामीणों को नाम काटने का डर दिखाकर पैसे मांगते हैं। इस पर उन्होंने उपायुक्त से निगरानी बढ़ाने और फर्जी लोगों पर कार्रवाई करने की मांग की थी। मंत्री ने कहा कि असली बीएलओ सम्मानित अधिकारी होते हैं और फर्जी लोग उनकी जगह नहीं ले सकते। उन्होंने चुनाव आयोग से अपील की कि प्रक्रिया निष्पक्ष रखी जाए, ताकि किसी गरीब या वंचित व्यक्ति का नाम गलत तरीके से न हटाया जाए।

आपकी सरकार, आपके द्वार — पंचायत स्तरीय जनसेवा शिविर में डीसी मंजूनाथ भजंत्री बोले-

प्रशासनिक तंत्र जनता की समस्याओं का कर रहा त्वरित समाधान

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड स्थापना दिवस की रजत जयंती पर रांची जिले के विभिन्न प्रखंडों में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' के तहत जनसेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस बीच उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री नामकुम प्रखंड की हाहाप पंचायत के शिविर में पहुंचे और विभिन्न योजनाओं के लाभुकों से मुलाकात की। उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम राज्य सरकार की जन-केंद्रित सोच का जीवंत उदाहरण है, जिसके माध्यम से प्रशासनिक तंत्र स्वयं जनता के द्वार पहुंचकर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान कर रहा है। डीसी ने कहा कि अधिकारी पंचायत स्तर पर दस्तावेज उपलब्ध करा रहे हैं। जिसमें जाति, आय, आवासीय प्रमाण-पत्र और विभिन्न योजनाओं के स्वीकृति पत्र शामिल हैं।

- अधिकारियों को पात्र लाभुकों तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने का निर्देश
- उपायुक्त ने कार्यक्रम में बच्चे का कराया अन्नप्राशन, महिला की हुई गोदभराई

प्रशासन के सामने लाएं समस्याएं

कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त सौरभ भुवानिया, प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे। उप विकास आयुक्त ने ग्रामीणों से अपील की कि वे इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ लें और अपनी समस्याओं को बेझिझक प्रशासन के समक्ष रखें। अधिकतर शिकायतों का निपटान मौके पर ही किया जाता है और जटिल मामलों के लिए विभागों को समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए जाते हैं।

परिसंपत्तियों का ऑन स्पॉट वितरण

शिविर में सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सोना-सोबरन धोती-साड़ी योजना के तहत सामग्री वितरण, दाखिल-खारिज शुद्धि पत्र और अन्य परिसंपत्तियों का ऑन-द-स्पॉट वितरण किया गया। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र लाभुकों तक सरकारी योजनाओं का सौ प्रतिशत लाभ सुनिश्चित कराया जाए ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य और पोषण जागरूकता

शिविर में उपायुक्त ने मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता अभियान के तहत एक बच्चे का अन्नप्राशन संस्कार भी करवाया। वहीं एक गर्भवती महिला की पारंपरिक गोद भराई की रस्म संपन्न कराई। उन्होंने कहा कि सरकार मां-बच्चे के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। ऐसे समारोहों को सरकारी योजना से जोड़कर पोषण का संदेश घर-घर तक पहुंचाया जा रहा है।

30 तक छाए रहेंगे बादल, आसमान साफ होने के बाद तेजी से बढ़ेगी ठंड

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में 30 नवंबर तक बादल छाए रहेंगे। इसके बाद आसमान साफ होने के बाद तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी, जिससे कनकनी में वृद्धि होगी। यह जानकारी मौसम विभाग ने सोमवार को दी। मौसम विभाग के अनुसार, सुबह और रात में कुहासा छाया रहेगा, जबकि दिन में आंशिक बादल छाए रहेंगे। बादल जाने से अधिकतम तापमान में आशिक गिरावट दर्ज की गई है, जबकि न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई है।
सोमवार को राजधानी रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से आसमान में आंशिक बादल छाये रहे। बादल छाने के कारण दिन में भी लोगों को ठंड का एहसास हुआ, जबकि रात में अपेक्षाकृत ठंड में कमी महसूस होगी।
पिछले 24 घंटों दौरान में राज्य में सबसे अधिक तापमान 29.8 डिग्री चाईबासा में और सबसे कम तापमान में गुमला में 10.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।
सोमवार को रांची का अधिकतम तापमान 25.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस, जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस, डाल्टनगंज का अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस, बोकारो में अधिकतम तापमान 25.6 डिग्री और 13.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि चाईबासा में अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री और 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मंत्री इरफान अंसारी पर दर्ज हो प्राथमिकी : आजसू

RANCHI : ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) ने झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आरोप लगाया कि जामताड़ा उपायुक्त के समक्ष मंत्री ने देश की संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग के बीएलओ को बांधकर रखने के लिए जनता को भड़काया और उकसाया है। प्रभाकर ने राज्य सरकार से मांग की है कि मंत्री को तत्काल पद से बर्खास्त किया जाए। उन्होंने सवाल उठाया कि मंत्री को मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से भय क्यों लग रहा है। उन्होंने कहा कि जब कोई मंत्री ही भ्रम फैलाने लगे और संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग के खिलाफ लोगों को भड़काए, तो ऐसे व्यक्ति को पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

घोड़ाबांधा के सुधांशु 14 वर्षों से नहीं पी रहे पानी

JAMSHEDPUR : घोड़ाबांधा के विवेकानंद गार्डेन निवासी सुधांशु 14 वर्ष से पानी नहीं पी रहे हैं। उन्होंने बताया कि इससे उन्हें कोई परेशानी नहीं होती है, उल्टे लाभ यह हुआ है कि सर्दी-खांसी से लेकर कोई बीमारी नहीं है। 2011 से उन्हें कोई दवा लेने की आवश्यकता नहीं हुई। वे जाड़े के मौसम में भी बिना गर्म कपड़े के रहते हैं। वे देवी दुर्गा के भक्त हैं। पूर्ण शाकाहारी हैं। 53 वर्षीय सुधांशु बिष्टुपुर स्थित एक निजी बैंकिंग कंपनी में फाइनेंशियल एडवाइजर के पद पर कार्यरत हैं।

बहन के गहने छिपाकर गढ़ दी थी चोरी की फर्जी कहानी

पुलिस ने 12 घंटे के अंदर किया घटना का खुलासा, वादी गिरफ्तार, कथित चोरी का नाटक बेनकाब

- जांच में थाना प्रभारी को हो गया था शक, बिना ताला तोड़े घर में कैसे घुस गए चोर

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR : आजादनगर थाना क्षेत्र में दर्ज चोरी का मामला जांच में पूरी तरह उलट गया है। वादी वकार अहमद ने ही अपने घर में रखे बहन के सोने के जेवरात पार कर दिए थे। इसके बाद चोरी की फर्जी कहानी गढ़ दी थी, ताकि उसकी बहन को लगे कि उसके जेवरात चोरी चले गए हैं और वकार अहमद इन गहनों को हजम कर जाए। लेकिन, पुलिस ने तहकीकात में पूरा मामला पकड़ लिया। आजादनगर थाने में प्रेस कॉन्फ्रेंस में डीएसपी पटमदा ने बताया कि थाना प्रभारी चंदन कुमार को शक हुआ कि चोर बिना ताला तोड़े अंदर कैसे घुस गए। वकार अहमद पर शक होने के बाद उसे पूछताछ के लिए थाने लाया गया, तो वह टूट गया और सारी कहानी उगल दी।

23 नवंबर को दी गई शिकायत में वकार ने पुलिस को बताया था कि अज्ञात चोर उनके घर से सोने की चेन, कान की चार बाली और एक अंगूठी चुरा ले गए हैं। आवेदन के आधार पर आजाद नगर थाना में 23 नवंबर को एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देश पर और पुलिस उपाधीक्षक पटमदा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने फौरन कार्रवाई करते हुए वादी को कस्टडी में लेकर गहन पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान वकार अहमद ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने कुबूल किया कि घर की बेहद खराब आर्थिक स्थिति के कारण तनाव में आकर 22 नवंबर को उसने खुद ही घर से सोने के गहने हटाए और चोरी की झूठी कहानी गढ़ दी।

पुलिस ने वादी के पास से सभी गहने बरामद कर लिए हैं, जिनमें शामिल हैं–

1. सोने की 1 चेन
2. सोने की 4 कनबाली
3. सोने की 1 अंगूठी

पुलिस ने मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रेस कांफ्रेंस के बाद वकार अहमद को मेडिकल जांच कराकर जेल भेज दिया गया।

युवक की हत्या कर झाड़ियों में फेंका शव

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले के डुमरिया थाना क्षेत्र में रविवार को झाड़ियों में लहूलुहान शव देखा गया। नजदीक से देखने पर पता चला कि व्यक्ति की गला रेतकर हत्या कर दी गई है। स्थानीय लोगों ने शव देखकर थाना को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पंचम तिग्गा पुलिस टीम के साथ पुरनापानी रोड के पास नदी किनारे पहुंचे, जहां झाड़ियों में शव संदिग्ध अवस्था में पड़ा मिला। प्रारंभिक जांच में स्पष्ट है कि व्यक्ति की हत्या धारदार हथियार से की गई है। पुलिस ने मौके पर आवश्यक कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज-अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी के फर्द बयान के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। खबर लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस आसपास के इलाकों में पूछताछ कर पहचान और हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

समाचार सार

पूर्णिमा साहू ने किया योजनाओं का शिलान्यास

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने सोमवार को बिरसानगर के विभिन्न क्षेत्रों में करीब 82 लाख रुपये की योजनाओं का शिलान्यास किया। इनके पूरे होने से क्षेत्र में सड़क, नाली, सामुदायिक ढांचे और सार्वजनिक सुविधाओं को नई मजबूती मिलेगी। इस दौरान पूर्णिमा साहू ने लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं से भी अवगत हुईं। विधायक ने कहा कि कई इलाकों में लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों को तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है। आगामी दिनों में कई और महत्वपूर्ण परियोजनाएं जनता को समर्पित की जाएंगी। उनका प्रयास है कि पूर्वी विधानसभा के प्रत्येक घर, हर बस्ती और हर मोहल्ले तक विकास की रोशनी पहुंचे। इसके लिए वे पूरी प्रतिबद्धता से प्रयासरत रहेंगी।

रोरो नदी पर 6 करोड़ की लागत से बनेगी पुलिया

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला के सदर प्रखंड अन्तर्गत टोन्टो पंचायत के ग्राम टोन्टो से अमीता जाने वाले रास्ते में रोरो नदी पर मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत करीब 6 करोड़ की लागत से पुलिया का निर्माण होगा। इसका शिलान्यास सोमवार को राज्य सरकार के मंत्री दीपक बिरुवा ने किया। इस पुल के बनने से डीलियामार्चा, आचू, अमीता समेत दर्जनों गांवों के लोगों को कोल्हान आयुक्त कार्यालय व नेशनल हाईवे पर सरायकेला-खरसावां जिला आने-जाने में समय की बचत होगी। आयुक्त कार्यालय पहुंचने में काफी कम दूरी तय करनी होगी। बता दें कि बरसात के दिनों में रोरो नदी का जलस्तर बढ़ जाने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता था।

सेमीफाइनल में पहुंचा जगन्नाथपुर क्रिकेट क्लब

CHAIBASA : चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार को खेले गए पहले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में प्रताप क्रिकेट क्लब को हराकर जगन्नाथपुर क्रिकेट क्लब सेमीफाइनल में पहुंच गया। टॉस जीतकर जगन्नाथपुर क्रिकेट क्लब ने विपक्षी टीम को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। इसमें प्रताप क्रिकेट क्लब की टीम पूरे 30 ओवर खेलकर 8 विकेट के नुकसान पर 180 रन बनाए। वहीं, लक्ष्य का पीछा करने उतरी जगन्नाथपुर क्रिकेट क्लब की टीम ने मात्र 17.4 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 184 रन बना लिया। अब दूसरा क्वार्टर फाइनल 26 नवंबर को फ्रेंड्स क्लब चाईबासा का मुकाबला टाउन क्लब चाईबासा से होगा।

मानगो में फ्लाईओवर निर्माण को लेकर हटाए गए फुटपाथी दुकानदार

25 नवंबर से मानगो चौक से आजाद बस्ती रोड पर बनाए जाएंगे पिअर

फुटपाथी दुकानदारों को चेतावनी देते पुलिस के जवान ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR : मानगो में फ्लाईओवर निर्माण को लेकर मानगो नगर निगम और पुलिस प्रशासन ने सोमवार को मानगो चौक से आजाद बस्ती जाने वाली रोड पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान फुटपाथ पर लगी सब्जी की दुकानें, बांस-बल्ली की अवैध बढ़ाई, दुकानों के बाहर निकले शेड और सड़क पर पड़ी निर्माण सामग्रियों को हटाया गया। दुकानदारों को स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई कि वे गांधी मैदान में ही बाजार लगाएं। पुलिस और मानगो नगर निगम के कर्मचारियों ने सड़क किनारे दुकान लगाकर बैठे लोगों को समझाया कि वह आज हर हाल में अपनी दुकानें हटा लें। इन दुकानदारों को गांधी मैदान में दुकान लगाने का विकल्प दिया गया है। जिला प्रशासन 25 नवंबर से मानगो चौक से आजाद बस्ती जाने वाली रोड पर फ्लाईओवर का निर्माण कार्य शुरू कराने की तैयारी में जुट गया है। इसे लेकर इस रोड पर जाम नहीं लगे इसके लिए सड़क के दोनों किनारों से फुटपाथ दुकानदारों को हटाया जा रहा है। मानगो नगर निगम के कर्मचारी तीन दिनों से माइक के जरिए एलान कर रहे हैं कि इस सड़क पर मानगो चौक से बड़ा हनुमान मंदिर तक दोनों ओर के फुटपाथी दुकानदार अपनी दुकानें हटा लें। इन सभी दुकानदारों को गांधी मैदान में जगह दी गई है। गौरतलब है कि मानगो फ्लाईओवर के आजाद बस्ती डाउन रैंप का निर्माण 25 नवंबर से 21 दिसंबर तक होना है।

'इच्छापत्र' नाटक ने बटोरी तालियां

JAMSHEDPUR : शहर की नाट्य संस्था ताज द्वारा परसुडीह स्थित सौरभ संस्था के उस्ताद अलाउद्दीन मंच पर रविवार रात को इच्छापत्र नाटक का मंचन हुआ, जिसका निर्देशन तुषार दासगुप्ता ने किया। मुख्य कलाकार संतु बनर्जी और इति बनर्जी के अलावा मुनमुन राय, जयदीप घोष और सोमेन जाना ने भी अभिनय किया। सौरभ के अध्यक्ष सुजीत मुखर्जी ने स्वागत भाषण दिया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन निर्देशक तुषार दासगुप्ता ने किया। शब्द संयोजन में सत्य सिकदार व लाइट में समित बनर्जी प्रभावी रहे। इसे सफल बनाने में वाइस प्रेसिडेंट पूरबी घोष, सेक्रेटरी अशिम मैत्र, स्वपनऔर मालविका दास का अहम योगदान रहा।

जेएनएसी ने साकची से हटाया अतिक्रमण, वसूला गया जुर्माना

साकची में अतिक्रमण हटाने पहुंची नगर निकाय व पुलिस की टीम

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर नोटिफाइड एरिया कमेटी ने सोमवार को साकची की स्ट्रेटमाइल रोड पर व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। उपनगर आयुक्त कृष्ण कुमार के निर्देश पर टीम ने फुटपाथों पर कब्जा जमाए स्टॉल, रेहड़ी-पटरी और अस्थायी ढांचे हटाए। सड़क किनारे रखे अवैध डिस्प्ले आइटम भी जब्त किए गए और दुकानदारों को दोबारा अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी दी गई। अभियान के दौरान कोटपा एक्ट का उल्लंघन करने पर कई लोगों का चालान किया गया। वहीं प्रतिबंधित सिंगल-यूज़ पॉलिथीन इस्तेमाल करने वाले दुकानदारों पर भी कार्रवाई करते हुए पॉलिथीन जब्त की गई। कुल 22,800 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। उधर, जेएनएसी की बिल्डिंग टीम ने बिष्टुपुर और सोनारी इलाके में निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया। कई जगहों पर नक्शा विचलन पाया गया। इसमें सुधार कर निर्माण को नियमों के अनुरूप करने का निर्देश दिया गया।

घाघीडीह जेल से निकलते ही युवक ने किया हत्या का प्रयास, चलाई गोलियां

पुलिस ने छह घंटे के अंदर ही दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, तीन अन्य की तलाश जारी

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते सिटी एसपी कुमार शिवाशीष

PHOTON NEWS JSR : जुगसलाई थाना क्षेत्र में रविवार की रात को दीपक सिंह नामक व्यक्ति पर फायरिंग की गई थी। पुलिस ने इस मामले में फौरन कार्रवाई करते हुए दो नामजद आरोपियों को मात्र छह घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया। घटना के बाद एसएसपी के निर्देश पर डीएसपी (विधि-व्यवस्था) के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया था। टीम ने आरोपी सन्नी सिंह उर्फ सन्नी सिंह सरदार और रॉकी मिश्रा को पकड़ा। सन्नी सिंह 22 नवंबर को ही घाघीडीह केंद्रीय कारा से बाहर आया था। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने एक लोडेड देसी पिस्टल और एक गोली बरामद की है। वहीं रॉकी मिश्रा के पास से दो गोलियां मिलीं। इस मामले में अन्य तीन अभियुक्त राहुल सिंह उर्फ अंतिम पाई, सुजल कुमार गुप्ता और अभिषेक कुमार उर्फ आजाद गिरी फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस टीम उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी कर रही है। गिरफ्तार आरोपी सन्नी सिंह का लंबा आपराधिक इतिहास है, जिसमें हत्या, आर्म्स एक्ट और कई गंभीर धाराओं के केस शामिल हैं। पुलिस टीम में डीएसपी तौकिर आलम और जुगसलाई थाना प्रभारी बैजनाथ कुमार सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। सन्नी सिंह सरदार के खिलाफ छह केस हैं। इनमें हत्या और हत्या के प्रयास के मामले शामिल हैं। रॉकी मिश्रा पर जुगसलाई थाने में ही हत्या का प्रयास और हत्या की कोशिश के केस चल रहे हैं।

पुलिस गिरफ्त में हत्या के आरोपी ● फोटोन न्यूज

जमीन विवाद में हुई थी फेरीवाले की हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझगांव थाना क्षेत्र में फेरीवाले श्रीराम बिरुवा की हत्या की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने इन आरोपियों के पास से खून से सना लोहे का रॉड और खंजर भी बरामद किया है, जिससे श्रीराम बिरुवा की हत्या की गई थी और शव उसके घर के पीछे फेंक दिया था। लोगों ने श्रीराम बिरुवा की जली हुई मोपेड मिलने की सूचना पुलिस को दी थी। इसी के बाद पुलिस ने इस घटना में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू की थी। श्रीराम बिरुवा की रहस्यमयी गुमशुदगी और जली हुई मोपेड की सूचना ने 22 नवंबर को पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया। खड़पोस गांव के झरना नदी के किनारे मोपेड की पुलिस ने जांच की, तो पता चला कि यह मोपेड खड़पोस निवासी फेरीवाले श्रीराम बिरुवा की है। घटनास्थल से उसके घर तक पहुंचने पर मामला और संदिग्ध नजर आया था। श्रीराम बिरुवा का घर बाहर से बंद था, अंदर टीवी चल रहा था। दरवाजे पर खून के धब्बे थे। ग्रामीणों, मुखिया और अधिकारियों की मौजूदगी में घर खोला गया तो पूरा सामान बिखरा पड़ा था और फर्श पर भी खून के निशान दिखे। श्रीराम बिरुवा घर में अकेले रहते थे और परचून की दुकान के साथ फेरी भी लगाते थे। खोजबीन के दौरान उसका शव घर से लगभग 100 मीटर दूर कब्रिस्तान की झाड़ियों में अर्द्धनग्न अवस्था में मिला। मृतक के बेटे जयासिंह बिरुवा के आवेदन पर सूरज बिरुवा उर्फ टकलू, मधु बांकिरा उर्फ डोंडा, और राहुल पिंगुवा के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया।

टाटानगर स्टेशन के पास सीएनजी ऑटो में लगी आग, हुए धमाके

धू-धूकर जलता वाहन ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR : टाटानगर रेलवे स्टेशन के मेन गेट के ठीक सामने सोमवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। एक चलती सीएनजी ऑटो में अचानक आग लगने के बाद दो जोरदार धमाके हुए, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। धमाकों की आवाज दूर तक सुनाई दी और लोग दहशत में इधर-उधर भागने लगे। कुछ देर के लिए सड़क पर यातायात भी प्रभावित रहा।

कीताडीह निवासी चालक पवन राय ऑटो में यात्रियों को लेकर स्टेशन से आगे बढ़ रहा था, तभी राहगीरों ने वाहन के नीचे से चिंगारी निकलते देख उसे सावधान किया। चेतावनी के कुछ ही क्षण बाद ऑटो से धुआं उठने लगा और आग भड़क गई। चालक और यात्री तुरंत कूदकर सुरक्षित स्थान पर पहुंच गए, इससे बड़ी जनहानि टल गई। कुछ ही मिनटों में ऑटो आग की लपटों में घिर गया और दो तेज ब्लास्ट हुए। सूचना मिलते ही पीसीआर वैन, आरपीएफ और जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची। बाद में दमकल विभाग की गाड़ी ने आग पर काबू पाया, जिसके बाद आवागमन सामान्य हो गया। राहत की बात रही कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस और फायर ब्रिगेड आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं।

साहित्य

156वीं गोष्ठी में लेखिका के नारी पात्रों पर हुई खूब बातें, रचनाओं में प्रगतिशील नारियों का उल्लेख

सृजन संवाद में हुई उर्मिला शिरीष की लेखन यात्रा पर चर्चा

PHOTON NEWS JSR : साहित्य, सिनेमा एवं कला संस्था 'सृजन संवाद' में 23 नवंबर की शाम को 156वीं गोष्ठी में उर्मिला शिरीष की लेखन यात्रा पर चर्चा हुई। स्ट्रीमयार्ड तथा फेसबुक लाइव पर भोपाल से प्रसिद्ध लेखिका उर्मिला शिरीष ने हरियश राय एवं राजेश राव से संवाद किया। इसके साथ ही श्रोताओं-दर्शकों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। संवादियों ने भी उनके लेखन पर अपने-अपने विचार रखे। दिल्ली से डॉ. रक्षा गीता ने कुशल संचालन किया। डॉ. विजय शर्मा ने स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन किया।

डॉ. विजय शर्मा ने मुख्य वक्ता, संवादी हरियश राय तथा रजेश जोशी, संचालक रक्षा गीता एवं फेसबुक लाइव दर्शकों का स्वागत करते हुए उर्मिला शिरीष के विपुल लेखन की चर्चा की। लेखिका न केवल कुशल कहानीकार, उपन्यासकार हैं, वरन भ्रमण में भी रूचि रखती हैं।

डॉ. रक्षा गीता ने मुख्य वक्ता का विस्तार से परिचय दिया। उन्होंने बताया कि उर्मिला शिरीष की विभिन्न विधाओं यथा दो दर्जन कहानी संग्रह, उपन्यास, 'मेरे साक्षात्कार', 'शब्दों की यात्रा के साथ', गोविंद मिश्र की जीवनी 'बायवाँ में बहार' पर कृतियां प्रकाशित हैं। इनके कार्य का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद हुआ है। वे सहजता एवं सरलता से लेखन करती हैं। वे पात्रों की भीतरी बनावट पाठक को उपलब्ध कराती हैं। इन्हें कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। इनके लेखन पर टेलीफिल्म भी बनी है। उर्मिला जी 'स्पंदन' संस्था से जुड़ी हुई हैं। इस उम्र में भी इनकी ऊर्जा प्रेरणादायी है। उर्मिला शिरीष ने

अपनी लेखन यात्रा पर कहा, वे बचपन से ही खूब पढ़ाकू रही हैं, उन्होंने हिन्दी, संस्कृत एवं भारतीय इतिहास का अध्ययन किया है। वे अपने आसपास के अनुभवों को कहानियों में पिरोती हैं। उन्हें अनुशासनबद्ध तरीके से लिखना पसंद है।

संवादी हरियश राय के चार उपन्यास और आधा दर्जन कहानी संग्रह प्रकाशित हैं। विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में उनका लेखन जारी है। हिन्दी कहानी पर उनकी बहुत अच्छी पकड़ है। उन्होंने उर्मिला शिरीष की कहानियों एवं उपन्यास पर अपनी बात विस्तार से रखी। वे लेखन को मात्र रचनाधर्म मानते हैं, उसे स्त्री लेखन या पुरुष लेखन के खांचों में नहीं बांटना चाहते हैं। उन्होंने लेखिका की रचनाओं में करुणा तत्व को विशेष रूप से रेखांकित किया। उनका लेखन परिवार में स्त्री के वजूद, उसके सम्मान की मांग करता है। उनकी कहानियां कहती हैं कि सामंती मानसिकता बदलनी चाहिए, स्त्री को सम्पत्ति में अधिकार मिलना चाहिए।

दूसरे संवादी राजेश राव का परिचय देते हुए संचालिका ने बताया कि वे दिल्ली विश्वविद्यालय के दयाल सिंह कॉलेज के हिंदी विभाग में कार्यरत हैं। उनकी आलोचना किताब 'हिंदी कथा-साहित्य : पाठ के विविध आयाम' नाम से प्रकाशित है। 'महावीर प्रसाद द्विवेदी : संपूर्ण जीवनियां', 'इक्कीसवीं सदी की कहानियां' उनके द्वारा संपादित किताबें हैं। दो दर्जन से ऊपर शोध-लेख, पुस्तक समीक्षाएं उनके नाम पर हैं। उन्होंने विशेष रूप से उर्मिला शिरीष की कहानियों के नारी पात्र पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, इन कहानियों की पात्र अपने जीवन में आगे बढ़ना चाहती हैं, वे कुछ करना चाहती हैं, वे सपने देखती हैं। इसके लिए वे जी-जान लगा देती हैं। राजेश राव ने पूछा, लेखिका के ऊपर किनका प्रभाव है? बातें बहुत बाकी थीं, लेकिन सार्थक चर्चा का समापन करते हुए डॉ. शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ बताया कि 157वें सृजन संवाद की गोष्ठी में सिनेमा पर बात होगी।

चेखव रहे पसंदीदा लेखक

राजेश राव के एवं अन्य प्रश्नों के उत्तर देते हुए उर्मिला शिरीष ने बताया कि उन्होंने बहुत पढ़ा है, रामचरित मानस-महाभारत, दर्शन से लेकर रजनीश तक को। उन पर बहुत तरह के प्रभाव रहे हैं, खासकर बुद्ध से वे बहुत प्रभावित हुईं। चेखव उनके एक पसंददीदा लेखक हैं। यात्राओं के अनुभव असर डालते हैं। वे एक बार में एक ही काम करती हैं, पढ़ना निरंतर चलता रहता है।

इनकी भी रही उपस्थिति

फेसबुक लाइव के माध्यम से जमशेदपुर से डॉ. क्षमा त्रिपाठी, डॉ. नेहा तिवारी, अर्चना अनुपम, पत्रकार अनघा मारीषा, रंजीत कौर गिल, वीणा कुमारी, पुणे से सिने-समीक्षक-इतिहासकार मनमोहन चड्ढा, गोरखपुर से अनुराग रंजन, दिल्ली से रक्षा गीता, कल्पना मनोरमा, नासिरा शर्मा, बनारस से अश्वनि तिवारी आदि जुड़े। इनके प्रश्नों एवं टिप्पणियों से कार्यक्रम अधिक सफल हुआ।

दीक्षांत समारोह के लिए किया गया शोभायात्रा का अभ्यास

शोभायात्रा के अभ्यास का निरीक्षण करतीं कुलपति डॉ. अंजिला गुप्ता

CHAIBASA : कोल्हान विश्वविद्यालय का छठा दीक्षांत समारोह 26 नवंबर को होना है। इसकी तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है। कुलपति ने सोमवार को सूक्ष्मता से सभी हो चुके कार्यों का निरीक्षण किया। शोभायात्रा का अभ्यास भी किया गया। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉक्टर एके झा ने बताया कि कुलपति ने सिंडिकेट के सदस्यों के साथ पदाधिकारियों को भी शोभायात्रा में व्यवस्थित होने के संबंध में निर्देश दिया। कुलसचिव ध्वज लेकर कैसे चलेंगे और दोनों पंक्तियों में पंक्तिबद्ध होकर सदस्य कैसे चलेंगे, इसका कई बार अभ्यास किया गया। कुलाधिपति के परिधान धारण करने के लिए कक्ष का निर्माण हो चुका है। इसका भी कुलपति ने निरीक्षण किया। मंच का निरीक्षण करते हुए कुलपति ने पत्रकार दीर्घा सहित अन्य सम्मानित लोगों के बैठने की जगह आदि के संबंध में भी विवरण प्राप्त किया और आवश्यक निर्देश दिए। सभी संकाय अध्यक्षों एवं कुलसचिव ने भी अपने संवादों का अभ्यास किया। जनसंपर्क उपनिदेशक चाईबासा को भी पत्रकारों के लिए उचित संख्या में पास निर्गत करने का आग्रह करते हुए पत्र लिखा गया।

BRIEF NEWS

लाखों की लागत के बाद भी सड़क जर्जर

BETTIAH : पश्चिम चंपारण ज़िला स्थित लौरिया प्रखंड के बसवरिया पराऊटोला पंचायत स्थित बसवरिया गांव की मुख्य सड़क की दुर्दशा ने विकास कार्यों पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। एनएच-727 से वार्ड संख्या 12 और 13 को जोड़ने वाली करीब 1.470 किमी लंबी इस सड़क का निर्माण वर्ष 2020 में मुख्यमंत्री ग्रामीण योजना के तहत 33 लाख 99 हजार रुपये की लागत से कराया गया था। निर्माण के बाद हर वर्ष इसके रखरखाव पर भी लाखों रुपये खर्च दिखाए गए। रिकॉर्ड के अनुसार 2020-21 में 1.09 लाख, 2021-22 में 1.49 लाख, 2022-23 में 3.85 लाख, 2023-24 में 1.99 लाख और 2024-25 में 4.10 लाख रुपये खर्च दर्शाए गए। बावजूद इसके सड़क पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं।

कटिहार में कल मनाया जाएगा नशा मुक्ति दिवस

KATIHAR : मद्यनिषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के तत्वावधान में 26 नवंबर को कटिहार जिले में 'नशा मुक्ति दिवस' मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य मद्यनिषेध नीति के प्रभावी कार्यान्वयन और नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जनजागरूकता फैलाना है। इस दिन पटना के अधिवेशन भवन में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग कटिहार जिले के जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) के सभाकक्ष में प्रसारित किया जाएगा। जिले के सभी सम्मानित मीडिया कर्मियों और पत्रकारों को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। नशामुक्ति के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के लिए जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका, सिविल सर्जन, जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, सर्व शिक्षा अभियान को निर्देशित किया गया।

श्री नारायण मेडिकल कॉलेज में सत्र 2025 -26 की विधिवत पढ़ाई शुरू

SAHARSA : श्री नारायण मेडिकल कॉलेज में सोमवार से एमबीबीएस सत्र 2025-26 बैच की विधिवत पढ़ाई शुरू हो गई है। सत्र की शुरूआत संस्थान के प्रिंसिपल प्रोफेसर डॉ. दिलीप झा, डीन प्रोफेसर मनोज यादव, डॉ. रमेश सिंह, डॉ. आराधना व फेकल्टी प्रोफेसरों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर छात्रों को एप्रोन पहनाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। साथ हीं पढ़ाई के प्रति सजग रहने की सलाह भी दी गई ताकि माता पिता अभिभावक के साथ-साथ संस्थान का नाम रौशन हो।इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी मुकुंद माधव, मीडिया प्रभारी संतोष सिंह तोमर सहित अन्य मौजूद थे। ज्ञात हो कि बिहार सरकार के द्वारा मेडिकल कॉलेज स्थापना की भी घोषणा की गई है।

सुपर फूड के रूप में ग्लोबल प्रोडक्ट बन गया मखाना

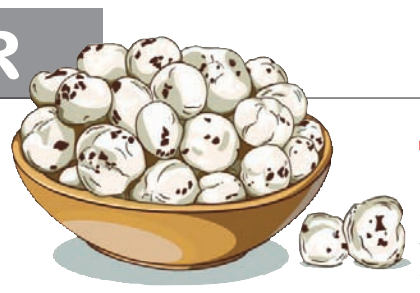

AGENCY SAHARSA : मिथिला कोसी व सीमांचल में होने वाली मखाने की खेती से व्यवसाय और किसानों की अब आय बढ़ने की उम्मीद जगी है।पाश्चात्य देशों में सुपर फूड के नाम पर इसकी बिक्री काफी बढ़ गई है,जिसके कारण लोगों द्वारा इसकी मांग बढ़ गई है। जिलें के सत्तर कटैया प्रखंड स्थित तुलसियाही गांव के मखाना वायवसायी नवीन साह ने बताया कि मखाने की खेती में काफी मेहनत पड़ती है। वही कच्चे माल के रूप में तालाब या झील से प्राप्त मखाना तैयार करने में बहुत ही मेहनत और जद्दोजहद करनी पड़ती है।

उन्होंने बताया कि तालाब से पहले बीज के रूप में गुड़ी निकाला जाता है फिर उसे गर्म कर 24 घंटे के लिए छोड़ दिया जाता है। तत्पश्चात उसे पुनः गर्म कर कठोर चीज से उसे फोड़ा जाता है,जिसमें से सुंदर और पौष्टिक आहार के रूप में मखाना प्राप्ति होती है।

उन्होंने बताया कि मिथिला में शरद पूर्णिमा कोजागरा के उत्सव में इसका जमकर प्रयोग किया जाता है। मखाना को अमृत तुल्य माना गया है। वहीं अब जी टैग मिलने के कारण पूरे विश्व में इसकी प्रसिद्धि फैली है,जिसके कारण अनेक देश मे मखाने की मांग काफी बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि कच्चे माल के रूप में जब गुड़ी निकाली जाती है। तो उससे तैयार मखाना विभिन्न प्रकार के क्वालिटी में निकलता है। उन्होंने बताया कि सबसे अच्छा मखाना 6 सूत को माना गया है जिसकी कीमत भी सबसे अधिक रहती है। उन्होंने बताया कि मखाने की उपज काफी बहुत पैदावार होने के कारण इस बार रेट काफी काम हो गया है। स्थानीय स्तर पर जो मखाना विगत वर्ष 500 से ₹700 में बिक्री होती थी वही मखाना अब 1000 से ₹1200 तक की बिक्री होलसेल में की जा रही है। उन्होंने बताया कि महानगर की बड़े बड़े व्यापारी मखाना व्यवसायी से संपर्क कर रहे हैं। ऐसे में उम्मीद है कि आने वाले दिनों में किसान एवं व्यवसाईयों को काफी लाभ प्राप्त होगा।उन्होने बताया कि मखाना की खेती तालाबों, झीलों या पानी जमा होने वाले खेतों में की जाती है। जिसमें नर्सरी तैयार करने के बाद रोपाई की जाती है। इसकी खेती के लिए नवंबर-दिसंबर में बीज बोना, फरवरी-मार्च में रोपाई और अक्टूबर-नवंबर में कटाई होती है। एक एकड़ में लगभग 10-12 क्विंटल तक उपज हो सकती है।

कर्मियों से बातचीत कर दी जाने वाली सुविधाओं के संबंध में ली जानकारी

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र का किया निरीक्षण

AGENCY PATNA : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र का भ्रमण कर औद्योगिक इकाइयों यथा न्यू जील सीजनल वियर प्राइवेट लिमिटेड, कॉम्पीटेंस एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड एवं ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड का निरीक्षण किया।

भ्रमण के क्रम में मुख्यमंत्री ने न्यू जील सीजनल वियर प्राइवेट लिमिटेड का निरीक्षण कर वहां तैयार किये जा रहे विभिन्न प्रकार के वस्त्रों एवं कार्यरत कर्मियों की संख्या आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने टेलरिंग के काम में लगे कर्मियों से बातचीत कर औद्योगिक इकाई की ओर से उन्हें दी जाने वाली सुविधाओं के संबंध में भी जानकारी ली।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत कॉम्पीटेंस एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कॉम्पीटेंस एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड में बनाये जा रहे विभिन्न प्रकार के जूतों से संबंधित बाजार, कच्चे माल आदि के संबंध में प्रबंधन से विस्तृत जानकारी ली।

हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड का भी मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि यहां मुख्य रूप से बिस्कुट और कुकीज का निर्माण होता है, जो पूरे भारत के साथ-साथ विदेशों में भी भेजे जाते हैं। यह कंपनी ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड का हिस्सा है, जो बिस्कुट, ब्रेड और डेयरी उत्पादों के निर्माण के लिए जानी जाती है।

इस अवसर पर विधायक सिद्धार्थ पटेल, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, वैशाली जिलाधिकारी वर्षा सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

विभिन्न मुद्दों पर अधिकारियों के साथ की विस्तृत चर्चा

मुख्यमंत्री ने हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र के इन औद्योगिक इकाइयों में चल रही उत्पादन गतिविधियों, उद्योग विस्तार की संभावनाओं तथा रोजगार सृजन से जुड़े मुद्दों सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर अधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक विकास को और अधिक गति देने के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए, जिससे कि ज्यादा से ज्यादा रोजगार का सृजन हो सके। हाजीपुर क्लस्टर बिहार का एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र है, जिसमें हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र और निर्यात प्रोत्साहन औद्योगिक पार्क सहित कुल 9 औद्योगिक क्षेत्र सम्मिलित हैं। इस क्लस्टर में अब तक 289 औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटित की जा चुकी है। क्लस्टर में 291.83 एकड़ भूमि आवंटित है तथा 304.11 एकड़ भूमि आवंटन के लिए उपलब्ध है। यहां उद्योगों के संचालन के लिए 11 केवी एवं 33 केवी विद्युत आपूर्ति, विकसित सड़क नेटवर्क, सोलर स्ट्रीट लाइट, जल निकासी प्रणाली, बाउंड्री वॉल, क्लस्टर की भौगोलिक स्थिति और बेहतर कनेक्टिविटी इसे एक सशक्त औद्योगिक केंद्र बनाती है। वर्ष 2024-25 के दौरान इस क्लस्टर में निवेश, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कई उल्लेखनीय कदम उठाए गए। यहां कॉम्फेड सुधा डेयरी, सोन बिस्कुट लिमिटेड, अनमोल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड, एसएलएमजी बेवरेजेज प्रालि. और एवोन साइकिल लिमिटेड जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा निवेश किया गया, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं।

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने राजस्व विभाग में किया पदभार ग्रहण

AGENCY PATNA : बिहार में नई सरकार के गठन के साथ मंत्रियों ने अपने-अपने विभागों का कार्यभार संभालना शुरू कर दिया है। सोमवार को उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में पदभार ग्रहण किया। विभाग पहुंचने पर अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। दूसरी ओर मंत्री नितिन नवीन ने भी पथ निर्माण विभाग का पदभार संभाला। इसके पहले बिजेंद्र यादव ने मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग का पदभार संभाला तो वहीं पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री सुरेंद्र मेहता और श्रम संसाधन मंत्री संजय सिंह टाइगर ने औपचारिक रूप से अपनी जिम्मेदारी ग्रहण की। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का पदभार ग्रहण करने के बाद विजय सिन्हा ने कहा, बिहारी अब गाली नहीं बनेगा।

स्वाभिमान का प्रतीक बनेगा। किसी माफिया को मैं डराने की बात नहीं करूंगा। भूमि राजस्व के अंदर भी सफेद पोस लोग जो अपराध और भ्रष्टाचार के पोषक बनकर भू माफियाओं को संरक्षित करते हैं। ऐसे चेहरे पर हमारी निगाह रहेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भू-माफियाओं और उन्हें संरक्षण देने वाले तत्वों पर सरकार की कड़ी नजर रहेगी। सिन्हा ने यह भी याद दिलाया कि वे पहले भी कुछ समय के लिए इस विभाग का हिस्सा रह चुके हैं, और अब राज्य की भूमि सुरक्षा और उसके बेहतर प्रबंधन को मिशन मोड में आगे बढ़ाया जाएगा।

डीएम अनिल कुमार ने खरीफ मौसम के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का किया उद्घाटन

AGENCY ARARIA : कृषि वर्ष 2025-26 में कृषि सांख्यिकी कार्य में संलग्न सभी पदाधिकारी एवं कर्मियों के क्षमतावर्धन हेतु सोमवार को खरीफ मौसम के लिए जिला स्तरीय एक दिवसीय आवर्तीचर्या -सह- प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

समाहरणालय स्थित परमान सभागार में आयोजित उक्त आवर्तीचर्या -सह- प्रशिक्षण का उद्घाटन जिलाधिकारी अनिल कुमार, अपर समाहर्ता अनिल कुमार झा, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन नवनील कुमार, उप विकास आयुक्त रोजी कुमारी एवं उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला पदाधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय कार्य व्यवस्था में कृषि क्षेत्र के अंतर्गत क्षेत्रफल एवं फसल उत्पादन के समयबद्ध, शुद्ध एवं विश्वसनीय कृषि सांख्यिकी के आंकड़ों के लिए कृषि नीति निर्धारण, कृषि विकास, आयत-निर्यात तथा राष्ट्रीय आय के निर्धारण में महत्वपूर्ण योगदान होता है। राज्य में कृषि सांख्यिकी के आंकड़ों के संग्रहण में संकलन कार्य सांख्यिकी निदेशालय के अतिरिक्त अन्य विभागों के कर्मियों द्वारा किया जा रहा है। इन कर्मियों को नवीनतम विधि से अवगत कराने एवं तकनीकी रूप से दक्ष करने हेतु उक्त प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है।

यह प्रशिक्षण जिला सांख्यिकी पदाधिकारी श्रीकांत पासवान एवं सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी प्रभाष पाठक के द्वारा संयुक्त रूप से दिया गया।

चिंताजनक — नए रोगियों की खोज के लिए चलाया गया नाइट ब्लड सर्वे

रक्त जांच में मिले फाइलेरिया के 134 नए संक्रमित मरीज

BETTIAH : फाइलेरिया (हाथी पांव) रोग के प्रसार दर की जांच व नियंत्रण हेतु भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहें फाइलेरिया मुक्त अभियान के तहत नए रोगियों के खोज करने के लिए जिले में 9 से 25 अक्टूबर तक नाइट ब्लड सर्वे चलाया गया था।

इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ. विजय कुमार एवं एसीएमओ डॉ रमेश चंद्रा ने जानकारी देते हुए बताया की 14 प्रखंडो के सेंटिनल (स्थाई) एवं रैण्डम (अस्थाई) साइटों पर एनबीएस एवं चार प्रखंडों में प्री-टास एक्टिविटी के अंतर्गत कुल 12 हजार लोगों के रक्त नमूने लिए गए है जिनकी लैब टेक्निशियन के द्वारा जांच की गई है। प्रत्येक प्रखंड में एक रैंडम और एक सेंटिनल साइट बनाया गया था। प्रत्येक साईट से 300 सैंपल इकठ्ठा करने का लक्ष्य था।

इस दौरान कई प्रखंडो के लोग फाइलेरिया के परजीवी से संक्रमित पाए गए है। इस संबंध में जिले के सीएस ने कहा की क्यूलेक्स मच्छर के द्वारा काटने से यह रोग फैलता है। ये माइक्रो फाइलेरिया कृमी शरीर के अन्दर जाकर लसीका तंत्र को नुकसान पहुंचाते हैं जिसके फलस्वरूप प्रभावित अंग में सूजन होने लगता है। यह अधिकतर पैर, हाथ, स्तन तथा जननांगों को प्रभावित करता है। पैर में सूजन इस तरह बढ़ जाता है कि पैर हाथी के पैर जैसे मोटे हो जाते हैं, इसलिए इसे हाथीपांव कहते हैं। हाथीपांव फैलाने वाले सूक्ष्म परजीवी रक्त वाहिनियों मे रात मे ही निकलते हैं इसलिए इसकी जांच हेतु रात्रि रक्त पट संग्रह (एन बी एस) रात मे ही किया गया है। इससे प्रखंडवार फाइलेरिया दर की सटीक जानकारी मिलती है। जिससे 10 फरवरी से चलने वाली सर्वजन दवा सेवन अभियान के दौरान दवाओं के एडमिनिस्ट्रेशन में सहूलियत होती है। वीडीसीओ प्रशांत कुमार ने जानकारी देते हुए कहा की रक्त पट जांच में अब तक 134 मरीज फाइलेरिया से संक्रमित पाए गए है वहीं पिछले साल 92 मरीज मिले थे। उन्होंने बताया की जिले में लगभग 4800 फाइलेरिया रोगी है। जिन्हे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सक के देखरेख में दवाओ का कोर्स कराकर हाथी पांव के परजीवी को नियंत्रित किया जाएगा।

सारण पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत सौंपे 61 मोबाइल फोन

AGENCY SARAN : पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन मुस्कान के तहत बड़ी सफलता हासिल हुई है। इस अभियान के अंतर्गत चोरी या गुम हो चुके 61 स्मार्टफोन को बरामद किया गया है, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 14.50 लाख रुपये है। इन सभी मोबाइलों को आज साइबर थाना, छपरा में आयोजित एक कार्यक्रम में उनके वास्तविक धारकों को विधिवत सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस उपाधीक्षक, साइबर चंद्रभूषण की देखरेख में साइबर थाना, छपरा की टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई के माध्यम से पूरी की गई। ऑपरेशन मुस्कान सारण पुलिस की एक पहल है जिसका उद्देश्य गुम हुए मोबाइल फोन को ट्रैक कर बरामद करना और गहन सत्यापन के बाद पीड़ितों को सौंपकर उनके चेहरे पर मुस्कान लौटाना है। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि इस अभियान से अब तक अनेक लोगों को उनका खोया हुआ फोन वापस मिल चुका है, और भविष्य में भी यह विशेष अभियान इसी प्रकार जारी रहेगा। सारण पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल चोरी या गुम हो जाने पर वे तुरंत नजदीकी थाना में प्राथमिकी या सन्हा दर्ज कराएं और साथ ही सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से भी अपनी शिकायत दर्ज करें, ताकि पुलिस जल्द से जल्द कार्रवाई कर सके।

पंचायती राज मंत्री ने विभागीय कार्यप्रणाली का किया निरीक्षण

PATNA : बिहार सरकार के पंचायती राज विभाग के मंत्री दीपक प्रकाश ने सोमवार को कार्यालय प्रारम्भ होने के उपरांत विभाग के सभी प्रशाखाओं का निरीक्षण किया। मंत्री के इस निरीक्षण का उद्देश्य विभागीय कार्य संस्कृति को सुदृढ़ करना, समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करना तथा कार्य निष्पादन की गुणवत्ता को और बेहतर बनाना था।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने सबसे पहले संबंधित शाखाओं में पहुंचकर पदाधिकारियों एवं कर्मियों की उपस्थिति की जांच की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी कर्मचारी समय से कार्यालय आएं तथा सौंपे गए कार्यों को निष्ठा एवं पारदर्शिता के साथ पूरा करें। कार्यालयी अनुशासन से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

NEWS BOX

छह दिन बाद लावारिस अवस्था में मिली चोरी हुई बाइक

AGENCY ARARIA : जिले के फुलकाहा थाना क्षेत्र अंतर्गत नया टोला से 17 नवंबर को चोरी हुई बाइक भारत नेपाल सीमा पर अवस्थित एक आम के बगीचे में लावारिस अवस्था में मिला। लावारिस अवस्था में बागीचे में बाइक को देखकर ग्रामीणों ने फुलकाहा थाना पुलिस को इसकी जानकारी दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची फुलकाहा थाना के अपर थानाध्यक्ष गुलशन कुमार ने बाइक को जब्त किया। बाइक के मालिक दीपक कुमार मंडल है, जो नवाबगंज पंचायत के भोड़हर निवासी हैं और फिलहाल अपने परिवार के साथ फुलकाहा नया टोला में किराए के मकान में रहते हैं। 17 नवंबर की रात उन्होंने अपनी ग्लैमर बाइक बीआर38 एम 9614 घर के बरामदे में खड़ी की थी, लेकिन सुबह उठने पर बाइक गायब मिली। घटना की शिकायत उन्होंने फुलकाहा थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस और बाइक मालिक की ओर से लगातार खोजबीन की गई, लेकिन कई दिनों तक कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच पुलिस की दबिश बढ़ने पर चोरों ने बाइक को इंडो-नेपाल सीमा सड़क के पास एक आम के बगीचे में छोड़ दिया।

नेपाल में काम करने व पढ़ने वाले भारतीय नागरिकों को किया जा रहा पंजीकृत

AGENCY ARARIA : नेपाल में काम करने वाले और पढ़ाई करने वाले भारतीय नागरिकों के विवरण को पंजीकृत और नवीनीकृत किया जा रहा है। भारतीय दूतावास के सहयोग से नेपाल के विराटनगर मोरंग उद्योग व व्यापार संघ में दो दिवसीय पंजीकरण शिविर में सैकड़ों की संख्या में भारतीय नागरिकों ने अपने पंजीकरण के नवीनीकरण के लिए आवेदन जमा किया। पंजीकरण संघ के अध्यक्ष अनुपम राठी और भारतीय दूतावास के प्रतिनिधि आरपी सिंह ने संयुक्त रूप से पंजीकरण और नवीनीकरण कराने वाले भारतीय नागरिकों को पंजीकरण का प्रमाण पत्र प्रदान किया। मिली जानकारी के अनुसार,दो दिवसीय पंजीकरण व नवीनीकरण कराने वाले कुल 1403 भारतीय नागरिकों को प्रमाण पत्र दिया गया।

विकास कार्यों को लेकर लगाया आरोप, बीडीओ को दिया आवेदन

AGENCY BETTIAH : पश्चिम चंपारण ज़िला स्थित नौतन ब्लॉक क्षेत्र के जमुनिया पंचायत के वार्ड संख्या तीन में विकास कार्यों को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। वार्ड सदस्य अजरीना खातून ने प्रखंड विकास पदाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह को आवेदन देकर गंभीर आरोप लगाया है कि उनके वार्ड में होने वाले विकास कार्यों की जिम्मेदारी उन्हें नहीं दी जा रही है। उनका कहना है कि पूर्व वार्ड सदस्य को ही पंचायत द्वारा लगातार कार्य उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वर्तमान वार्ड प्रतिनिधि होने के बावजूद उनकी अनदेखी की जा रही है। अजरीना खातून ने बताया कि इससे वार्ड में विकास कार्यों की पारदर्शिता प्रभावित हो रही है और ग्रामीणों में इसको लेकर गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि जनप्रतिनिधि का चयन इसलिए किया जाता है ताकि वह उनके क्षेत्र में योजनाओं का संचालन सही ढंग से कर सके, लेकिन वर्तमान स्थिति में योजनाओं का लाभ जनता तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहा है। इस मामले पर प्रखंड विकास पदाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पंचायत सचिव से जांच करवाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी .वार्ड संख्या तीन में विकास कार्यों को लेकर चल रहे इस विवाद से स्थानीय लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई करेगा, ताकि क्षेत्र में विकास कार्यों में कोई बाधा न आए और निर्वाचित प्रतिनिधियों की भूमिका मजबूत हो सके।

आतंक के खिलाफ कठिन हुई लड़ाई

जिहादी डॉक्टरों के फरीदाबाद आतंकी माड्यूल का भंडाफोड़ हो जाने के बाद भी जिस तरह वह कई लोगों की जान लेने में समर्थ रहा, उसके बाद इस पर बहस होना स्वाभाविक है कि पुलिस और खुफिया एजेंसियों से कहां क्या चूक हुई। इस चूक के चलते दिल्ली में लाल किले के निकट कार धमाके में 15 लोग मारे गए और श्रीनगर के एक थाने में नौ लोग। दोनों जगह उसी विस्फोटक ने अलग-अलग कारणों से कहर ढाया, जिसे इस आतंकी माड्यूल ने फरीदाबाद में जमा किया था। यह आतंकी माड्यूल और अधिक कहर बरपा सकता था, यदि श्रीनगर पुलिस ने शहर में जैश-ए-मोहम्मद के समर्थकों की ओर से लगाए पोस्टरों को गंभीरता से नहीं लिया होता। इन पोस्टरों के जरिए कश्मीर के लोगों को सुरक्षा एजेंसियों की मदद करने के खिलाफ चेतावनी दी गई थी। कश्मीर में ऐसे पोस्टर लगना आम बात रही है, लेकिन श्रीनगर के नौगाम थाने की पुलिस ने उन्हें गंभीरता से लिया। पहले उसकी पकड़ में आर्तकियों के समर्थक कुछ पत्थरबाज आए। उनके जरिए पुलिस जिहाद का पाठ पढ़ा रहे एक मौलवी तक पहुंची। उससे पूछताछ के बाद ही फरीदाबाद के आतंकी माड्यूल का भंडाफोड़ हुआ। इस माड्यूल के आर्तकियों के पास से विस्फोटक और घातक हथियार बरामद किए गए। यदि श्रीनगर पुलिस ने अपने इलाके में लगे पोस्टरों को गंभीरता से नहीं लिया होता तो संभवतः जिहादी डॉक्टर अपनी उस साजिश को भी अंजाम देने में सफल हो गए होते, जिसके तहत एक साथ कई ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले किए जाने थे। उनके इरादे कितने खूंखार थे, इसका पता लाल किले के निकट कार में धमाका करने वाले मजहबी उन्माद से भरे आतंकी उमर के उस वीडियो से मिलता है, जिसमें वह आत्मघाती हमलों को जायज ठहराते सुना जा सकता है। लाल किला आतंकी हमला एक बार फिर यह बता रहा है कि ऐसे हमले तब संभव हो पाते हैं, जब आर्तकियों को स्थानीय स्तर पर शरण और समर्थन मिलता है। इसका उदाहरण पहलगाम का आतंकी हमला भी था। यहां पाकिस्तान से आए आतंकी कहर बरपाने में इसलिए सफल रहे थे, क्योंकि उन्हें कुछ स्थानीय लोगों ने शरण दी थी। अब इसमें कोई संदेह नहीं कि डॉक्टर आर्तकियों को फरीदाबाद में एक मौलवी और अन्य अनेक की ओर से जो संरक्षण और सहयोग मिला, उसी कारण वे घातक विस्फोटक जमा करने में समर्थ रहे। यदि फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी जिहादी तत्वों की शरणगाह के रूप में देखी जा रही है तो इसके लिए वह अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकती। इस यूनिवर्सिटी के जो डॉक्टर आतंकी निकले, उनमें से दो पहले जहां कार्यरत थे, वहां से बर्खास्त किए जा चुके थे। एक तो आतंकवाद को खुला समर्थन देने के गंभीर आरोप में और दूसरी लंबे समय तक बिना बताए अनुपस्थित रहने के कारण। यह अल फलाह यूनिवर्सिटी ही बता सकती है कि उसने ऐसे संदिग्ध अतीत वाले डॉक्टरों को अपने यहां नियुक्ति क्यों दी। यदि डाक्टर आतंकी बन जाएं और वे आसानी से एक यूनिवर्सिटी को अपना अड्डा बना लें तो इसका मतलब है कि जिहादी आतंक को खाद-पानी देने वाले तंत्र ने अपनी जड़ें बहुत गहरे तक जमा ली हैं। अल फलाह यूनिवर्सिटी के संदेह से घिरने के बाद यह भी पता चल रहा है कि उसके संस्थापक वाइस-चांसलर का भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और वह धोखाधड़ी में तीन साल जेल में गुजार चुका है। इस यूनिवर्सिटी में कश्मीरी डॉक्टरों की बड़ी संख्या में नियुक्ति भी सवाल खड़े करती है। आखिर यह कोई नामी यूनिवर्सिटी नहीं। यह नहीं कहा जा सकता कि कश्मीरी डॉक्टरों को अन्य कहीं नौकरी नहीं मिल रही थी, इसलिए अल फलाह की ओर रुख करना उनकी मजबूरी बन गई थी। बहुत संभव है कि अल फलाह जिहादी इरादों वाले डॉक्टरों की पसंदीदा यूनिवर्सिटी इसलिए बन गई हो, क्योंकि यहां उन्हें अपनी गतिविधियां चलाना आसान दिखा हो। इस यूनिवर्सिटी के इरादों के प्रति संदेह का एक आधार उसकी ओर से यह फर्जी दावा करना भी है कि उसे राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद यानी नैक की मान्यता प्राप्त है। साफ है कि अल फलाह यूनिवर्सिटी का संचालन तय नियम-कानूनों के अनुरूप हो, इसकी निगरानी ढंग से नहीं हो रही थी। अब यदि निगरानी के अभाव में उच्च शिक्षा संस्थान आर्तकियों के ठिकाने बन जाएंगे तो फिर यह समझ लिया जाना चाहिए कि जिहादी आतंक के खिलाफ लड़ाई और कठिन होने वाली है। यह लड़ाई पहले से ही इसलिए कठिन दिखने लगी है, क्योंकि डॉक्टरों के एक समूह ने जिहादी बनना पसंद किया। क्या आतंक की राह पर चलने को तैयार डॉक्टरों या ऐसे ही अन्य उच्च शिक्षित युवाओं को डी-रेडिकलाइज करना संभव है। फरीदाबाद आतंकी माड्यूल में दो मौलवी भी शामिल पाए गए हैं। यदि दीन-ईमान की शिक्षा देने वाले ही जिहादी आतंक का पाठ पढ़ाने लगें तो फिर आतंकवाद के खिलाफ लड़ी जाने वाली कठिनाई को और अच्छे से समझा जा सकता है। यह लड़ाई इसलिए और कठिन होने वाली है, क्योंकि ऐसे स्वर भी उभर रहे हैं कि डॉक्टर इसलिए आतंकी बन गए, क्योंकि मुसलमानों के साथ सही व्यवहार नहीं किया जा रहा है। ऐसा स्वर एक-दुक्का नेताओं का ही नहीं।

लव जिहाद के 283 केस और सिर्फ सात में सजा

ANALYSIS

✍ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

पुलिस, न्यायालय, समाज या वे संगठन, जो प्रकरणों के सामने आने पर अथवा सामने लाकर सक्रियता तो दिखाते हैं, लेकिन एफआईआर दर्ज होने के बाद फिर अधिकतर मामलों में नहीं देखते कि उक्त केस में आखिर क्या हो रहा है। मध्य प्रदेश में पिछले पंद्रह दिनों में ही लव जिहाद के चार नए मामले सामने आ गए। इनमें से कुछ में पीड़िता सामने आती है, बयान देती है, पुलिस कार्रवाई होती है और फिर अचानक मुकदमा अदालत में जाकर ढह जाता है। कई बार पीड़िताएं बयान बदल देती हैं। कई बार परिजन पलट जाते हैं। कई बार पुलिस की जांच इतनी कमजोर होती है कि अभियुक्त आसानी से छूट जाता है और फिर सवाल उठता है- क्या हम केवल लव जिहाद की राजनीति कर रहे हैं या वास्तव में अपराध रोकना चाहते हैं। इंदौर के इरफान अली कुख्यात अपराधी पर रेप, ब्लैकमेलिंग और धर्म परिवर्तन के दबाव जैसे गंभीर आरोप हैं, उसके खिलाफ कई पुराने मामले भी हैं। दूसरी ओर इसी इंदौर में जिम ट्रेनर शादाब के मामले में, जिन संगठनों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले किया था, वही मामला पीड़िता द्वारा एफआईआर से इनकार कर देने पर खत्म हो गया। यहां केवल संगठनों की नहीं, देखा जाए तो पूरे समाज की जिम्मेदारी बनती है कि यदि किसी अपराध की आशंका है तो सिर्फ आवाज ही नहीं उठाएं।

मध्य प्रदेश में लगातार सामने आ रहे लव जिहाद के मामलों की सच्चाई न्यायालय की चौखट पर पहुंचते-पहुंचते बदल जाती है। सार्वजनिक विमर्श में जितना शोर, तनाव, आंदोलन और आरोप-प्रत्यारोप दिखाई पड़ता है, न्यायालय में इनकी चमक वैसी नहीं रह जाती। हाल के पांच वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि राज्य में दर्ज किए गए 283 मामलों में से केवल सात प्रकरणों में ही सजा हो सकी है, जबकि लगभग 50 मामलों में आरोपी बरी हो चुके हैं। यह स्थिति स्वाभाविक ही सवाल उठाती है कि क्या कानून बनाने भर से समस्या का समाधान हो जाता है या फिर हमारी सामाजिक-प्रशासनिक व्यवस्था कहीं न कहीं गंभीर रूप से चूक रही है और यदि ऐसा है, तो इस चूक की जिम्मेदारी कौन लेगा। पुलिस, न्यायालय, समाज या वे संगठन, जो प्रकरणों के सामने आने पर अथवा सामने लाकर सक्रियता तो दिखाते हैं, लेकिन एफआईआर दर्ज होने के बाद फिर अधिकतर मामलों में नहीं देखते कि उक्त केस में आखिर क्या हो रहा है। मध्य प्रदेश में पिछले पंद्रह दिनों में ही लव जिहाद के चार नए मामले सामने आ गए। इनमें से कुछ में पीड़िता सामने आती है, बयान देती है, पुलिस कार्रवाई होती है और फिर अचानक मुकदमा अदालत में जाकर ढह जाता है। कई बार पीड़िताएं बयान बदल देती हैं। कई बार परिजन पलट जाते हैं। कई बार पुलिस की जांच इतनी कमजोर होती है कि अभियुक्त आसानी से छूट जाता है और फिर सवाल उठता है- क्या हम केवल लव जिहाद की राजनीति कर रहे हैं या वास्तव में अपराध रोकना चाहते हैं। इंदौर के इरफान अली कुख्यात अपराधी पर रेप,

ब्लैकमेलिंग और धर्म परिवर्तन के दबाव जैसे गंभीर आरोप हैं, उसके खिलाफ कई पुराने मामले भी हैं। दूसरी ओर इसी इंदौर में जिम ट्रेनर शादाब के मामले में, जिन संगठनों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले किया था, वही मामला पीड़िता द्वारा एफआईआर से इनकार कर देने पर खत्म हो गया। यहां केवल संगठनों की नहीं, देखा जाए तो पूरे समाज की जिम्मेदारी बनती है कि यदि किसी अपराध की आशंका है तो सिर्फ आवाज ही नहीं उठाएं, कानूनी प्रक्रिया में लेकर अपराधी को सजा भी दिलवाएं। पीड़िता का संरक्षण, कानूनी सलाह और मुकदमे की प्रगति पर नजर रखना सिर्फ पुलिस और अदालत की जिम्मेदारी नहीं हो सकती है, यह सामाजिक संगठनों और समुदाय की भी जिम्मेदारी है, जिसमें कि लगता है कि हिंदू समाज गंभीर नहीं। अब आप जरा इस प्रकरण पर भी गौर करिए। भोपाल में मॉडल खुशबू अहिरवार की संदिग्ध मौत ने एक और बहस छेड़ दी है, खुशबू की माता ने हत्या और लव जिहाद का आरोप लगाया है, जबकि आरोपी कासिम अपने को निर्दोष बता रहा है। यह एक आंकड़ा है, जिस पर भी को गंभीरता से सोचना चाहिए। 2020 से 2025 तक दर्ज 283 मामलों में से 197 मामले अभी कोर्ट में लंबित हैं। 86 मामलों में फैसला आया, लेकिन उनमें से 50 मामले बरी हो गए। क्यों इसका निष्कर्ष यह सामने आया है कि सबसे बड़ी वजह गवाहों का मुकर जाना है। पीड़िता या परिजन कोर्ट में आकर बयान बदल देते हैं। जब गवाह ही मुकर जाए तो न्यायालय क्या करेगा, यहां यह सवाल महत्वपूर्ण है कि गवाह पलटते क्यों हैं, क्या सामाजिक दबाव क्या डर क्या बदनामी की आशंका क्या आर्थिक प्रलोभन इसी में आती है पुलिस की कमजोर जांच। डिजिटल साक्ष्य, कॉल रिकॉर्ड, चैट हिस्ट्री, बैंक ट्रांजैक्शन, सीसीटीवी फुटेज। अगर ये इकट्ठे न किए जाएं, तो अदालत में केस टिक ही नहीं सकता। कई बार पुलिस केवल एफआईआर दर्ज कर जांच को औपचारिकता मानकर चालन प्रस्तुत कर देती है, जबकि अदालत में अपराध साबित करने के लिए सशक्त और तकनीकी साक्ष्यों की आवश्यकता होती है। प्रश्न यह भी उठता है कि क्या ऐसे संवेदनशील मामलों को संभालने के लिए पुलिस को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है या सिर्फ कानून बना देने से सरकार अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेती है तीसरी महत्वपूर्ण वजह संगठनों का रवैया। तमाम हिंदू संगठन इन मामलों में भारी आवाज उठाते हैं, सड़क पर उतर आते हैं, दबाव बनाते हैं, परंतु जब न्यायालय में मामले की सुनवाई होती है, तो अधिकांश मामलों में पीड़िता अकेली पड़ जाती है। क्या संगठनों की जिम्मेदारी केवल लव जिहाद का नारा लगाने तक सिमट गई है। क्या उनके पास ऐसे वकील नहीं, जो पीड़िता को कानूनी मदद दें, उसका मनोबल बढ़ाएं, अदालत में उसके बयान को सुरक्षित कराएं बिना कानूनी मदद के अकेले भयभीत होकर एक सामान्य लड़की से यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि वह अदालत में साहसपूर्वक अपनी बात रख सकेगी आज इसे सभी को ध्यान रखना चाहिए कि धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 2021 का उद्देश्य स्पष्ट है धोखे, दबाव या छल से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोकना। पर अगर कानून का क्रियान्वयन ही मजबूत न हो, तो कानून केवल राजनीतिक मुद्दा बनकर रह जाएगा। वैसे ये हम सभी जानते हैं कि संविधान दो बालिगों को सहमति से जीवन जीने का अधिकार देता है। यदि कोई रिश्ता सहमति पर आधारित है, तो कानून उसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता परंतु यदि पहचान छिपाकर, धार्मिक भावनाओं का दुरुपयोग करके या मानसिक-शारीरिक दबाव डालकर किसी युवती का शोषण किया जाता है तो उसे रोकना भी राज्य का दायित्व है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब दोनों स्थितियों में फर्क पहचानने की क्षमता और ईमानदारी प्रशासनिक तंत्र में कमजोर पड़ जाती है। आज जब 90 प्रतिशत मामले अदालत में टिक नहीं पाते, तो समाज के भीतर यह संदेश जाता है कि कानून के बावजूद अपराधी बच जाते हैं। इससे पीड़िताओं का भरोसा भी टूटता है और कानून का डर भी कम होता है। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए घातक है। ऐसी परिस्थितियों में प्रश्न उठना स्वभाविक है, क्या हम केवल शोर करने के लिए खड़े हैं या न्याय सुनिश्चित करने के लिए राजनीति, समाज, पुलिस और न्यायालयक्षचारों की यह सामूहिक जिम्मेदारी है कि कोई पीड़िता अकेली न छोड़ी जाए। गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित हो, पुलिस वैज्ञानिक और पेशेवर जांच करे, और सामाजिक संगठन मामले के अंतिम निर्णय तक पीड़िता का साथ दें। वरना, चाहे कितने भी कठोर कानून बना लिए जाएं, चाहे उन्हें 'धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम' का नाम दे दिया जाए, वे बेअसर ही साबित होंगे। कुल मिलाकर यहां कहना यही है कि यदि हमें सचमुच इस समस्या का समाधान चाहिए, तो आरोप-प्रचार की राजनीति से आगे बढ़कर कानून और न्याय की गंभीरता को समझना होगा। अपराध को अपराध की तरह देखना होगा।

जलवायु संकट बढ़ाते विकसित देश

ब्राजील के बेलम में आयोजित कॉप 30 सम्मेलन ने जलवायु परिवर्तन पर विकसित देशों की गहरी असंवेदनशीलता को ही उजागर किया है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए वैश्विक प्रयासों को करीब तीन दशक हो चले हैं। इस कड़ी में संयुक्त राष्ट्र की पहल पर आयोजित होने वाले काप सम्मेलन अपनी भूमिका पर खरे नहीं उतर पा रहे। ये वार्षिक सम्मेलन विरोधाभासों का मंच बनकर रह गए हैं। ऐतिहासिक रूप से दुनिया के सबसे बड़े प्रदूषक रहे विकसित देश स्थितियों को सुधारने के लिए शेष विश्व से अपेक्षाएं तो बहुत कर रहे हैं, लेकिन उन अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की तत्परता नहीं दिखा रहे। विकासशील देशों का कहना है कि उन्हें वार्षिक 1.3 ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर की आवश्यकता है, जबकि विकसित देशों ने 2035 तक केवल 300 अरब डालर का ही वादा किया है। इसमें भी अधिकांश राशि ऋण के रूप में दी जाएगी। स्वाभाविक है कि इससे गतिरोध की स्थिति और गहराएगी। बेलम सम्मेलन ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र प्रणाली उन प्रक्रियाओं और सहमति नियमों के बोझ तले दब रही है, जो कुछ देशों को मनमानी की गुंजाइश देती है। यूरोपीय संघ को ही देखें तो उसने जलवायु परिवर्तन से जुड़े वादों और उनकी पूर्ति में भारी अंतर पर विमर्श के बजाय अपने कार्बन सीमा समायोजन तंत्र यानी सीबैम को वाजिब ठहराने पर ही अधिक जोर दिया। सीबैम विकासशील देशों के लिए ग्रीन टैरिफ की तरह है, जो मुख्य रूप से यूरोपीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए तैयार किया गया है। सभी प्रमुख निर्यातकों ने चेतावनी दी है कि एकतरफा उपाय पूरी प्रणाली को नुकसान पहुंचाएंगे। इसके बावजूद यूरोपीय संघ संरक्षणवाद को प्राथमिकता देने में लगा है। अमेरिका की टैरिफ नीति पहले ही वैश्विक विश्वास पर आघात कर रही हैं। जलवायु कूटनीति अब व्यापार एवं भू-राजनीति के साथ टकरा रही है। विकसित देशों के दोहरे रवैये और भू-राजनीतिक अस्थिरता के वर्तमान परिदृश्य में भारत गंभीर, न्यायसंगत और सिद्धांत आधारित राह दिखा रहा है। इस कड़ी में पहला बिंदु है समानता और जलवायु न्याय पर जोर देना। भारत ने दुनिया को स्मरण कराया कि पेरिस समझौते के स्वरूप को एकाएक नहीं बदला जा सकता। भारत ने दोहराया कि विकसित और विकासशील देशों में विकास के स्तर पर जमीन-आसमान का अंतर है और इस लिहाज से साझा उत्तरदायित्व के प्रयास को कमजोर करना भरोसे को कुंद करने का काम करेगा। इस दिशा में मांग एकदम सरल है कि जो देश पहले से और भारी मात्रा प्रदूषण करते हैं, उन्हें उत्सर्जन में कटौती के साथ ही विकासशील देशों का अपेक्षित समर्थन भी करना चाहिए। भारत ने जोर दिया है कि विकसित देशों को 2050 से बहुत पहले ही नेट जीरो यानी शून्य उत्सर्जन के स्तर तक पहुंच जाना चाहिए, ताकि विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए उचित आधार तैयार हो सके। इसके अभाव में वैश्विक जलवायु ढांचा असमानता बढ़ाने का एक माध्यम ही बनकर रह जाता है। भारत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उपलब्ध कराए जा रहे वित्तीय संसाधन खैरात न होकर अनुच्छेद 9.1 के तहत एक कानूनी दायित्व है। उसने जलवायु वित्त की एक सार्वभौमिक रूप से सहमति प्राप्त परिभाषा, अनुकूलन वित्त में 15 गुना वृद्धि और पूवानुमानित रियायती संसाधन प्रवाह की मांग की है। इसमें अरबों नहीं खरबों डालर चाहिए होंगे। इस क्रम में भारत ने निजी वित्त या ऋण एवं भारी पैकेजों पर निर्भर रहने की भ्रांति को भी उजागर किया है। ऐसे उपाय ऋण संकट को ही बढ़ाते हैं। इसलिए वास्तविक अनुदान को वरीयता दी जानी चाहिए। दुनिया विकासशील देशों से केवल यही उम्मीद नहीं कर सकती कि वे अपनी ऊर्जा प्रणालियों को बदलें और कृषि को लचीला बनाएं। इस सबके फेर में हो यह रहा है कि विकासशील देश महंगे कर्जों का ऊंचा ब्याज चुकाने में लगे हैं। भारत का दृष्टिकोण है कि प्रौद्योगिकी उपलब्धता एक अधिकार होना चाहिए न कि सौदेबाजी का जरिया। जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए जिन प्रौद्योगिकी की आवश्यकता है, वे बौद्धिक संपदा अधिकारों की आड़ में विकासशील देशों के लिए पहुंच से बाहर हो जाती हैं। इसलिए बौद्धिक संपदा और बाजार बाधाओं को दूर किया जाए। यह तो वही स्थिति हुई कि समाधान पहले से मौजूद है, लेकिन उसकी उपलब्धता में अवरोध से समस्या को ही बढ़ाया जा रहा है। यह किसी लापरवाही से कम नहीं। भारत ने सीबैम जैसे एकतरफा जलवायु टैरिफों की ओर भी ध्यान आकर्षित कराया कि ये न केवल अनुच्छेद 3.5 का उल्लंघन करते हैं, बल्कि जलवायु नीति को संरक्षणवाद के हाथों का खिलौना भी बना देते हैं। भारत ने स्पष्ट रूप से चेताया कि ऐसे उपायों से बहुपक्षीयता की भावना को चोट पहुंचती है। इनके जरिए उन देशों को निशाना बनाया जाता है, जिन्हें सतत विकास के लिए नीतिगत उपायों की आवश्यकता होती है। जलवायु परिवर्तन की विकराल होती समस्या के समाधान में भारत की कथनी एवं करनी में भी भेद नहीं है। उसकी उपलब्धियां उसके प्रति भरोसे का निर्माण करती हैं। आंकड़े दशार्ते हैं कि 2005 के बाद से भारत ने उत्सर्जन की तीव्रता को 36 प्रतिशत से अधिक कम किया है और गैर-जीवाश्म क्षमता के लिए निर्धारित 2030 के लक्ष्य को पांच साल पहले ही हासिल कर लिया। भारत ने 256 गीगावाट से अधिक की स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन क्षमता विकसित है। हाइड्रोजन, परमाणु ऊर्जा और जैव ईंधन में गहरी छाप छोड़ने वाले मिशन शुरू किए हैं। सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से दो अरब से अधिक पेड़ लगाए हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत है। वे एक प्रतिष्ठित फि ल्मी हस्ती, एक अद्भुत अभिनेता थे जिन्होंने अपनी हर भूमिका में आकर्षण और गहराई भर दी। जिस तरह से उन्होंने विविध भूमिकाएँ निभाईं, उसने अनगिनत लोगों के दिलों को छुआ। धर्मेंद्र जी अपनी सादगी, विनम्रता और गर्मजोशी के लिए भी समान रूप से प्रशंसित थे। इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, मित्रों और असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं। ॐ शांति।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

अपने बेहतरीन अभिनय से 6 दशकों तक हर देशवासी के दिल को छूने वाले धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। एक सामान्य परिवार से आकर उन्होंने फिल्म जगत में अपनी अमिट पहचान बनाई। धर्मेंद्र जी उन चुनिंदा अभिनेताओं में से एक रहे, जिन्होंने जिस किरदार को छुआ, वह जीवंत बन उठा और अपनी इसी कला के माध्यम से उन्होंने हर आयु-वर्ग के करोड़ों दर्शकों का दिल जीता।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

राज्य के सरकारी विद्यालयों में परीक्षा व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। बेहद शर्मनाक है कि शैक्षणिक सत्र शुरू हुए आठ महीने हो चुके हैं, लेकिन अब तक एक भी कक्षा की परीक्षा नहीं हो पाई है। सवाल यह है कि यदि परीक्षाएं नहीं हुई तो बच्चे अगले कक्षा में प्रोन्नत कैसे होंगे। बिना परीक्षा के बच्चों का मूल्यांकन कैसे होगा। जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षा आयोजित करने में तो सरकार फिसड्डी है ही, लेकिन स्कूलों में परीक्षा न करा पाना सरकार की सबसे बड़ी नाकामी है, जिसका खामियाजा 45 लाख बच्चों को भुगतना पड़ेगा।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

पाकिस्तान में सेना प्रमुख की ताकत सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा

दरकता पाकिस्तान कई नागरिक समस्याओं जैसे महंगाई, बेरोजगारी, दैनिक जीवन के उपयोग की वस्तुओं को जुटाने की जद्दोजहद से जूझ रहा है। बलोचिस्तान, खैबर पख्तूनवा जैसे प्रांत सुलग रहे हैं। हुक्मरान इनको दबाने के लिए सीमाओं पर आग लगा रहे हैं। इस समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का झुकाव भी पाकिस्तान की ओर लग रहा है। इन सबके बीच जिस तरह पाकिस्तान की सेना प्रमुख की शक्तियों को संविधान संशोधन के माध्यम से बढ़ाया गया है, वह भविष्य के लिए खतरनाक संकेत दे रहा, क्योंकि सेना प्रमुख मुनीर लगातार आतंकवाद को संरक्षण व पूरा सहयोग कर रहा है। पाकिस्तान में सेना प्रमुख को मिली शक्तियों के अनुसार अब जब कभी पाकिस्तान का भारत या अफगानिस्तान के साथ युद्ध होगा तब सेना प्रमुख मुनीर ही परमाणु हमला करने का फैसला करेगा। मुनीर को परमाणु हमला करने की यह शक्ति उस समय मिली है जब कुछ दिनो पूर्व ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने बयान दिया है कि पाकिस्तान चोरी छिपे तथा रूस, चीन और कोरिया लगातार परमाणु परीक्षण कर कर रहे हैं, इसलिए हम भी करेंगे। पाकिस्तान की संसद ने सेना प्रमुख आसिफ मुनीर की शक्तियों को बढ़ाने और सुप्रीम कोर्ट की ताकत को कम करने वाले 27वें संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी है। नए कानून के अनुसार मुनीर को चीफ आफ डिफेंस फोर्सेज बनाया जा रहा है। यह 27 नवंबर 2025 से लागू हो जाएगा। पद मिलते ही उन्हें परमाणु हथियारों की कमांड मिल जाएगी। अपना कार्यकाल पूरा हो जाने के बाद भी वह अपने पद पर बने रहेंगे और उन्हें आजीवन कानूनी छूट मिलती रहेगी अर्थात नए कानून के अनुसार अब आसिफ मुनीर को आजीवन कोई नहीं हटा सकेगा। अब पाकिस्तान की संसद ने अदालतों पर भी अपना नियंत्रण कर लिया है जिसके अंतर्गत अब सरकार तय करेगी कि कौन से जज कौन सा केस सुनेंगे। अब जजों का ट्रांसफर राष्ट्रपति करेंगे। पहले यह अधिकार सुप्रीम कोर्ट के पास था। अब अगर वहां की अदालत में कोई केस एक साल तक नहीं चला तो वह केस बंद कर दिया जाएगा। नए संविधान संशोधन के बाद अब सुप्रीम कोर्ट की ताकत घट जाएगी और राष्ट्रपति नाम मात्र का सुप्रीम कमांडर रह जाएगा। पाकिस्तान के संविधान विशेषज्ञों का मानना है कि अब देश की सेना और ताकतवर हो जाएगी। पाकिस्तान में अब तानाशाही का एक नया दौर देखने को मिल सकता है, जो दक्षिण एशिया की शांति के लिए एक बड़ा खतरा बन सकता है। पाकिस्तान के विरोधी दल जहां इसे लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा बता रहे हैं। वहीं प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ इसे राष्ट्रीय एकता के लिए उठाया गया कदम बता रहे हैं। पाकिस्तान में आलोचकों का कहना है कि यह बदलाव देश को सैन्य शासन की ओर ले जा रहा है। पाकिस्तान का इतिहास रहा है कि वहां के आर्मी चीफ रिटायर हो जाने के बाद विदेश चले जाते थे, लेकिन अब मुनीर न तो रिटायर होंगे और न ही विदेश जाएंगे। लेकिन, क्या वहां के अन्य आर्मी कमांडरो को यह बात मंजूर होगी। पाकिस्तान के इतिहास में यह परंपरा रही है कमांडर रिटायरमेंट के बाद यूरोप, सऊदी अरब या अमीरात में आराम का जीवन व्यतीत करने के लिए चले जाते हैं। जनरल अशफाक परवेज कियानी से लेकर जावेद बाजवा तक ने अपने ठिकाने विदेश में बनाए और पूर्वसेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ का हाल तो पता ही है क्या हुआ। किंतु अब आसिफ मुनीर संविधान संशोधन की आड़ लेकर अपने पद पर अजर अमर हो रहे हैं। भारत भी ऑपरेशन सिंदूर के समय तय कर चुका है कि अब अगर भारत पर आतंकवादी हमला हुआ तो वह एक्ट आफ वॉर ही माना जाएगा। 10 नवंबर 2025 को दिल्ली के लाल किले के पास बम धमाका हो चुका है, जिसकी गहन जांच चल रही है और धमाके के लिंक जैश-ए-मोहम्मद से ही जुड़ते नजर आ रहे हैं। मुनीर भारत से पंगा लेने के लिए बेचैन लग रहा है।

सत्ता हथियाना

बीते 13 नवंबर को पारित पाकिस्तान के संविधान का 27वां संशोधन एक लंबे समय से खुला रहस्य रहे इस तथ्य को औपचारिक रूप देता है कि सैन्य प्रतिष्ठान लोकतंत्र के मुखौटे के पीछे से काम करता है। सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर लगातार अपनी शक्ति मजबूत कर रहे हैं और शहबाज शरीफ की गठबंधन सरकार उनके आशीर्वाद से चल रही है। मई में भारत के साथ एक संक्षिप्त संघर्ष के बाद, सरकार ने जनरल मुनीर को फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया- अयूब खान के बाद दूसरे पांच सितारा जनरल। यह संशोधन और आगे बढ़कर, सैन्य कमान और न्यायपालिका का पुनर्गठन करता है। यह पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 243 को फिर से लिखता है, जिसमें एक पद रक्षा बलों का प्रमुख सृजित किया गया है, जो सेना, नौसेना और वायु सेना पर अधिकार का प्रयोग करेगा। सेना प्रमुख रक्षा बलों के प्रमुख के रूप में भी काम करेगा। सबसे खास बात यह है कि यह संशोधन पांच सितारा रैंक पर पदोन्नत किसी भी अधिकारी वर्तमान में जनरल मुनीर और राष्ट्रपति को भी आपराधिक कार्यवाही से आजीवन छूट प्रदान करता है। पांच सितारा अधिकारी आजीवन वर्दी में रहेंगे और उन्हें केवल अनुच्छेद 47 के तहत महाभियोग जैसी प्रक्रिया के जरिए ही हटाया जा सकेगा। दरअसल, जनरल मुनीर सत्ता प्रतिष्ठान में नया केंद्रीकृत सत्ता केंद्र होंगे। यह संशोधन सुप्रीम कोर्ट से संविधान की व्याख्या करने का अधिकार भी छीन लेता है और एक नए संवैधानिक न्यायालय की स्थापना करता है जिसके न्यायाधीशों की नियुक्ति सरकार द्वारा की जाएगी। कई वरिष्ठ न्यायाधीशों ने विरोध में इस्तीफा दे दिया है। लोकतंत्र पाकिस्तान का मजबूत पक्ष कभी नहीं रहा। फिर भी नागरिक समाज और राजनीतिक वर्ग के कुछ हिस्सों ने महत्वपूर्ण क्षणों में शक्तिशाली जनरलों का विरोध किया है और सीमित लोकतांत्रिक स्थान को पुनः प्राप्त किया है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Many moons ago, and occupation forces now

These last few years have been disillusioning for people of my vintage, brought up to regard the moon — that "silver deity of secret night", as the poetess Lady Mary Montagu put it — as an object of mystery and romance cloaked in an impenetrable celestial halo. It has been the staple of Hindi films of my era: remember Mukesh's 'Ae meri jaan chand sa gora mukhra...', or that haunting duet of Raaj Kumar and Meena Kumari, 'Chalo dildar chalo, chand ke paar chalo'?Ours was also the moon that belonged to everyone, the Hindu wives at Karva Chauth and the Muslim brothers and sisters at Eid. No more, unfortunately, as more and more countries target it for profit, stripping it of all its mystery and wonder. It has now been appropriated by scientists, engineers, salivating capitalists, and politicians wishing to burnish their nationalist credentials.I distinctly remember when this planetary disrobing began, 56 years back on a night in 1969. I was then in St Xavier's College hostel on Park Street, Calcutta. A few of us had gathered in the house of a friend, Karan Deva, on Camac Street, to listen to the live commentary of the first manned mission to the moon, and to Neil Armstrong's historic words — "A small step for man..." — which would have got him into a lot of trouble in today's woke world for being sexist and disregarding the other 16 genders.The journey that began with that small step has more or less culminated, for me at least, with the landing of Chandrayaan and the Vikram Rover on the south pole of the moon on August 24, 2023. Some vestiges of the mystery still remained, however, as I watched the spacecraft hovering over its landing spot, but even that disappeared the moment Mr Modi made his inappropriate appearance on the TV screen.Poets, songsters, lovers and dreamers will now have to go back home and seek some new source of inspiration, for the moon now belongs to the politicians, rabid nationalists and venture capitalists counting their dollars. Its days are numbered. In a few years, it will be carved out among whoever constitutes the G-20 or G-420 then. Its innards shall be mined and extracted to cater to the relentless greed of a species which by then would have fouled its own nest irretrievably and made it unliveable.Those who destroyed our own planet will be the ones who will leave and build their condos on already identified spots like Alphonsus, Lunar Maria, Mare Tranquillitas, and, not to forget, our very own Jawahar Sthal and Shiv Shakti. And that Biblical prophecy — "The meek shall inherit the earth" — will finally come true, for the rich will abandon it and the meek shall have no other choice but to continue to languish here.

The revelations of Chandrayaan so far are a mixed bag. Bangaloreans have much cause to rejoice, for the Rover evidently has had to negotiate its way through myriad craters, something which the residents of this city do twice every day: they will feel at home on the lunar surface. Our tipplers from Kerala and Punjab are also a relieved lot: Chandrayaan has reported that the moon has plenty of ice and water, so our Bacchanalians need to carry only Blender's Pride and Uncle Chipps on their inter-stellar journey. Our faithful wives should also be a happy lot: it appears that the moon's surface has no water of its own, all the water there consists of the millions of litres offered to the moon by devout wives for millennia at the Hindu festival of Karva Chauth. It's good to know that their water has not been wasted, but will now be recycled by their husbands in conjunction with the daughter of grapes.The bad news, of course, is that the admiring Romeos and Lotharios will now have to find some other simile to describe the objects of their affection: the Rover has established that the moon's surface is not, as hitherto thought, as smooth as Meena Kumari's cheeks, but is more like Om Puri's virile, pock-marked kisser. As someone said, however, you win some, you lose some.And talking of winning, here's an idea for Niti Aayog (which appears to have run out of them for quite some time now): the government should hand over ISRO to our leading industrialist and the 23rd richest man on earth (give or take a few ranks). After all, this gentleman already controls all other modes of transport with his airports, sea ports, terminals and highways.

Mirpur refugees, Jammu's Bakshi Nagar, and bus stop drama

A house with a stream of visitors, but there was often a hush. Now I know why those silences came

My mother's family were refugees from Mirpur. This is now in Pakistan-occupied Kashmir. In Jammu, November 25 is still marked as 'Mirpur Balidan Divas'. On that day in 1947, and in the couple of days that followed, in the aftermath of Partition, one of the most heinous massacres took place. It is one that has rarely been talked or written about. India had been Independent for over three months when Mirpur was attacked by what are believed to be contingents of the regular army and by irregulars and mercenaries from Pakistan.This attack was followed by what is believed to be a pogrom in which around 18,000 Hindus and Sikhs were massacred. My mother's family escaped death (or worse), as they were in Jammu at the time. In a separate incident, my grandfather's older brother, Chaudhry Amar Nath, who was the Wazir-e-Wizarat, Governor of Skardu (Baltistan), Gilgit and Ladakh, had already been brutally killed and his wife, who escaped with their young children, wore a metal strap on a leg and a special shoe, as she too had been shot and badly wounded.

Most of the survivors from Mirpur were settled in what was to become Bakshi Nagar in Jammu. That is where my grandparents lived and where my parents, my sister and I spent a couple of months every winter. Over the years, one watched the house grow from a very basic structure to something rather grand.It was a house that had a constant stream of visitors. Something was always coming out of the kitchen. Conversation was often hushed. When we children were around, the elders would often stop talking. Today, I know why those silences came. They did not want us to hear about all those times and their unanswered questions about who could still be alive and who got killed. And yet, it was a house filled with laughter and great love. It was also a place where the easier and funnier sides of life could be observed.A little below the house was a bus stop. A short slope, past a couple of ber trees, led to a trifurcation. One slope went up to the main section of Bakshi Nagar. A mild descent led down to the canal where, often enough, I would join my parents and uncles on their evening walk. That was only if the family dog, who went by the eponymous name of Doggie, chose that direction. That dog was a canine of many moods and of considerable character. At some point, he had moved into the house from an indeterminate place and with an equally indeterminate ancestry.He would choose where we would go. Doggie ji, as he was respectfully known, in deference to his firmness and determination, would grab the lead walker's legs and cling on till his chosen route for the evening was approved. The trifurcation of the roads was where this world-changing decision would be made.That trifurcation also had the bus stop. For reasons best known only to him, Doggie ji did not like the old three-wheel tempos. These stopped there to pick and drop passengers. There, at the bottom of the 'dhukki', as an incline was locally called, dramas would periodically unfold.Some were verbal arguments that could occasionally turn into an exchange of fisticuffs and some were pure entertainment. Of the former, many stemmed from the tempos trying to catch as many 'fish', as passengers were called, and stuff them into their tempo-nets. Rattling away and spewing smoke, off they would race to disgorge one lot of cramped passengers that emerged in assorted yogic postures to harvest the next catch.

The way excessive fishing has reduced marine life in certain seas, similarly, arguments stemmed from moments when one tempo had trawled the road and left no 'fish' for the next one. And when a bus came by, it was like the local industrial scale trawler that would dredge the area with a catch that could have been collected by several tempos. That was when all the tempo drivers would suddenly become convivial and polite to each other. They would line up neatly and wait for passengers. The big shark had swept away all fish and now that common enemy had made friends of all the rival littler fishing tempos.As entertainment was limited, as a child, one hung around that bus stop — and occasionally took a bus to Raghunath Bazaar. Two incidents remain parked in memory. The first was of a lady who berated the driver as he refused to wait till 'Beeji finished her bath'. The second was the moment when another lady was short of money for the fare, and couldn't understand why the conductor couldn't put the rest from his own pocket. (For the readers who speak Dogri or Punjabi, please translate these lines to get the real effect of the conversations!)

States stuck with Governor delays as SC reaffirms separation of powers

The Bench held it impermissible for courts to adjudicate on a bill's contents in any manner before it becomes law

The Supreme Court's advisory opinion on the 16th Presidential Reference refrained from charting a definitive path for states grappling with legislative paralysis caused by gubernatorial delay. The five-judge Constitution Bench affirmed that courts cannot usurp the functions of the President or governors by allowing 'deemed assent' to bills passed by the legislature if any court-mandated deadline lapses. Such judicial overreach would not only contravene the spirit of the Constitution but also the hallowed doctrine of separation of powers, the top court held. It answered the President's reference to the court in May, which was prompted by a two-judge Bench's ruling on the Tamil Nadu governor's delay in giving assent to bills.Under Article 200 of the Constitution, a governor has three options: to accord assent to a bill, to reserve it for presidential consideration, or to return the bill to the legislature with comments, provided it is not a money bill. The Constitution Bench agreed with the smaller Bench's opinion delivered this April that withholding assent strikes at the root of federalism and constitutes a diminution of the legislative authority vested in elected assemblies. Equally, it held it impermissible for courts to adjudicate on a bill's contents in any manner before it becomes law.The question would not have come before the top court had governors of several states, not just Tamil Nadu, not indulged in protracted procrastination, with some bills hanging fire for years. The advisory opinion addressed the 14 constitutional questions the President asked of the top court, not the Tamil Nadu verdict that triggered the reference. So the opinion's words forbidding "prolonged and evasive inaction" do not amount to clarity on the recourse Tamil Nadu or other states have if they face the same predicament again.Parties like the DMK intend to make political fodder out of the opinion. Tamil Nadu Chief Minister M K Stalin, reaffirming his commitment to federal principles and state autonomy, has vowed to continue the fight until the Constitution is amended to enshrine a binding timeline for governors. That was, in effect, the suggestion of the Supreme Court when it reaffirmed the line between judicial and legislative powers. If politicians are truly convinced of the need for deadlines, they have to practise their principal art—persuasion, on each other in parliament, or on voters at the next hustings.

Touchstones: Keeping the house running

If women decided public policy and conflict resolution, the world would be more just and peaceful

With Delhi and NCR's air declared the filthiest in the country, we decided to run away to Uttarakhand along with a band of friends. This time, we planned to explore a little-known hill station called Lansdowne, which is also the headquarters of the Garhwal Rifles. As a proud Kumaoni, I was prepared to pooh-pooh the Garhwali part of Uttarakhand (an old feud between these two territories), but what we saw blew my prejudices away.The resort we stayed in offered the most spectacular vista of the Garhwal Himalayas, called the Kedarnath range that straddles the horizon like a fortress of snow. From the first ray of the sun that tinges these awesome peaks pink to the colourful sunset that paints the entire sky orange, we were treated to sights that nourish the soul. This stunning range stands behind the Kedarnath temple and is part of the Gangotri group of peaks.It is the western range of the Panchachuli range that is visible in Kumaon and the peaks that we proudly point out there — Trishul, Nanda Ghunti, Nanda Kot and Nanda Devi — look so remote and tiny beside this vista of Chaukhamba, Kedarnath, Badrinath and Gangotri. As for the sky, I know now what cerulean blue means. The area is also one of the few blue pine forests left in the country and the densely forested ranges around us were a feast of blue and green. Pretty terraced fields add to the picture-perfect villages that dot the area. Thanks now to solar power, the isolated houses there glow like fireflies in the stygian darkness that envelops our mountains after sunset.Thankfully, the Army has kept the area inviolate so far but already there are momo-sellers and Maggi points all along the way to this hard-to-find hill station. I dread the onslaught of the intrepid Indian tourist who will surely come to pollute the mountains and leave empty packets of chips, plastic bottles and play loud music. Just as I was forced to confront the old Kumaon-Garhwal snobbery, I have to confess that the Indian Army runs its cantonment areas far better than our civilian governments.Within the Army headquarters area, there was not a trace of litter. Their spit and polish of the old colonial bungalows have kept them exactly as they were when first built 102 years ago. The furniture (Burma teak, no less), the parade ground and the mess (with a billiards room) have to be lauded. I was reminded of the equally beautiful properties that our civilian officers were bequeathed and rue what they have been reduced to.The Parade Ground was full of Agniveer recruits being made to practise for their passing-out parade at the end of the month. For many of these fresh-faced youths, this was their first encounter with the rigour and discipline of a structured routine. Many may be absorbed by the Army and paramilitary organisations, others by security agencies, while some will get seed capital to start a venture. No wonder we saw young village boys running up and down the hills to prepare for a life in the 'paltan', always a popular outlet for hill people.Several countries make army service compulsory for all pre-college girls and boys so that they get a taste of the hard life they must face after they pass school. There are many who have issues with this form of indoctrination, yet given the alternate drifting life when many take to drugs, alcohol and crime in the absence of a purpose in life, I have altered my views on this scheme.Now for a takeaway from the Bihar elections that most commentators have pronounced as a victory gifted by the women of Bihar to Nitish Kumar and the NDA. The most important fallout of this for me is that women voters will henceforth be taken very seriously by all our political parties and more space will have to be made for them in government budgets, jobs and political representation. As a woman, I rejoice at the recognition (however grudgingly made) of the power that women hold in dislodging the patriarchal system that has used its brute and brutish power to keep them invisible within homes and behind veils. Not just in Bihar and India, if the world were to move in the direction of giving women a chance to decide public policy and conflict resolution, you can take it from me the world would be a more just, equitable and peaceful place.Giving women a role in forest management, ecological matters and care for the aged and infirm would tap into wisdom that Nature has blessed women with. Men are completely deficient in emotional intelligence (I often say this is a manufacturing defect), so keeping the house running smoothly with everyone cared for is always considered a woman's job. What else is running a country but a scaled-up version of running a home and family? Above all, women are less prone to corruption, though there are exceptions we cannot forget.

So hurrah for the women of Bihar, and for Nitish Kumar who has spent many decades pulling up the women of his state from the miserable plight they were doomed to live under the patriarchal system that never recognised their worth. One day, when I am long gone, my granddaughters will inherit a world that they will thank us for fighting for their liberation.

New Labour Codes: Impact on Salary, PF, Gratuity & Working hours and week offs

The new Indian Labour Codes, effective November 21, 2025, will significantly alter your salary structure, making basic pay at least 50% of CTC. This impacts PF and gratuity, offering more retirement benefits. Working hours may shift, with a potential 4-day work week and higher overtime. Road accident compensation is expanded. Understand these changes to prepare for your new payslip.

New Delhi,.(Agency)

With effect from 21 November 2025, four new Labour Codes of India have been implemented across the country. Now your next salary slip will look different and the office time table may also change. The question is — will you get to see the new payslip and the new roster? It is important to know what went well for you, what can be a bit difficult and what you should do now. These new rules will affect your basic salary, PF, gratuity, working hours and even accidents on the road.The four Labour Codes include the Code on Wages, 2019, the Industrial Relations Code, 2020, the Code on Social Security, 2020 and the Occupational Safety, Health and Working Conditions Code, 2020.

Labour Codes: Salary structure

The basic salary will be at least 50 percent. Now it will be half of your total salary (CTC). This will include (basic + DA + retaining allowance). Previously, companies used to keep more allowances. Now, this will not happen. Your benefit from this — PF will be deducted more then more money will be received in retirement. Gratuity will also be higher. If the company does not increase the total salary, then there will be a little less money in the form of in-hand salary.In IT, manufacturing, media and logistics, most people are on contract. Previously, gratuity was received only after completing 5 years. Now it will be available in just 1 year. This is a huge advantage.

Minimum wage applicable

Now, the law of minimum wage will be implemented not only in some industries, but everywhere. The central government will fix a floor salary. No company/state will be able to pay less salary than that. Those working in retail, construction and small factories will benefit a lot from it.

Labour Codes: Working hours

If the state government wishes, it can introduce the rule of 4 days of work and 3 days week offs. That is, it can be 4 days × 12 hours. Or even 5 days × 9.5 hours. Or 6 days × 8 hours. The law has opened the way. Now it is up to the state and the company. You must have the desire to work overtime. The money will only be doubled. Previously, there was a strict limit of 75 hours per quarter. Now companies can set more limits, which is good for those who want to earn extra.

These two things that few people are noticing, but your pocket and safety will affect it. If an accident happens on the way to work, it will be considered a work accident. Now, with certain conditions, you can get the benefit of compensation and ESI (Employees' State Insurance) even if an accident occurs on the road. Previously, only a few areas had ESI. Now it can be implemented in the whole of India. Coverage will also be available in small units and places of risky work.

HAL share price falls 4% after Tejas fighter jet crash at Dubai Airshow

New Delhi,.(Agency)

Hindustan Aeronautics Limited (HAL) shares fell nearly 4% on Monday after an Indian Air Force Tejas fighter jet crashed during a flight at the Dubai Airshow, killing the pilot.The HAL stock slipped to around Rs 4,430, down roughly 3.6% at 10:44 am, as investors reacted to the news. Earlier in the day, the stock had tumbled over 8%.The Light Combat Aircraft (LCA) Tejas was performing a demonstration sortie when it went down near the Dubai World Central airstrip. The pilot, Wing Commander Namansh Syal, did not survive the crash.The Tejas was in Dubai as part of India's broader push to showcase indigenous defence capability and expand export opportunities in West Asia and Southeast Asia.The crash, coming right in the middle of these efforts, has raised concerns about possible reputational setbacks for India's defence export ambitions.Market analysts say the stock reaction is largely sentiment-driven. HAL's domestic order pipeline, which includes large Tejas Mk1A and Mk2 contracts, is unlikely to be immediately affected.The key question now is what the investigation reveals and whether it points to a technical flaw, operational issue or environmental factor.For now, the broader market remains stable, but HAL shares are expected to stay under pressure until the probe offers clarity.If the findings show no systemic problem with the aircraft, analysts say the impact is likely to be temporary. However, any indications of design or system issues could slow export talks already underway.

Sensex, Nifty start week on a positive note as IT stocks lead the charge

New Delhi.(Agency)

Equity markets opened higher on Monday, powered almost entirely by a sharp rebound in IT stocks. The S&P BSE Sensex rose 116 points to 85,348 in early trade, while the NSE Nifty50 climbed 42 points to hover around 26,110.Broader market indices were also in the green, mirroring the positive start. The tone was set by IT heavyweights: Tech Mahindra and Infosys jumped over 2% each, followed closely by gains in HCLTech and Wipro. Eicher Motors also featured among the early winners.On the downside, Eternal, BEL, M&M, TMPV and Power Grid were the prominent laggards in the opening session.Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Financial Services, said the market appears better positioned now than during previous attempts to break past the September 2024 highs. "Back then, the rally lost steam due to FII selling, the US–India trade deal not materialising, and lack of clarity on FY27 earnings," he noted.He added that conditions have shifted. "FY27 is likely to witness above 15% earnings growth. This becomes a strong fundamental support for a rally to new record highs.

Weakness in the AI trade globally may also push FIIs back into India. A US–India trade deal could happen anytime." His advice: stick with large caps and quality midcaps, as small caps remain broadly overvalued.Echoing the optimistic undertone, Anand James, Chief Market Strategist at Geojit, said Friday's profit-booking hasn't dented the broader momentum. "The close was above the monthly breakout point, keeping the door open for another upswing that could put the trend back toward 26,550," he said.However, he flagged one caution: if the index struggles to stay above the 26,028–25,980 band, it may signal fading momentum. A deeper correction is unlikely unless 25,826 breaks decisively, he added.IT stocks may have sparked today's bounce, but the market's next big catalyst will likely be earnings visibility, and clarity on when Washington and New Delhi finally close their long-pending trade deal.

Fearing Labour Party's tax shake-up on super-rich, Steel tycoon Lakshmi Mittal leaves UK for Dubai: Report

LONDON .(Agency)

Indian-origin steel magnate Lakshmi N Mittal, until now based in Britain and a regular on the country's richest billionaires tally, has decided to quit the UK as the Labour Party-led government's feared tax shake-up for the super-rich nears, according to a UK media report on Sunday.

Rajasthan-born Mittal is a resident in Switzerland for tax and will now spend much of his future in Dubai, according to the 'The Sunday Times'.

The founder of ArcelorMittal steelworks is worth an estimated 15.4 billion pounds as per the 2025 'Sunday Times Rich List', which ranked him the UK's eighth richest man.Now, the newspaper references sources close to the 75-year-old industrialist to claim he has become the latest billionaire to leave the UK ahead of a much-anticipated Budget by Chancellor Rachel Reeves on Wednesday.Mittal already has a mansion in Dubai and has now bought up "tracts of an intriguing development on the nearby Naïa Island" in the United Arab Emirates (UAE), the newspaper claims.The news of Mittal's exit comes ahead of expected tax rises on the wealthy as Reeves tries to address a 20 billion pounds hole in the UK's finances.In her first Budget tabled last year after Labour's general election win, there were increases to capital gains tax, a reduction of the tax relief for entrepreneurs selling their ventures and new taxes on the way family companies are passed down to future generations.Rumours of further levies in her second Budget as Chancellor next week, including a possible 20 per cent exit tax on those leaving the UK, have caused much unease among the wealthy."It wasn't the tax on income (or capital gains) that was the issue," one adviser familiar with the Mittals' move is quoted by 'The Sunday Times' as saying."The issue was inheritance tax. Many wealthy people from overseas cannot understand why all of their assets, wherever they are in the world, should be subject to inheritance tax imposed by the UK Treasury.

Excelsoft Technologies IPO allotment out: Did you get shares Check listing details

New Delhi.(Agency)

Allotment of shares for the Excelsoft Technologies IPO will be finalised today after the issue saw very strong demand from investors. The three-day subscription window closed on November 21 with heavy bidding across all categories.

Excelsoft had offered 2,91,66,667 shares, but investors placed bids for 1,32,59,07,625 shares, amounting to Rs 15,910.89 crore. This shows the strong interest the IPO attracted from both institutional and retail investors.Excelsoft IPO was subscribed 45.46 times in total. In the retail category, it was subscribed 16.44 times. The QIB (excluding anchor investors) category saw 50.06 times subscription, while the NII category was subscribed 107.04 times by the end of Day 3.With allotment now underway, applicants who subscribed to the issue can check their status through the BSE website or the registrar, MUFG Intime India Pvt Ltd.HOW TO CHECK ALLOTMENT STATUSApplicants can confirm whether they have received shares using either the BSE portal or the registrar's website.

On the BSE website, users must visit the IPO allotment page, select 'Equity', choose Excelsoft Technologies Limited, enter their application number and PAN, fill in the captcha and click Search.

On the MUFG Intime India website, users should go to the IPO allotment page, select Excelsoft Technologies Limited from the active issues list, choose their preferred identification option such as Application Number, PAN or Demat details, enter the required information and captcha, and then click Submit to view the allotment status.

WHAT KIND OF LISTING CAN YOU EXPECT?

Excelsoft Technologies is set to list on the stock exchanges soon, and investors are watching closely to see how the stock performs on its debut.The last reported grey market premium (GMP) for the IPO is Rs 8, updated at 7:33 am on November 24. With the IPO price band set at Rs 120 per share, the estimated listing price based on the latest GMP works out to around Rs 128.This translates to an expected listing gain of about 6.67%, which indicates a modest premium on the listing day if grey market signals hold up.While GMP is not an official indicator, it often reflects market sentiment before listing. A stable premium suggests investors expect a steady but not overly sharp debut, especially after the strong subscription numbers seen during the bidding period.

TCS suffers legal setback in US with $194 million penalty upheld

New Delhi.(Agency)

TCS has suffered a legal setback in the United States after the Court of Appeals for the Fifth Circuit upheld a penalty of $194 million in its case with Computer Sciences Corporation (CSC), now part of DXC Technology. The ruling is linked to a long-running dispute over the alleged misuse of trade secrets.In a disclosure dated November 21, 2025, TCS said the Appeals Court has upheld the US District Court's decision on damages. However, the court has vacated the earlier injunction that had been issued against the company. The matter has now been sent back to the Northern District of Texas, Dallas Division, which has been asked to review the injunction as per the directions of the Appeals Court.This development comes after an update shared by the company on June 14, 2024. At that time, TCS had told the exchanges that the District Court had ruled against it and held it liable for a total of $194.2 million. This amount included $56,151,583 in compensatory damages, $112,303,166 in exemplary damages, and $25,773,576.60 in prejudgment interest

calculated until June 13, 2024.Following the latest ruling, TCS said it is studying all legal options that are open to it. This includes seeking further review and filing an appeal before the relevant courts. The company said it will "vigorously defend" its position in the matter. It also said that it will make the required accounting provisions in its financial statements in line with the applicable standards.The case began in 2019, when CSC filed a lawsuit claiming that TCS had misused its trade secrets. CSC alleged that TCS gained improper access to its software after several Transamerica employees moved to TCS. These employees had earlier worked with the software under a licence. CSC further said that this access helped TCS build a competing insurance platform after it signed a $2 billion deal with Transamerica.

Tax cuts fire up demand as S&P holds India's FY26 growth at 6.5%

New Delhi.(Agency)

CHENNAI: India's growth prospects for financial year 2026 (FY26) received a measured endorsement from S&P Global Ratings, which has maintained its real GDP growth projection at 6.5 percent for the year ending March 2026. The agency expects growth to edge up to 6.7 percent in FY27, arguing that the country's economic momentum will lean heavily on domestic demand as new tax measures and lower interest rates expand households' spending capacity.

S&P's outlook hinges on a clear shift toward consumption-led growth. The recent increase in the income-tax rebate ceiling—from Rs 7 lakh to Rs 12 lakh—has created roughly Rs 1 lakh crore in additional disposable income for middle-income households. Combined with broad GST rate cuts on hundreds of mass-consumption goods, and the Reserve Bank of India's 50-basis-point policy rate reduction earlier this year, the policy environment has begun to tilt decisively toward boosting spending. Cheaper goods and easier borrowing conditions are expected to filter quickly into consumption demand, which already accounts for more than half of India's GDP.A favourable monsoon has added to this consumption outlook by improving agricultural output and rural income, both of which tend to have a strong bearing on India's broader demand cycle. S&P expects inflation to moderate to near 3.2 percent, providing additional support for real household purchasing power.However, the agency also points out that India's external-facing sectors continue to face substantial headwinds. US tariffs remain a drag on export-oriented manufacturing, limiting any meaningful contribution to growth from global demand. This is emerging as a point of vulnerability at a time when domestic consumption is expected to do much of the heavy lifting for the economy. S&P warns that if export weakness persists, India's manufacturing sectors may struggle to generate jobs and investment at the pace required for broader economic balance.The investment climate itself remains an area to watch. While government capital expenditure continues to support infrastructure build-out, private investment has yet to accelerate convincingly. Economists note that an overreliance on consumption, without a parallel rise in capital formation.

Ahead of demerger from HUL, Kwality Wall's unveils plan to be India's No. 1 ice cream company

Kolkata..**(Agency)**

Ahead of the planned demerger of its ice cream business, Kwality Wall's (India) Limited (KWIL), Hindustan Unilever Limited (HUL) has disclosed KWIL's strategy to dominate India's fast-growing ice cream market, which is projected to reach $4.4 billion (over Rs 36,000 crore) by 2030. This ambitious plan was detailed in an investor presentation. HUL has set December 1, 2025, as the effective date for the Kwality Walls demerger scheme.

A market ripe for expansion

The Indian ice cream market is currently valued at $2.6 billion (Rs 21,000 crore) and is forecasted to grow at a robust 11% Compound Annual Growth Rate (CAGR), according to Euromonitor International data. This growth is driven by strong structural tailwinds such as low per-capita consumption relative to global standards; vast under-penetration of retail outlets selling ice cream and rising refrigerator ownership in Indian households.KWIL highlights a massive expansion opportunity. While India boasts 13 million retail stores, and 4-5 million sell carbonated drinks, only about 1.2 million currently sell ice cream. With KWIL present in only 200,000 of these stores, the company sees significant potential for distribution growth.

KWIL's strategic playbook for leadership

KWIL, which currently claims the title of India's second-largest player by retail sales value, has a clear vision to become India's No. 1 Ice Cream Company. (Some reports suggest it is the third largest behind Amul and Baskin Robbins). The company outlines four major strategies to stay ahead of the competition:Winning on price points: The major focus is aligning its portfolio with key snacking price points (Rs10 to Rs 50), where the majority of the Indian snacking market thrives. This involves launching new products and re-pricing existing ones (sticks, cones, Cornetto) to directly compete with popular snacks like chocolates and biscuits.Massive distribution network expansion: KWIL plans to significantly expand its cabinet fleet, aiming to place ice cream freezers in millions more stores. The company estimates a potential to expand into 3 million additional stores, dramatically increasing product availability.

Premiumisation with global brands: KWIL will continue pushing premium brands like Magnum and introduce other international labels such as Ben & Jerry's and Breyers to cater to the growing demand for indulgence.

Riding the Q-commerce wave: The company noted the rapid growth of its e-commerce business, which has climbed from a negligible share to over 10% of its business between FY20 and FY25, powered by quick-commerce platforms that create new consumption occasions.

KWIL acknowledged recent financial pressures, attributing a drop in its H1 FY26 EBITDA margin to 4.5% (down from 7.1% in FY25) to cost inflation and investments.However, the company outlined a clear value creation model aimed at robust margin improvement through a combination of premiumization, procurement productivity, supply chain efficiencies, and operating leverage. The medium-term plan is to deliver market-beating organic sales growth and steady EBITDA expansion from 2026 onwards.

The separation from HUL is positioned as a mutually beneficial strategic move. For KWIL, it allows for a specialized operating model tailored to the unique cold-chain snacking category, a dedicated investment strategy, and incentives focused purely on ice cream growth.

Supreme Court agrees to Rs 5,100 crore settlement by fugitive Sandesara brothers

The Supreme Court has agreed to drop all CBI, ED and PMLA cases against the fugitive Sandesara brothers in the Sterling Biotech fraud case.

New Delhi.(Agency)

The Supreme Court on Monday agreed to drop all criminal proceedings against the fugitive Sandesara brothers in the Sterling Biotech bank fraud case, on the condition that they pay a one-time settlement of Rs 5,100 crore to the lender banks by December 17.The order stipulates that all cases filed by the CBI, ED, and under the Prevention of Money Laundering Act (PMLA) against Nitin and Chetan Sandesara and other co-accused can be closed once the settlement amount is deposited.

The verdict followed the government's confirmation that a one-time settlement (OTS) had been formally sanctioned in the case, which involves an alleged bank fraud of over Rs 5,383 crore linked to Sterling Biotech.

The bench underscored that the primary objective was the recovery of public funds, noting that continuing criminal proceedings would serve little purpose if the defrauded amount is returned."Since inception, this Court was of the view that if the petitioners are ready to deposit the amount as settled in OTS and public money comes back to lender banks, the continuation of the criminal proceedings would not serve any useful purpose. The tenor of the proceedings apparently indicate peculiarity, with intent to protect the public money and interest and to get deposited the defalcated amount," the order, made public on Friday, said.

However, the court made it clear that the relief granted is specific to the unique circumstances of this case and cannot be cited as precedent in future

matters.The Sandesara brothers, promoters of the Vadodara-based Sterling Biotech and leaders of a business empire spanning pharmaceuticals to energy, fled India in 2017 using Albanian passports after being accused of defaulting on domestic bank loans. They denied any wrongdoing.

The investigation had revealed the Sandesara Group's overseas companies had secured loans worth thousands of crores from foreign branches of Indian banks. The loans were sanctioned by a consortium of banks led by Andhra Bank, UCO Bank, State Bank of India, Allahabad Bank, and Bank of India.

The probe also uncovered that the funds obtained through these loans were diverted for unauthorised purposes, layered, and laundered through a complex network of domestic and offshore entities. The main promoters allegedly siphoned off the loan amounts not only to finance their Nigerian oil business but also for personal gains.

The ED had attached properties of the Sandesara Group worth Rs 9,778 crore in the Sterling Biotech case.

In a first, ex-CJI BR Gavai leaves official car for successor Justice Surya Kant

New Delhi.(Agency)

Former Chief Justice of India B R Gavai on Monday set a new precedent by leaving the official Mercedes-Benz car for his successor Surya Kant at the Rashtrapati Bhavan after the latter's swearing-in ceremony.Justice Gavai, who superannuated on November 23, reached the Rashtrapati Bhavan in the official car and left for his residence in his personal vehicle after the function.

"After the oath ceremony, Justice Gavai left the official vehicle designated for the chief justice and returned in

an alternative vehicle from the Rashtrapati Bhavan, ensuring that the official car is available for use by his successor for going to the Supreme Court," a person privy to the development said.

Justice Surya Kant was administered oath as the 53rd CJI by President Droupadi Murmu at a brief ceremony on Monday morning. He took the oath in Hindi in the name of God.Justice Kant was appointed the next CJI on October 30, and will remain in the post for nearly 15 months. He will demit office on February 9, 2027, on attaining the age of 65.Vice President C P Radhakrishnan, Prime Minister Narendra Modi, and former CJI Gavai were among the dignitaries who attended the ceremony.

AQI nears 'severe' category in Delhi, NCR towns cross 400

New Delhi.(Agency)

Delhi's air quality continued its downward slide on Sunday, inching closer to the 'severe' category as temperatures began to dip across the region. The city's average Air Quality Index (AQI) was recorded at 391, only nine points short of the 'severe' threshold, according to the Central Pollution Control Board (CPCB). Forecasts from the Air Quality Early Warning System (AQEWS) indicate that pollution levels are expected to remain in the 'very poor' bracket for the rest of the week.

Thirteen monitoring stations in the capital registered AQI readings in the 'severe' category, while 25 reported

'very poor' air, CPCB's Sameer app showed. Localities such as Wazirpur (AQI 464), Vivek Vihar (458), Rohini (457), Jahangirpuri (451) and Bawana (446) were among the worst hit on Sunday.

The toxic haze was not confined to Delhi alone. AQI readings from the National Capital Region painted an equally grim picture, with Ghaziabad (437), Noida (418) and Greater Noida (399) all breaching the upper end of the 'very poor' range. Faridabad (237) and Gurugram (295) fared comparatively better but still remained in the 'poor' category.

Data shows that Delhi's average AQI has remained stubbornly high over the past week — fluctuating between 351 and 392 — with Sunday's 391 matching levels seen earlier in the week.

Judge Who Sought Favours Dodges In-House Probe With Retirement? Maybe Not

New Delhi.(Agency)

A high court chief justice who tried to influence a National Company Law Appellate Tribunal member in Chennai for a ruling in favour of a company has narrowly escaped an in-house inquiry due to his retirement and other reasons.This does not mean he is completely out of the arc of accountability.The new Chief Justice of India Surya Kant can still recommend filing of a first information report (FIR) under the Prevention of Corruption Act.

Former Chief Justice of India BR Gavai had sought a report from National Company Law Appellate Tribunal (NCLAT) judicial member Justice Sharad Kumar Sharma, who had revealed in an open court that "one of the most revered members of the higher judiciary of this country" had approached him to secure a favourable order and recused himself from hearing the case.By the time

Justice Sharma sent a detailed report, the high court chief justice in question had retired. Due to this, a formal in-house inquiry could not be ordered against him.

During a hearing in the Supreme Court on November 14, lawyer Prashant Bhushan had said that according to his information, "the message came from the Chief Justice of a high court" to the judicial member of the company's appellate tribunal.

The Supreme Court then told NCLAT chairperson Justice Ashok Bhushan to hear the matter in a bench headed by him and adjudicate the dispute at the earliest. The Supreme Court also directed the interim resolution professional (IRP) appointed by the National Company Law Tribunal at Hyderabad to proceed in the insolvency dispute.

According to the bench, the judicial member recorded the incident in his order before recusing himself from hearing the matter, and that was enough for looking at the issue on the administrative side.

Chilli Spray To 'Hidma' Slogans: How Delhi's Air Protest Took Violent Turn

New Delhi.(Agency)

The protest at Delhi's India Gate on Sunday evening against the toxic air in the national capital turned violent and chaotic as some protesters allegedly attacked police personnel with chilli spray while being removed from the site. A group of people even raised slogans supporting Madvi Hidma - a top Maoist leader who was killed in an encounter in Andhra Pradesh earlier this month, prompting legal action.According to the police, the protesters sat in the middle of the road at India Gate without permission for around an hour, raising slogans and waving posters. When the police intervened and asked the demonstrators to stop the protest, they reportedly turned violent, broke baricades and sprayed chilli spray, injuring three to four cops.

Officials said the personnel are undergoing treatment at the Ram Manohar Lohia (RML) Hospital.As the cops continued to disperse the protesters, a group of people raised slogans such as "Madvi Hidma Amar Rahe" (Long Live Madvi Hidma). A man was seen holding a poster that read: "From Birsa Munda to Madvi Hidma, the struggle of our forests and environment will go on".

Hidma, who was responsible for at least 26 armed attacks against security forces and civilians, was killed in an encounter on November 18. He was known for attacks, including the 2010 attack in Dantewada that claimed the lives of 76 CRPF personnel and the 2013 ambush in Jhiram Ghati that left 27 people, including top Congress leaders, dead. He also played a key role in the 2021 Sukma-Bijapur ambush in which 22 security personnel were killed.

The police have arrested 22 people so far in connection with the violence - six have been taken into custody at the Kartavyapath police station, while the remaining 17 at the Parliament Street police station."An FIR has been registered under various sections, including against the use of force against the police, road blockades, and the use of chilli spray," Deputy Commissioner of Police, Devesh Kumar Mahla, said.

Officials have also assured action against those who raised the Maoist slogans. "Those who raised such slogans at India Gate will be identified, and legal action will be taken against them. We are taking legal action in this matter," the DCP said.

BJP hits out at protesters

Delhi Minister Kapil Mishra hit out over the violent protests, saying, 'Jihadis' and Maoists are now "becoming social activists". "Look at the reality of yesterday's protests in Delhi. They held posters against pollution, and chanted slogans like 'Lal Salaam' (Red Salute - a greeting used by communists). The new mask for jihadis and Naxalites is becoming social activists. Delhi has given a befitting reply to such ideology," he wrote in a post on X.

15 arrested for using 'pepper spray' on Delhi Police during air pollution protest

New Delhi.(Agency)

The Delhi Police has arrested 15 people on charges of obstructing its personnel and assaulting them, besides blocking the road during a protest at the India Gate over rising air pollution levels in the national capital, an official said on Monday.

On Sunday, the situation at the protest escalated as some demonstrators allegedly used pepper spray on police personnel while being removed from the scene, the official added.

According to a senior police officer, the protesters had gathered close to the C-Hexagon and were told that their demonstration at that location was obstructing ambulances and medical personnel trying to pass through.

"The situation then turned into a

scuffle, and some protesters used pepper spray on our personnel, which is unusual and rare," the officer said, adding that so far, 15 protesters have been arrested.The Delhi Coordination Committee for Clean Air, in a statement, said the city's worsening air quality has become a serious risk to public health and alleged that authorities have failed to address the root causes of pollution.It further alleged that air quality has remained in the severe category, while the government relies on cosmetic measures such as water sprinklers, cloud seeding and spraying near Air Quality Index (AQI) stations instead.

Lens on under-construction madrasa funded by Delhi blast accused doctor: Sources

The partly underground madrasa near Faridabad's Al-Falah University is allegedly funded by key Red Fort blast accused Dr Muzammil Ganie.

New Delhi.(Agency)

As investigative agencies dug deeper into the Red Fort blast case, a suspicious underground madrasa near Al-Falah University in Faridabad has come under scrutiny. Officials suspect that the partially constructed structure was funded in part by Dr Muzammil Ganie, a key accused in the Delhi blast.Ganie was arrested from Al-Falah University just hours before the Delhi explosion, in which his associate, Dr Umar un Nabi, detonated a device that killed 15 people. Investigators had also seized 2,900 kg of explosives from near the institution.

The madrasa is located in the middle of a village, barely two kilometres from the terror-tainted university campus, and was reportedly being built with government assistance.Spread across nearly 4,000-5,000 sq ft, the structure

remains incomplete, with large sections lying 7-8 feet below ground level. Only an upper portion, extending about three feet above the surface, has been constructed so far. The plot itself is level, indicating that an underground structure was not required for the structure. Yet the construction has been carried out below ground, without proper ventilation.

Investigators who surveyed the site noted that the foundation and design deviate significantly from typical madrasa architecture.

The walls are about 23 cm thick, and beneath them are platform-like formations nearly 1.9 metres wide. These platforms run along the entire periphery of the underground section, raising questions about their intended purpose.

The roof area features stairs descending to ground level, and mats were found placed on the raised platforms, indicating that children may have been using the space for classes.Agencies are now investigating Dr Muzammil's involvement in financing the madrasa and whether funds for its construction may have been routed through channels connected to the blast conspiracy.

NEWS BOX

At Least 3 Dead As Gunmen Attack Pakistan Paramilitary Force Headquarters In Peshawar

world. (Agency)

At least three people were killed after gunmen attacked Pakistan's paramilitary force headquarters in Peshawar on Monday. The defence complex, the headquarters of the frontier constabulary paramilitary force, was also hit by two suicide bombers, news agency Reuters reported, citing sources.Sources said the first suicide bomber carried out an attack on the main entrance of the constabulary, while the other one entered the compound."Law enforcement personnel, including the army and police, have cordoned off the area and are carefully handling the situation, as we suspect there are some terrorists inside the headquarters," a senior official told Reuters on condition of anonymity.The headquarters of the force is located in a crowded area, close to a military cantonment.Local residents in the area told the news agency that the road leading to the defence facility has been closed for traffic and cordoned off by the army, police and (security) personnel.Soon after the attack, several videos also started circulating on social media, claiming that blasts were heard at FC Chowk Main Sadar.

US Woman In 'Slender Man' Stabbing Case Cuts Off Monitoring Device, Goes Missing

world. (Agency)

A Wisconsin woman who admitted to nearly stabbing a classmate to death in 2014 to please the online horror character Slender Man is missing after she cut off an electronic monitoring device and left a group home, authorities said Sunday.Madison police issued an alert Sunday for Morgan Geyser, now 23, saying she was last seen around 8 p.m. Saturday with an adult acquaintance."If you see Geyser, please call 911," the alert said, adding that she had cut off a "Department of Corrections monitoring bracelet."Geyser was placed in a group home this year after being granted conditional release from the Winnebago Mental Health Institute. She was sent to the psychiatric institute in 2018 after pleading guilty to attempted first-degree intentional homicide in a deal with prosecutors to avoid prison.Geyser's attorney, Tony Cotton, said Sunday that he did not know what happened with his client and urged Geyser to turn herself in.It's in her best interest for her to turn herself in immediately and not continue with this course of action," Cotton said in an Instagram video post where he addressed Geyser directly at times. "We don't know any of the facts about what happened or who might have assisted her."Authorities say Geyser and her friend, Anissa Weier, were 12 years old when they lured their classmate, Payton Leutner, to a suburban Milwaukee park after a sleepover. Geyser stabbed Leutner more than a dozen times while Weier egged her on. Leutner barely survived.The girls later told investigators that they attacked Leutner to earn the right to be Slender Man's servants and they feared he'd harm their families if they didn't follow through.

Israel Sacks Military Officers Over "Systemic Failure" During Oct 7 Hamas Attack

world . (Agency)

In a decisive and deeply reflective address to the nation, Israel's Chief of the General Staff, Lieutenant General Eyal Zamir, announced sweeping command measures against senior Israel Defence Forces (IDF) officers for their roles in the failures surrounding the Hamas terror attacks of October 7, 2023. The announcement marks one of the most far-reaching accountability actions in IDF history. It follows what Zamir described as a "thorough, professional, and in-depth inquiry" into the systemic breakdowns that allowed the devastating assault.

Speaking on November 23, 2025, Zamir talked about the two urgent missions he carried with him upon assuming Israel's highest military post. "The first – to lead the IDF to decisive victory in a multi-arena war... The second – to strengthen the public's trust in the IDF and to ensure that the events of ctober 7th never happen again," he said.The October 7 attack - carried out by Hamas and other Gaza-based militants – saw coordinated infiltrations by land, air, and sea. Over 1,200 Israelis were killed, most of them civilians, and approximately 240 hostages were abducted into Gaza. Entire communities near the border were overrun, and key military installations were breached, exposing profound failures in intelligence analysis, force readiness, early-warning systems, and command decision-making.Zamir emphasised that the IDF's primary mission – protecting Israeli civilians – had failed on that day. "My conclusions present an unequivocal picture: the IDF failed in its primary mission on October 7—to protect the civilians of the State of Israel. This is a severe, resounding, systemic failure... The lessons of that day are numerous and significant.

More and more Ugandan men seek DNA paternity tests, often with heartbreaking results

NABUMALI. (Agency)

Among the most sensitive family disputes Moses Kutoi mediates are those involving upset men questioning why some of their children don't resemble them.For the Ugandan clan leader attuned to the wisdom of his ancestors, the matter is taboo, never to be discussed with others. Yet Kutoi feels compelled to intervene in the hope of saving marriages that sometimes turn violent and are on the verge of breaking."Even me, I don't resemble my father," the clan leader recently told one disbelieving man he was helping.

Paternity has become a key test of faith in this east African country as DNA testing becomes more widely available, fueled in part by published reports of well-known Ugandans who eventually discovered they were not the biological fathers of some of their children.The matter has become so heated that clerics and traditional leaders now urge tolerance and a return to the kind of African teachings that village elders like Kutoi say they stand for.At last year's Christmas Day service, the Anglican archbishop of Uganda, Stephen Kaziimba, cited the example of the virgin birth of Jesus — the bedrock of Christian belief — in a sermon that sought to discourage DNA testing among the faithful."You take DNA and you find out that out of the four children, only two are yours," he warned. "So just take care of the children the way they are, like Joseph did."

Paternity disputes are proliferating

The Ministry of Internal Affairs runs a government-accredited lab that conducts court-ordered investigations. It says the number of men seeking voluntary DNA testing has soared recently, with often "heartbreaking" outcomes."About 95% of those coming for DNA tests are men, but more than 98% of the results show these men are not the biological fathers," Simon Peter Mundeyi, a spokesman for the Ministry of Internal Affairs, told reporters in July.His advice for men was not to seek DNA proof of paternity "unless you have a strong heart," he said.DNA testing centers have sprouted al over Uganda, with aggressive advertising by clinical labs on radio and in public spaces. Some passenger taxis in Kampala, the Ugandan capital, have had their back windows plastered with ads for facilities offering DNA testing.In

Nabumali, a small town where Kutoi is the mayor, most families can't afford DNA testing fees, which exceed $200 at the only private laboratory equipped to do such work in nearby Mbale city.The couples who seek Kutoi's assistance can barely tolerate each other by the time they approach him. He tries to ease the tension with self-deprecating jokes and by sharing his own experience with the taboo topic. Kutoi likes to point out that although he doesn't resemble his father, he was picked as the family heir anyway, allowing him to become a clan leader among the Bagisu people.In the past, if a man spoke publicly about paternity concerns, community elders would pay him a visit. He could be punished, including being forced to pay a fine, Kutoi said."You are not supposed to pronounce that I am suspecting that this child is not mine," said Ktoi, adding that being drunk was no excuse for such an utterance.Disputes are tied to property and divorce proceedings

These days many paternity disputes in Uganda revolve around the distribution of property after the family patriarch has died, but also during divorce proceedings when spousal support is contested.In the most prominent recent case, court-ordered DNA testing showed a wealthy academic in Kampala was not the father of one of his three children. That case has been widely covered by the local press, underscoring paternity as an issue affecting a wide range of families.

Geneva talks marked 'most productive, meaningful meeting' as US, Ukraine report good progress

World. (Agency)

US Secretary of State Marco Rubio said the talks in Geneva on President Donald Trump's proposal to end Russia's war on Ukraine were the "most productive and meaningful meeting" since the Trump administration came to power."

Rubio made the remark after meeting senior Ukrainian envoys on Sunday. He told journalists that a second round of discussions would take place later on Sunday night."This will ultimately have to be signed off by our presidents, although I feel very comfortable about that happening given the progress we've made," said Rubio, who was accompanied by Army Secretary Dan Driscoll and Trump's special envoy Steve Witkoff.He added that Russia would also have to approve the final peace plan.The head of the Ukrainian delegation, presidential chief of staff Andrii Yermak, also confirmed that an initial session had wrapped up and that another meeting was expected shortly.

"I want to confirm that we had a very productive first session with the distinguished American delegation. We have made very good progress and are moving forward to a just and lasting peace," he said."Very soon today the second meeting will take

place, where we will continue to work on joint proposals with the engagement of our European partners. Final decisions will be taken by our Presidents."However, tensions surfaced during the talks after President Donald Trump slammed Ukraine for showing a lack of "gratitude" for Washington's support against Russia's invasion.

'Zero gratitude for out efforts'

The US President, who is known for blowing hot and cold on Ukraine, earlier said on his Truth Social platform that Ukraine's leadership "EXPRESSED ZERO GRATITUDE FOR OUR EFFORTS," referring to his plan to end the nearly four-year conflict, which adhered to some of Moscow's demands.In an attempt to appease Trump after the outburst, Ukrainian President Volodymyr Zelensky took to X a few hours later in a conciliatory tone."Ukraine is grateful to the United States, to every American heart, and personally to President Trump for the assistance that -- starting with the Javelins -- has been saving Ukrainian lives," Zelensky wrote on X.

Starmer and Trump phone call

Meanwhile, Downing Street said UK Prime Minister Keir Starmer spoke with Trump by phone, with both leaders agreeing that "we all must work together at this critical moment".

G20 summit in South Africa ends with glaring absence of US after Trump's boycott

World.(Agency)

JOHANNESBURG: The Group of 20 summit in South Africa ended Sunday with the glaring absence of the United States, the next country to lead the bloc, after the Trump administration boycotted the two days of talks involving leaders of the world's richest and top developing economies.

South African President Cyril Ramaphosa declared the summit in Johannesburg closed by banging a wooden gavel on a block like a judge would, in a G20 tradition. The gavel would normally be handed over to the leader of the next country to hold the rotating presidency, but no U.S. official was there to receive it.

The world's biggest economy boycotted a summit meant to bring rich and developing nations together over President Donald Trump's claims that South Africa is violently persecuting its Afrikaner white minority.

The White House said it intended in a last-minute decision for an official from its embassy in South Africa to attend the G20 handover. But South Africa refused that, saying it was an insult for Ramaphosa to hand over to a junior embassy official. In the end, no U.S. delegation was accredited for the summit, according to the South African Foreign Ministry.

South Africa said the handover would happen later, possibly at its foreign ministry. Trump has said the U.S. will hold next year's summit at his golf club in Doral, Florida."This gavel of this G20 summit formally closes this summit and now moves on to the next president of the G20, which is the United States, where we shall see each other again next year," Ramaphosa said as he closed the summit, making no reference to the U.S. absence in his speech.Breaking with tradition

The first G20 summit in Africa also broke with tradition on Saturday by issuing a leaders' declaration on the opening day of the talks, when declarations usually come at the end of the summit.The declaration was significant in that it came in the face of opposition from the U.S., which has for months been critical of a South African agenda for the group that largely focused on climate change and global wealth inequality, focuses the Trump administration derided. Argentina said it also opposed the declaration after Argentine President Javier Milei, a Trump ally, also skipped the summit.Other G20 nations, including China, Russia, France, Germany, the U.K., Japan and Canada, backed the declaration, which called for more global attention on issues that specifically affect poor countries, such as the need for financial help for their recovery efforts after climate-related disasters, finding ways to ease their debt levels and supporting their transition to climate-friendly green energy sources.

Mamdani stands by Trump criticism despite friendly White House meeting

WASHINGTON . (Agency)

. New York City Mayor-elect Zohran Mamdani didn't back down in an interview that aired Sunday from past criticism that President Donald Trump acted like a despot and a fascist after a surprisingly friendly White House meeting between the two men.The newly elected democratic socialist and the Republican president have fiercely criticized each other in the past. Trump called Mamdani a "100% Communist Lunatic" in a social media post following the incoming mayor's election victory, and Mamdani has said Trump was attacking democracy. Yet the two political foils emerged smiling after the meeting Friday and spoke of shared goals.Pressed about his past criticism during a "Meet the Press" interview conducted Saturday, Mamdani said his views remained unchanged.Everything that I've said in the past, I continue to believe," Mamdani said. "And that's the

thing that I think is important in our politics, is that we don't shy away from where we have disagreements, but we understand what it is that brings us to that table, because I'm not coming into the Oval Office to make a point or make a stand. I'm coming in there to deliver for New Yorkers."Trump had brushed aside Mamdani's criticisms Friday and even jumped in on his defense several times. When a reporter asked if Mamdani stood by his comments that Trump is a fascist, Trump interjected before Mamdani could fully answer the question."That's OK. You can just say yes. OK?" Trump said. "It's easier. It's easier than explaining it. I don't mind."Asked about the fascist criticism on "Meet the Press," Mamdani said, "That's something that I've said in the past. I say it today. "

Kevin Hassett, director of the National Economic Council, said on CNN's "State of the Union" talk show that Trump wants to work with everybody who cares about the future of the American people.

"We're at times disagreeing about policies," Hassett said, "but I think that the objective of making life better for everybody is something that a lot of people share on the Democratic and Republican side.

In Geneva, US and Ukraine officials report progress on ending Russia's war but offer few specifics

The 28-point blueprint drawn up by the U.S. to end the nearly four-year war has sparked alarm in Kyiv and European capitals.

GENEVA .(Agency)

Top U.S. and Ukrainian officials said Sunday they'd made progress toward ending the Russia-Ukraine war but provided scant details after discussing the American proposal to achieve peace that has sparked concerns among many of Washington's European allies that the plan is too conciliatory to Moscow.U.S. Secretary of State Marco Rubio said high-stakes talks in Geneva were "very worthwhile" and constituted the most productive day in "a very long time.""I feel very optimistic that we can get something done," Rubio said.

But he offered very little information on what was discussed. He also downplayed a Thursday deadline set by President Donald Trump for Ukraine to respond to the plan, saying simply that officials want to see fighting stop as soon as possible and that officials could keep negotiating Monday and beyond. He said that higher-level officials may eventually have to get involved."This is a very delicate moment," Rubio said of what still needed to be worked out. "Some of it is semantics, or language. Others require higher-level decisions and consultations. Others, I think, just need more time to work through."The 28-point blueprint drawn up by the U.S. to end the nearly four-year war has sparked alarm in Kyiv and European capitals. Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy has said his country could face a stark choice between standing up for its sovereign rights and preserving the American support it needs.The Ukrainian leader has vowed that his people "will always defend" their home.The proposal acquiesces to many Russian demands that Zelenskyy has categorically rejected on dozens of occasions, including giving up large pieces of territory.

In a subsequent statement Sunday night, the White House said the Ukrainian delegation "affirmed that all of their principal concerns — security guarantees, long-term economic development, infrastructure protection, freedom of navigation, and political sovereignty — were thoroughly addressed during the meeting."

It added that the Ukrainians "expressed appreciation for the structured approach taken to incorporate their feedback into each component of the emerging settlement framework." The White House said changes made to the proposal now reflect "their national interests" and provide "credible and enforceable mechanisms to safeguard Ukraine's security in both the near and long term."

But language of such positive steps came only after concerns about the original, Trump-endorsed deal intensified. A bipartisan group of U.S. senators said Rubio told them Saturday that the plan had originated with Russia and was actually a "wish list" for Moscow, rather than a serious push for peace.

German Chancellor Friedrich Merz said that he'd spoken to Trump and made clear there were some parts of the plans key European nations could agree on but others where they could not."I told him that we are fully in line with Ukraine, that the sovereignty of this country must not be jeopardized," Merz said in an interview with DW.

NEWS BOX

New Zealand's Kane Williamson returns for West Indies Tests, Kyle Jamieson rested

New Delhi. (Agency)

Kane Williamson has been recalled to the New Zealand squad for the upcoming three-Test series against the West Indies in December, marking his return to red-ball cricket after missing the one-day internationals and the Test series against Zimbabwe earlier this year. His selection comes alongside experienced seamer Blair Tickner and promising pacer Zak Foulkes joining the 14-man squad, with Kyle Jamieson rested for at least the series opener. The squad also welcomes back Daryl Mitchell, who has recovered from the groin injury he sustained during the recent ODI series against the West Indies.Williamson, who recently retired from international T20 cricket, has not featured in a Test match since December last year. His inclusion is viewed as a stabilising presence for Tom Latham's side, with head coach Rob Walter saying, "Kane's ability on the field speaks for itself and it will be great to have his skills as well as his leadership back in the test group." Walter added, "He's had a bit of time off to get himself ready for red-ball cricket."

With Jamieson unavailable due to his red-ball return-to-play plan, Blair Tickner is in line for his fourth Test cap after more than two years. Tickner, 32, has shown strong form of late, collecting two Man of the Match awards in the ODI series against England last month. Jacob Duffy, who made his Test debut against Zimbabwe earlier this year, is also included as a pace option, strengthening the seam attack.Zak Foulkes, 23, earned his place after a standout Test debut against Zimbabwe in August, where he took nine wickets for 75 runs-the best match figures by a New Zealander on Test debut. The fast-bowling group is rounded out by Duffy and Matt Henry, with injuries to Will O'Rourke and Ben Sears limiting further options. Walter said.

Lionel Messi powers Inter Miami to 1st East final, thrash Cincinnati in semis

Inter Miami progressed to their first-ever Eastern Conference final following a commanding 4–0 victory over FC Cincinnati. Lionel Messi led with one goal and three assists, while Tadeo Allende and Mateo Silvetti contributed crucial goals. Miami continues their historic playoff run and will next face either Philadelphia or NYCFC.

New Delhi. (Agency)

Inter Miami booked their place in the MLS Eastern Conference final for the first time in club history with a decisive 4–0 victory over FC Cincinnati. The win builds on Miami's growing momentum in the postseason, as the club posted back-to-back 4–0 playoff results under coach Javier Mascherano. Lionel Messi led the attack with a goal and three assists, continuing his consistent involvement in every Miami goal during this playoff campaign. The result eliminates Cincinnati at home for the third consecutive season, extending their streak of postseason disappointments just short of the conference final.Messi delivered a commanding performance, scoring the opening goal and assisting on three others to drive Miami's attack. His header in the 19th minute set the tone for the match, and he was directly involved in the build-up for each subsequent goal. Messi now has six goals and six assists in the postseason.

MLS Playoffs: Full coverage

Tadeo Allende continued his standout postseason form with a brace in the second half, scoring in the 62nd and 74th minutes. Both goals came from swift transition plays initiated by Messi, who orchestrated the attacks by winning possession high up the pitch and quickly releasing Allende into space. Allende's contributions further cemented his importance during this deep playoff run.

Mateo Silvetti, aged 19, made a significant impact by assisting Messi's opener and adding a goal of his own to make it 2–0. Silvetti finished off a well-worked move that began with a right-side throw-in and a clever exchange with Messi. His performance reinforced the value of Miami's youthful frontline, which flourished in the absence of Luis Surez, who was available after suspension but did not start.Miami's tactical approach under Mascherano has produced high-scoring, disciplined playoff performances. The decision to keep Surez on the bench allowed the younger attackers to continue their effective pressing and quick attacking transitions. Miami's system proved too difficult for Cincinnati to contain, leading to the win.Looking ahead, Miami will face the winner of Philadelphia versus NYCFC in the Eastern Conference final, aiming to extend their best-ever MLS Cup Playoff run.

Ashes: England coach Brendon McCullum urges fans to keep faith after Perth horror

New Delhi. (Agency)

England coach Brendon McCullum has broken his silence after his side's bruising two-day defeat in Perth, urging fans to "keep the faith" and insisting there will be no change in the team's attacking approach despite the heavy setback in the opening Ashes Test.England were outplayed in all departments as their high-risk style, known as Bazball, faltered under pressure. Batting collapses in both innings and a whirlwind 69-ball century from Travis Head condemned the visitors to an eight-wicket loss, leaving them facing an uphill battle to regain the urn with four Tests still to play."Keep the faith," McCullum said when asked about his message to England supporters.

"Sometimes we get beaten and it looks pretty ugly, but there are times when having that type of mentality allows us to still believe in our abilities when we step out to play. There are times we don't get it right, but we have to believe in what we believe in because it gives us the best chance. Just because we are one down in the series doesn't change what we believe in. We have to stay calm, stay together, and plot our way back into this series, as we have done before."England's struggles in Australia continue to mount; they have now lost 14 Tests, drawn two and won none in the country since their last Ashes triumph there 15 years ago. Perth had offered a genuine chance to break that run. At 160 for 5 on day one, England appeared set for a competitive total before losing five wickets for 12 runs to be bowled out for 172. They bounced back by skittling Australia for 132 and later moved to 65 for 1 in their second innings, seemingly poised to seize control. But another collapse left Australia needing 205, a target they chased down comfortably.He also reminded everyone that this isn't the first time his side has taken a two-day punch. "We've been in this situation before.... We played South Africa and lost in two days that first Test and came back and won that series 2-1," he pointed out, framing Perth as a setback within a larger pattern rather than a referendum on Bazball itself.Brendon McCullum even leans into the risk. "Sometimes we get beaten, and sometimes it looks pretty ugly, but having that mentality allows us to still believe in our abilities next time we step out to play," he said. In other words, if Bazball creates the kind of chaos that just burned England in Perth, it is also the same fire he trusts to light their way back into the series.

IND vs SA: Anil Kumble explains why Sanju Samson deserved chance in India's ODI squad

GUWAHATI. (Agency)

Former India cricketer Anil Kumble has expressed disappointment at Sanju Samson's absence from India's ODI squad for the three-match series against South Africa, beginning on 30 November. Speaking on Day 3 of the second Test in Guwahati, Kumble suggested the selectors may have misjudged the wicketkeeper batter's recent form when choosing the squad.The Board of Control for Cricket in India has opted to bring back Rishabh Pant for the ODI leg of the tour. Pant last played an ODI in August 2024 against Sri Lanka in Colombo and now returns as India continues to rework its white-ball combinations.Kumble said Samson was one of the names he had expected to see in the squad. Reflecting on Samson's ODI record, he said: "One name that I would have wanted to see was Sanju Samson as well, because I think the last ODI that he played a couple of years ago, I know he was not a part of the Australia ODI squad, but Sanju got a hundred."Samson's most recent ODI appearance came in December 2023 in Paarl, where he scored a composed 108 off 114 balls while batting at number three. Across 16 ODIs, he has accumulated three fifties and a century and has

often been praised for his calm approach in the middle overs.However, his recent form in T20Is may have been a factor in his omission. Since the retirement of Rohit Sharma and Virat Kohli from T20Is, Samson has enjoyed a productive run at the top alongside Abhishek Sharma. With Shubman Gill taking over as vice-captain, Samson was moved to the middle order, where his returns have dipped.Kumble suggested that the selectors may have blurred the lines between formats. He said, "So I think when you play these three different formats or two formats, you tend to mix up the form and everything else. So that is something that I think one needs to keep in mind when you are picking squads."He indicated that judging Samson's ODI prospects based on his T20 form could amount to an error in evaluation.

Eberechi Eze adds an aura to Arsenal: Arteta praises hat-trick hero after Spurs win

New Delhi. (Agency)

Eberechi Eze delivered a performance of rare authority and brilliance to send Arsenal six points clear at the top of the Premier League, with Mikel Arteta hailing the England international for bringing an "aura" the team had been missing. The 26-year-old struck the first hat-trick of his career in a commanding 4-1 win over Tottenham, punishing the club that came close to signing him in the summer before Arsenal secured his £67.5m move from Crystal Palace.Leandro Trossard set Arsenal on their way, but it was Eze who seized control of the contest. His first goal arrived after a silky dribble that cut open a static Tottenham back line, allowing him to slot home with confidence and precision. Arsenal went into the break 2-0 up and within 36 seconds of

the restart Eze doubled his tally, reacting sharply to extend the lead. He completed his hat-trick late on, capping a dominant display even after Richarlison had pulled one back for a Spurs side that mustered only 0.07 expected goals."Things happen for a reason," Arteta said, reflecting on the club's decision to move for Eze after three consecutive runners-up finishes. "After the international duty, he had two days off, and after one day he wanted to train, and he wanted to improve, and he wanted to do extra practice and he was asking me questions about this and that.When a player has such a talent, and his desire is at that level, then these things happen. And he fully deserves it. I'm so happy for him, because since the day that he came, he brought something else to the team.So it's a joy, it's an aura that this team needed and hopefully it will give him a lot of confidence, to him and the team, that at any moment he can win us a game. And that's the ability that he has and he certainly needs to fulfil that talent.

40-year-old Cristiano Ronaldo scores stunning bicycle kick for Al Nassr

New Delhi. (Agency)

Cristiano Ronaldo rolled back the years with a sensational overhead kick as Al Nassr continued their impressive season with a decisive win over Al Khaleej. Ronaldo's strike drew comparisons to his goal against Juventus in the Champions League final in 2017, as the 40-year-old showed why he is one of the greatest players of all time.

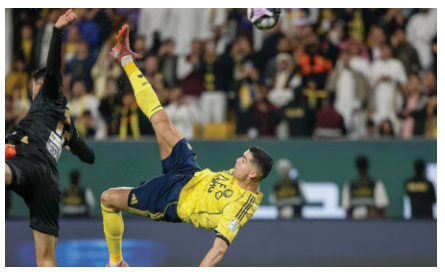

Al Nassr's dominance was evident from the outset, maintaining control throughout Joao Felix played a leading role in the first half, registering both a goal and an assist to set the pace for the win. The opening phase saw Al Nassr apply early pressure, with multiple opportunities created. Cristiano Ronaldo threatened to open the scoring on two occasions—first with a shot from the edge of the area and later with an effort inside the box that required a strong save from Al Khaleej goalkeeper Moris. These initial opportunities set the tone for Al Nassr's relentless attack as Joao Felix soon took center stage.His performance in the first half helped his team assert control. Al Nassr's tactical approach centered on sustained attacking play, which left Al Khaleej's defense under constant pressure. Felix opened the scoring in the 39th minute, with Wesley doubling the lead three minutes later.Murad Al-Hawsawi cut the deficit down in the 47th minute, but Sadio Mane restored the two-goal cushion in early in the final quarter of the second half.

Defensively, Al Nassr managed the game with discipline, limiting Al Khaleej's opportunities. The turning point came late in the match when Al Khaleej was reduced to ten men following a sending off, making it increasingly challenging for them to mount any comeback against Al Nassr's high-tempo play.The match's most notable moment occurred in the final play, as Cristiano Ronaldo scored his 955th goal with a spectacular bicycle kick.Statistically, the fixture reflected Al Nassr's control, with Ronaldo's late goal serving as the most spectacular among several throughout the match. The 955-goal milestone further solidified his position as a prolific scorer. Joao Felix's involvement in both a goal and an assist added to the team's overall impressive numbers.

South Africa 1-0 India Why a draw is likely in Guwahati Test

SEVILLE. (Agency)

At different points of the last two days in Guwahati, the second Test between India and South Africa looked like a contest swinging between two extremes. First, India had the visitors on the ropes at 247 for 6. Then, suddenly, the game slipped away, not through top-order domination, but through defiance from the tail.In a matter of hours, South Africa did not just recover. They built a mountain.The damage was caused largely by Senuran Muthusamy and Marco Jansen. Muthusamy's maiden Test century and Jansen's fighting 93 turned a vulnerable position into a formidable 489. From a potential 350 to 375, South Africa pushed India into a space where the match no longer feels winnable through normal means. It now feels like a survival exercise rather than a shootout.

IT'S DO OR DIE

It is not impossible for India to still force a result. On a surface built for batting, a long first-innings effort, a quick South African collapse, and a final-day chase do exist as theoretical outcomes.In reality, however, those scenarios sit well beyond probability.

While Test cricket has a habit of surprising, the conditions in Guwahati and the time already lost heavily restrict India's options. On a pitch that has offered very little to bowlers, the most realistic result is a draw. The only alternative is a surprise South African win, if the surface unexpectedly deteriorates.Even on a wicket Kuldeep Yadav described as "like a road," India's route to victory is layered with complications. To force a result, the hosts must first bat long enough to wipe out the massive deficit. They must then bowl South Africa out quickly, and finally chase or defend a target in a shrinking time window. This is not only about skill. It is about precision, timing and flawless execution across every session.

India's batters now find themselves in a unique situation where time at the crease may matter more than runs. To even keep the series-levelling dream alive, they must bat deep into Day 4 and possibly part of Day 5, before thinking about pushing for a result. Anything less, and overs will disappear faster than wickets.

RACE AGAINST TIME

Overs are already vanishing from the match. With delays and slow over rates, an average of 10 to 11 overs has been lost per day in Guwahati. Across a five-day Test, that works out to roughly 50 to 55 overs gone, nearly two full sessions erased. By realistic calculation, the equivalent of two days and two sessions from the match have already drifted away.Arguably, yes. Their lower order may not have secured a win, but they have almost certainly ruled out a defeat. With such a huge total on the board and time draining fast, the Proteas have removed the immediate threat of collapse. At worst, they are chasing a draw. At best, they might yet force a victory if India stumble.For India, the implications stretch beyond this series. A home Test series defeat would complicate their World Test Championship calculations significantly. These are the conditions in which the hosts are expected to collect points. Falling short here means India must make up lost ground against equally.

Huma Qureshi

Demands Equal Penalty For Online Abuse And Street Eve-Teasing, Says 'Stop Commenting On Women'

Huma Qureshi is earning widespread acclaim for her back-to-back OTT performances in Delhi Crime Season 3 and Maharani Season 4. In a recent conversation on The Male Feminist, the actor opened up about the sexism she faces online, the policing of women's bodies, and why cyber harassment should carry the same punishment as physical eve-teasing on the streets.

What Huma Said About Online Harassment

Speaking candidly, Huma revealed the kind of comments she regularly receives on social media."There are comments like 'post a picture in a bikini,' and I am like, 'kar kya rahe ho boss?' It is very disgusting, and it is quite sad," she said.She argued that online abuse should be taken just as seriously as harassment in public spaces."Mere hisaab se toh jaise aap ladki ko physically ya kahin sadak pe chalte hue tease karne ki punishment milti hai, online ki bhi same punishment honi chahiye. There is no difference."

'Please tippani dena band kar dijiye'

Huma added that men often believe virtual misconduct is harmless, but it carries the same violation of dignity."You are slipping into my DMs and sending me dirty pictures or writing dirty comments on my post, toh aapko bhi wahi saza milni chahiye jo kisi ko badtameezi on the road pe milti hai."She urged people to stop policing women for every aspect of their lives.

"Main sirf ek basic common sense ki baat bolna chahti hoon ki ladkiyon ko unke kapdon ke baare mein, unke make-up ke baare mein, woh kaise life jeeti hain, kya kaam karti hain, kitne baje ghar wapas aati hain, unka wazan kya hai… unke baare mein please tippani dena band kar dijiye."

Huma's Recent Work

Huma first broke out with Anurag Kashyap's Gangs of Wasseypur Part 2 in 2012 and has since carved a niche with powerful, layered characters. She recently headlined Maharani 4, played a cop in Bayan — which premiered at the Toronto International Film Festival (TIFF) — and also appeared in Jolly LLB 3.

Avneet Kaur

Serves Sexy Sunlit Look In Brown Lace Co-ord Set

Avneet Kaur, who continues to cement her place as one of Gen-Z's most reliable fashion trendsetters, has once again stepped out in a look that feels fresh, sunlit, and straight off an editorial mood board. The actor-influencer turns a simple indoor setting into a warm, fashion-forward frame in her latest pictures.In the new photos, Avneet is seen wearing a ribbed brown co-ord set that strikes the perfect balance between cute, cosy, and chic. The fitted tank top features delicate cream lace along the straps and hem, while the matching shorts echo the same feminine detailing. The soft lace trims add romance to the look, and the subtle text printed across the top introduces a playful street-style vibe without taking away from the elegance.

Her hair, styled in long, soft waves with a centre part, flows seamlessly down her back and catches the sunlight beautifully, creating dimension and warmth. Avneet's makeup stays true to her signature soft-glam aesthetic — clean, dewy skin, lightly defined eyes, fluttery lashes, and a peachy-nude lip that ties the entire look together. A dainty necklace and a simple bracelet complete her accessories.

What brings the photos alive is Avneet's effortless posing. In one frame, she glances over her shoulder with a soft intensity; in another, she stands poised and glowing in natural light; and in the final shot, she stretches back in a dramatic, editorial posture that showcases both the outfit's fit and her expressive presence. Each pose feels confident and camera-ready, making the series look like curated frames from a fashion magazine.

Avneet Kaur began her journey in showbiz as a tiny powerhouse on Dance India Dance Li'l Masters in 2010, later joining Dance Ke Superstars. By 2012, she had smoothly transitioned into acting with Meri Maa, followed by Tedhe Hain Par Tere Mere Hain and a memorable stint on Jhalak Dikhhla Jaa, where she became the youngest contestant ever.Her acting graph only climbed higher with roles in Savitri – Ek Prem Kahani, Ek Mutthi Aasmaan, and Hamari Sister Didi, before making her film debut in Pradeep Sarkar's Mardaani (2014). Over the years, Avneet impressed in Chandra Nandini and as the fierce Yasmine in Aladdin – Naam Toh Suna Hoga.On the big screen, she's been seen in Chidiakhana, Tiku Weds Sheru, Luv Ki Arrange Marriage, and the murder mystery Party Till I Die. Most recently, she starred in Love in Vietnam, India and Vietnam's first co-production, alongside Shantanu Maheshwari and Kha Ngan.

Ranveer Singh Reveals His Romance With Deepika Padukone 'Blossomed' In Udaipur: 'Very Lucky For Love Stories'

Ranveer Singh and Deepika Padukone are undeniably one of Bollywood's most loved couples. Their love story began during the shoot of Sanjay Leela Bhansali's film 'Goliyon Ki Raasleela Ram Leela' in 2012. Ranveer is currently in Udaipur, where he performed at Netra Mantena and Vamsi Gadiraju's sangeet ceremony. A recent video shows the actor calling Udaipur a 'lucky charm' for love stories, and revealing that his romance with Deepika also began here, while they were shooting for Ram Leela.

Ranveer Singh Opens Up On His Love Story With Deepika Padukone

A video from the sangeet ceremony that is going viral on social media shows Ranveer Singh on stage, addressing the couple and the guests. He called Udaipur a 'special place' and went on to reveal how his own love story with Deepika Padukone blossomed here. "I want to tell you, Udaipur is like a lucky charm for love stories. I shot a movie here, called Ram-Leela. It was back in the day, and I was starring opposite your Bhabhi. And it was on the long Udaipur schedule of Ram Leela that our love story blossomed. Since then it has been 13 years of togetherness, seven years of marriage, and one beautiful baby girl. So you see? Udaipur is very, very lucky for love stories," he said. Check out the video below!

Ranveer Singh and Deepika Padukone tied the knot on 14 November 2018 at Lake Como in Italy. They welcomed their first child, daughter Dua Padukone Singh, in September last year.

Ram Leela Completes 12 Years

Sanjay Leela Bhansali's film 'Goliyon Ki Raasleela Ram Leela' was released in theatres on November 15, 2013. The film recently completed 12 years, and screenwriters Siddharth-Garima shared several unseen behind-the-scenes photos from the sets of the film. Fans were delighted to see some lovely candid pictures of Deepika and Ranveer, along with director Sanjay Leela Bhansali and other team members.Goliyon Ki Raasleela Ram Leela starred Deepika Padukone and Ranveer Singh in the lead roles, with Priyanka Chopra's special appearance in the song 'Ram Chahe Leela'.

Aishwarya Rai Surprises Abby V At His Concert, Singer Says He Can 'Happily Retire' After Her Praise

Actor Aishwarya Rai Bachchan, who was recently in Puttaparthi for the centenary celebrations of Sri Sathya Sai Baba, made a surprise appearance at singer-composer Abby V's concert. The Canadian-Tamil musician shared new pictures with the actor on his Instagram, calling the moment a career milestone he would "happily retire" after.

Aishwarya, dressed in a rich golden ensemble with intricate embroidery and a soft, luminous shimmer, is seen smiling beside the singer in the photos. Her presence at the concert clearly left Abby overwhelmed.

"So yeah Aishwarya Rai came to my concert and said the kindest things about my music. We bonded over our South Indian roots and my new Tulu song from Kantara. That's it. I can retire now. Good night," Abby wrote in his caption, capturing both the surreal joy and humour of the moment.

Who Is Abby V? A Voice Rooted in Devotion and Classical Excellence

Abby V, born Abhishek Venkatachalam, is an award-winning singer, composer and producer known for blending classical Indian forms with contemporary soundscapes. His devotional and spiritual repertoire has earned him global acclaim, and he recently lent his voice to "Brahmakalasha" from Kantara Chapter 1, further cementing his position as one of the most exciting vocalists in the indie-classical space.

Aishwarya's Message for PM Modi at Sathya Sai Baba's Centenary

Before attending Abby's concert, Aishwarya was part of the centenary celebrations honouring Sri Sathya Sai Baba, an event that saw the presence of Prime Minister Narendra Modi, Sachin Tendulkar, and several prominent dignitaries.In her address, Aishwarya said, "I extend a heartfelt thank you to our honourable Prime Minister Narendra Modi ji for being here with us today and for honouring this special occasion. I am looking forward to listening to your wise words, impactful and inspiring as always, to enthral us today."

Aishwarya's Current Work Front

Aishwarya Rai Bachchan was last seen in Mani Ratnam's Ponniyin Selvan II, the concluding chapter of the acclaimed historical epic. The film featured an ensemble of celebrated actors including Vikram, Karthi, Trisha, Jayaram, Prabhu, Sarathkumar, Sobhita Dhulipala, Aishwarya Lekshmi and others. The actor has not officially announced her next project, leaving fans eagerly awaiting news of her upcoming work.